हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलवार | 03 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :112 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

देशभर के किसानों को मोदी सराकर ने दी बड़ी सौगात,

डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी, आय बढ़ाने पर भी हुए कई फैसले

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहला है डिजिटल कृषि मिशन। इसे कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और हमें सफलता मिली है।

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सोमवार को 2,817 करोड़ रुपये के डिजिटल कृषि मिशन को मंजूरी दे दी। कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसे कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है और कहा कि कुल 2,817 करोड़ रुपये के निवेश के साथ देश में डिजिटल कृषि मिशन स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज कैबिनेट बैठक में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए 7 बड़े फैसले लिए गए हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पहला है डिजिटल कृषि मिशन। इसे कृषि के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की संरचना की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। कुछ अच्छे पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और हमें सफलता मिली है। उस आधार पर कुल 2,817 करोड़ रुपये के निवेश से डिजिटल कृषि मिशन की स्थापना की जायेगी। उन्होंने बताया कि दूसरा फैसला खाद्य एवं पोषण सुरक्षा से जुड़ा

है। हम अपने किसानों, अपने कृषि समुदाय को 2047 के लिए जलवायु-अनुकूल फसल विज्ञान और खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा के लिए कैसे तैयार करें - इसे ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम के लिए 6 स्तंभ स्थापित किए गए हैं जो 3,979 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा।मंत्रिमंडल ने कृषि शिक्षा और प्रबंधन को सशक्त करने के लिए 2,292 करोड़ रुपये के प्रावधान वाले कार्यक्रम को स्वीकृति दी है। सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। सरकार ने टिकाऊ पशुधन स्वास्थ्य के लिए 1,702 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने बागवानी क्षेत्र के टिकाऊ विकास के लिए 860 करोड़ रुपये की एक और योजना को भी स्वीकृति दी है। वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए 1,202 करोड़ रुपये और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को मजबूती देने के लिए 1,115 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी है। कृषि क्षेत्र से संबंधित इन सातों कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन 13,960 करोड़ रुपये से अधिक का है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान - 'संगठन पर्व, सदाशयता अभियान 2024' का शुभारंभ करेंगे। पार्टी के कार्यक्रम में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य शीर्ष नेता मौजूद रहेंगे। बीजेपी ने एक्स पर पोस्ट किया कि 2 सितंबर से शुरू होने वाले बीजेपी के सदस्यता अभियान में शामिल हों।88 00 00 2024 पर मिस्ड कॉल करें, सदस्य बनें। गृह मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के सभी शुभचिंतकों और कार्यकताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण और शुभ दिन है।अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सभी भाजपा शुभचिंतकों और भाजपा कार्यकताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा भाजपा के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' का शुभारंभ करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

राहुल गांधी ने DTC बस में किया सफर, ड्राइवर और कंडक्टर से की बात, पूछा- नागरिक पक्के तो नौकरी कच्ची क्यों?

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि रोजाना लाखों यात्रियों की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार लोगों को बदले में अन्याय के अलावा कुछ नहीं मिला है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि कुछ दिनों पहले दिल्ली में एक सुखद बस यात्रा के अनुभव के साथ उळउ कर्मचारियों से संवाद कर उनके दिनचर्या और समस्याओं की जानकारी ली। न सामाजिक सुरक्षा, न स्थिर आय और न की स्थाई नौकरी - संविदात्मक मजदूरी ने एक बड़ी ज़िम्मेदारी के काम को मजबूरी के मुकाम पर पहुंचा दिया है।राहुल गांधी ने लिखा कि जहां ड्राइवर और कंडक्टर अनिश्चितताओं के अंधेरों में जीने पर विवश हैं, वहीं यात्रियों की सुरक्षा में निरंतर तैनात होमगार्ड्स 6 महीनों से वेतनहीन हैं। इस उपेक्षा से त्रस्त, देश भर के सरकारी कर्मचारियों की तरह वर्कर्स भी लगातार निजीकरण के डर के साए में जी रहे हैं।

Prashant Kishor: RJD को प्रशांत किशोर की चुनौती, 40 सीटों पर उतारे मुस्लिम उम्मीदवार

एजेंसी

पटना: जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने मांग की कि वे राज्य में समुदाय की आबादी के अनुसार मुसलमानों को टिकट दें। किशोर ने कहा कि अगर राजद समुदाय की भलाई के लिए काम करने का दावा करता है तो मुसलमानों को कम से कम 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका दिया जाना चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि उनके अधिकार छीनना बंद करें और उन्हें आबादी के अनुसार टिकट दें। आपने उनसे वोट लिया है।प्रशांत किशोर ने यह भी घोषणा की कि उनकी पार्टी जन सुराज बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि 2025 में जन सुराज के मुख्यमंत्री शपथ लेंगे और जन सुराज की सरकार सत्ता में होगी। इसमें कोई अगर-मगर नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला जन सुराज और एनडीए के बीच होगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा संख्या के अनुसार, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से एनडीए 176 सीटों पर आगे है। राजद कहीं नहीं है।इससे पहले प्रशांत किशोर ने कहा था कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और कम से कम 40 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे। मतदाताओं के रूप में महिलाओं के लिए अपने ब्लूप्रिंट को रेखांकित करते हुए, प्रशांत किशोर ने कहा कि 2030 तक उनकी पार्टी 70-80 महिलाओं को पार्टी के नेता के रूप में प्रशिक्षित करेगी। उन्होंने कहा कि यह महिला सेल की बैठक नहीं थी।

---

3 TV चैनलों का बहिष्कार करेगी तृणमूल कांग्रेस, बंगाल विरोधी एजेंडा चलाने का लगाया आरोप

एजेंसी

कोलकाता: कोलकाता में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या पर विरोध प्रदर्शन जारी है। लगातार ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर सवाल उठ रहे हैं। इन सब के बीच तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल विरोधी, एजेंडा-संचालित प्रचार का आरोप लगाते हुए तीन समाचार चैनलों का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। ममता बनर्जी की पार्टी ने एक बयान में कहा कि वे चर्चा के लिए इन चैनलों पर प्रवक्ता नहीं भेजेंगे। पार्टी ने आरोप लगाया कि चैनल "दिल्ली के जमींदारों को खुश करने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि उनके प्रमोटर और कंपनियां

जांच और चल रहे प्रवर्तन मामलों का सामना कर रहे हैं।इसने लोगों से बहस के दौरान चैनलों पर पार्टी समर्थकों या सहानुभूति रखने वालों के रूप में चित्रित किए गए व्यक्तियों से गुमराह न होने का भी आग्रह किया। बयान में कहा गया है कि ये लोग पार्टी द्वारा अधिकृत नहीं हैं और इसके आधिकारिक रुख का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। बयान में कहा गया है कि बंगाल के लोगों ने इस अपवित्र बांग्ला बिरोधी नेक्सस को लगातार खारिज किया है और हमेशा प्रचार के बजाय सच्चाई को चुना है। 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पीजी मेडिकल द्वितीय वर्ष की एक छात्रा के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। हत्या से निपटने और उसके बाद डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस आलोचनाओं के घेरे में आ गई है।

कोई दोषी भी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता, योगी के बुलडोजर पर सुप्रीम टिप्पणी

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह देश भर में विध्वंस कार्रवाइयों के लिए बुलडोजर कार्रवाई के संबंध में अखिल भारतीय आधार पर उचित दिशानिर्देश जारी कर सकता है। शीर्ष अदालत चाकू मारने के आरोपी लड़के के परिवार के घर को ध्वस्त करने से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन बनाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से सुझाव

मांगे। जस्टिस गवई ने कहा कि सभी पक्षों के सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे> सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की है।सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से सुझाव मांगे। जस्टिस गवई ने कहा कि सभी पक्षों के सुझाव आने दीजिए। हम

उद्धव ठाकरे के खिलाफ याचिका दायर करना शख्स को पड़ा भारी, बॉम्बे हाईकोर्ट ने दे दिया ये आदेश

एजेंसी

महाराष्ट्र: बॉम्बे हाई कोर्ट ने शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ एक तुच्छ याचिका दायर करने के लिए नांदेड़ निवासी पर 2 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने याचिकाकर्ता मोहन चव्हाण को व्यक्तिगत रूप से पूर्व मुख्यमंत्री को डिमांड ड्राफ्ट के रूप में राशि सौंपने का निर्देश दिया है। दर्शनशास्त्र में डॉक्टर और बंजारा समुदाय के सदस्य, चव्हाण ने तर्क दिया कि उनकी धार्मिक भावनाओं को ठाकरे ने आहत किया था, जिन्होंने एक समारोह के दौरान उनके पुजारी द्वारा उन्हें दी गई पवित्र राख (विभूति) नहीं

लगाई थी।औरंगाबाद पीठ के न्यायमूर्ति एसजी महरे ने कहा कि प्रथम दृष्टया कानून की कम जानकारी रखने वाला व्यक्ति भी कहेगा कि यह 'कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग या प्रसिद्ध और सेलिब्रिटी बनने के लिए न्यायिक प्रणाली का उपयोग' के अलावा कुछ नहीं है। न्यायाधीश ने 29 अगस्त को कहा कि ऐसी याचिकाएँ समाज के सम्मानित सदस्यों की छवि को खराब करती हैं। ज्यादातर समय, इस तरह की याचिकाएं गलत उद्देश्यों से दायर की जाती हैं। यह देखते हुए कि यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने के लिए जुमार्ना लगाने का एक उपयुक्त मामला है, अदालत ने चव्हाण को 2 लाख रुपये का जुमार्ना लगाने के बाद याचिका वापस लेने की अनुमति दी। एचसी ने कहा कि यह राशि तीन महीने के भीतर ठाकरे को दी जानी है, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक अमानतुल्ला खान की गिरफ्तारी पर बोली AAP, तानाशाह के जुल्म के आगे नहीं झुकेंगे क्रांतिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली: आप ने सोमवार को कहा कि उसके विधायक अमानतुल्ला खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झूठे मामले में गिरफ्तार किया है और सत्तारूढ़ भाजपा जितना अधिक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी की आवाज को दबाने की कोशिश करेगी, वह उतनी ही मुखर होगी। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि क्रांतिकारी तानाशाह के अत्याचार के आगे नहीं झुकेंगे। बीजेपी की ईडी ने आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान

जी को फर्जी मामले में हिरासत में ले लिया। बीजेपी के लोग हमें जितना दबाने की कोशिश करेंगे, हमारी आवाज उतनी ही मुखर होगी।दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार खुलेआम गुंडागर्दी कर रही है। वक्फ बोर्ड में भर्ती से जुड़ा एक घिनौना मामला, उस मामले में बोर्ड के तत्कालीन चेयरमैन और हमारे विधायक अमानतुल्लाह खान को आरोपी बनाया गया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले 2016 में हल्ला मचा कि अउइ जांच कर रही है। अउइ ने उनसे पूछताछ की और उन्हें गिरफ्तार भी किया और फिर उसी अउइ मामले की कोर्ट में धज्जियां उड़ गईं, जब कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी ।

तेजस्वी यादव के बयान पर विजय सिन्हा का पलटवार, बोले- जनता तय करेगी बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा

एजेंसी

पटना: बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर कथित तौर पर जातिवाद करने का आरोप लगाया और कहा कि लोग तय करेंगे कि बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा। सिन्हा की यह प्रतिक्रिया तेजस्वी की राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना और बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग के बाद आई है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मालिक है

और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा वो जनता तय करेगी। भाजपा नेता ने कहा कि जो लोग जाति के जहर के लहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं, राजनीति में भी जातिय चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैंऔर बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ाते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं वो यात्रा करें या प्रवास करें, जनता जानती है कि वे केवल अपना विकास करेंगे। अपने परिवार की उत्थान और कल्याण के लिए नाटक रचा जा रहा है। तेजस्वी पर अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास अपने माता-पिता के 15 साल के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाने की कोई जगह है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि एक जगह ये लोग 17 महीनें रहे और ठऊअ 17 सालों तक सत्ता में रही।

बंगाल जैसी घटना को रोकने के किए संघ ने तैयार किया 5 फ्रंट प्लान,

संघ की समन्वय बैठक के बाद बोले सुनील आंबेकर

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवर संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक आज यानी 2 सितंबर को खत्म हो रही है। इसका आयोजन केरल के पालक्काड शहर में 31 अगस्त से शुरू हुआ था। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेडकर ने कहा कि बंगाल में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर भी तीन दिवसीय बैठक में चर्चा हुई। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लेडी डॉक्टर रेप-मर्डर केस को लेकर बैठक में इस पर विस्तृत चर्चा हुई। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर विभिन्न संगठनों ने अपनी आवाज बुलंद की है। प्रचार प्रमुख आंबेडकर ने कहा कि क्यों ऐसी घटनाओं हो रही हैं? सरकारी मशीनरी के रोल और एक्शन को लेकर चर्चा हुई। तमाम पहलुओं पर बात करने के बाद हमने पांच मोर्चे के तहत इस मुद्दे को हैंडल करने की रणनीति बनाई है। 1.) कानूनी रूप से हम इस मुद्दे को कैसे हल कर सकते हैं2.) समाज में हम जागरूकता कैसे पैदा कर सकते हैं3.) परिवार संस्कार- क्या हर परिवार में ऐसा माहौल हो सकता है, जिससे समाज में इस तरह की शर्मनात घटना न हो। 4.) औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा5.) आत्मरक्षाइसके अलावा मीडिया की तरफ से प्रसारित हो रहे कंटेट चाहे वो ओटीटी, इंटरनेट, हो या टीवी चैनलों के माध्यम से प्रसारित होने वाली सामग्री। कई घटनाओं में हमने देखा है कि इस तरह की सामग्री सोशल मीडिया या विभिन्न प्लेटफॉर्म पर घंटों देखने के बाद इस तरह तकी घटना हो रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले इखढ में मचेगी खलबली, शरद पवार गुट के नेता कर दिया बड़ा दावा

एजेंसी

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी-एससीपी नेता, अनिल देशमुख ने सोमवार को दावा किया कि भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और उनके पक्ष में शामिल होना चाह रहे हैं क्योंकि वे राज्य में मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके से असंतुष्ट हैं। देशमुख ने कहा कि महायुति गठबंधन उतना मजबूत नहीं है जितना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता हमारे पक्ष में आना चाह रहे हैं क्योंकि वे महाराष्ट्र में बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और किसानों के संकट जैसे मुद्दों से निपटने के सरकार के तरीके से असंतुष्ट हैं। अनिल देशमुख ने यह भी कहा कि अजित पवार, एकनाथ शिंदे और बीजेपी के बीच गठबंधन उतना मजबूत नहीं है जितना होना चाहिए, और अगर ऐसा जारी रहा

तो बीजेपी को एनसीपी और शिवसेना से अलग चुनाव लड़ना पड़ सकता है। इसके अलावा, कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए और गृह मंत्री देवेंद्र फड़नवीस पर निशाना साधते हुए, अनिल देशमुख ने कहा कि इस पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वह विपक्षी दलों को तोड़ने में लगे हुए हैं।उन्होंने कहा कि जब भी बदलापुर जैसी कोई घटना होती है तो लोगों में आक्रोश होता है कि दोषी को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। आज कानून में सजा का कोई प्रावधान नहीं है। उसके लिए जब मैं गृह मंत्री था तो हमने 'शक्ति कानून' बनाया था। इसके तहत हमने ऐसी घटनाओं पर 24 घंटे के अंदर सजा का प्रावधान किया था। उस समय हमने इसे कैबिनेट से मंजूरी दिलाई, विधानसभा और विधान परिषद से पारित कराया और अंत में केंद्र सरकार को भेजा। लेकिन हमारा ये कानून तीन साल से वहीं पड़ा हुआ है। अनिल देशमुख ने यह भी कहा कि अजित पवार, एकनाथ शिंदे और बीजेपी के बीच गठबंधन उतना मजबूत नहीं है जितना होना चाहिए, और अगर ऐसा जारी रहा तो बीजेपी को एनसीपी और शिवसेना से अलग चुनाव लड़ना पड़ सकता है।

तेजस्वी को माफी यात्रा पर निकलना चाहिए : डॉ. दिलीप जायसवाल

- भाजपा को सुदृढ बनाना सामूहिक प्रयास से अकलियतों की आज जो हालत है उसके लिए कांग्रेस जिम्मेदार : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा को सुदृढ बनाना सामूहिक प्रयास से ममता बनर्जी पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कसा तंज, 'दवा लाते -लाते बहुत देर कर दी'

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 2 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज विरोधियों पर विभिन्न मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने इस क्रम में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की प्रस्तावित यात्रा को लेकर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें पहले माफी यात्रा पर निकालना चाहिए। पटना प्रदेश कार्यालय में आज पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता विदेश यात्रा से लौटे हैं और अब उन्हें बिहार की याद आई है। दरअसल, वे राहुल गांधी के संस्कार पर चल रहे हैं। पिछले महीने ही वे यात्रा पर निकलने वाले थे। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने तंज कसते हुए कहा कि इनको इस यात्रा से पहले जनता से माफी मांगने की यात्रा पर निकलना चाहिए। जो भ्रष्टाचार और पाप इनकी पूर्ववर्ती सरकार में इनके दल के लोगों ने किया है, जिस तरह का घोटाला,अपराध उनके दल के लोगों ने किया है, उसको लेकर माफी यात्रा पर निकलना चाहिए कि हम लोगों ने जो गलती किया है उसको बिहार की जनता माफ कर दे।

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और इसके सबसे ज्यादा सदस्य यानी 18 करोड़ सदस्य हैं। जितना भाजपा के सदस्य हैं उतने बहुत सारे देश की आबादी भी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी कार्यकताओं के विचारों की फौज है। इस देश में दो ही विचारधारा है - एक राष्ट्रवाद की विचार है और एक ऐसे लोग हैं जो देशद्रोहियों और देश विरोधी ताकतों से मिलकर राजनीति दुकानदारी चलाना चाहते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस देश की चिंता यदि कोई राजनीतिक दल करता है , 'भारत माता की जय' करता है तो वह भारतीय जनता पार्टी है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान हमारा महापर्व है। कार्यकताओं की ताकत है। कार्यकर्ता ही हमारी पूंजी है और हम सदायस्ता अभियान को महापर्व के रूप में मना रहे हैं।आज राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहला सदस्य बनाकर सदायस्ता अभियान की शुरूआत की है ।उसके बाद पूरे देश और दुनिया में जो भारतवासी हैं वह मिस्ड कॉल के माध्यम सहित अन्य माध्यमों से भाजपा का सदस्य बनेंगे।

पत्रकारों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयानके संबन्ध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि देश में मुसलमानो को डरा कर रखने वाला यही पार्टी है कि भाजपा आ जाएगा ,भाजपा आ जाएगा। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अकलियत महफूज महसूस कर रहे हैं। हर वक्त प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास की बात करते हैं। यह काम इंडी गठबंधन के लोग नहीं करते हैं ।उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 75 सालों से अकलियत के लिए इन लोगों ने क्या किया कांग्रेस बता दे? उन्होंने स्पष्ट तौर से कहा कि आज जो हालत अकलियत भाइयों की है वह कांग्रेस के कारण है। अगर इनलोगों ने अकलियतों के लिए काम किया होता तो यह स्थिति नहीं होती। इसलिए इसका जवाब राहुल गांधी के पूर्वजों को जहां है वहां से देना चाहिए ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एंटी रेप बिल लाने पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने अपने अलग अंदाज में कहा, 'दवा लाते लाते बहुत देर कर दी'। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बहुत दिन बाद जगी है। इतना दिनों के बाद इनको लगा है कि एंटी रेप कानून लाया जाए। डॉक्टर को हम लोग समाज में देवता मानते हैं और जिस तरह से महिला के साथ रेप हुआ और अपराधियों को बचाने का प्रयास ममता बनर्जी की सरकार ने किया वह अक्षम्य है। माननीय उच्च न्यायालय और सीबीआई की टीम ने जब अपना काम करना शुरू किया तो अब वह अपना चमड़े को बचाना चाहती हैं।उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का नैतिक पतन हो चुका है। ममता बनर्जी ने अपना विश्वास, जनमत खो चुकी है ।ऐसी सरकार पर लोगों का विश्वास नहीं रह गया है अपराधियों को बचाना जघन्य अपराध है।

सांसद अरुण भारती सासाराम पहुंचे,

सरोज पासवान के हत्या उपरांत उनके परिजनों से मिलने पहुंचे इस दौरान मृतक कार्यकर्ता के पिता राजेश्वर पासवान भी भावुक हो गए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जमुई सांसद अरुण भारती आज सासाराम पहुंचे, जहां दो दिन पूर्व सासाराम के दरिगाव थाना के अंतर्गत बडकी करपुरवा गांव निवासी सरोज पासवान की अपराधियों ने बेरहमी से चाकू गोद कर हत्या कर दी थी। सांसद श्री अरुण भारती ने सरोज पासवान के हत्या उपरांत उनके परिजनों से मिलने पहुंचे इस दौरान मृतक कार्यकर्ता के पिता राजेश्वर पासवान भी भावुक हो गए । ऐसे में सांसद ने परिजन को ढाढस बढाया। आगे श्री अरुण भारती ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पूरा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) परिवार मृतक के परिजन के साथ खड़ा है। सरोज पासवान हमारे परिवार के सदस्य के तरह थे। ऐसे में उनकी हत्या से पूरा पार्टी मर्माहत है। आगे श्री अरुण भारती ने वरीय पुलिस अधिकारियों से बात कर, पीड़ित परिवार वालों को न्याय दिलवाने का भरोसा दिलाए। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि जांच दल में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान, लोजपा नेता अजीत राय, प्रदेश महासचिव सुरेश पासवान, महिला अध्यक्ष कुमारी शोभा सिंनहा शामिल थे।

युवा कांग्रेस के प्रवक्ताओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. सोमवार, 2 सितंबर, 2024बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रवक्ताओं की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य प्रवक्ता विशाल यादव ने किया ने की। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता विशाल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय सरकार के खिलाफ बोलने वालों की संख्या कम है इस समय हमको जनता की आवाज बनकर सरकार से सवाल करना होगा बैठक को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के प्रभारी सम्राट केसरी जेना जी ने कहा कि मोदी सरकार आम जनता की आवाज को दबा रही युवा कांग्रेस की सिपाही उनकी आवाज को सड़क से लेकर सदन तक उठाएंगे कार्यक्रम में उपस्थित बिहार कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन राजेश राठौर जी ने कहा कि समाज में युवा ही बदलाओ ला सकते है इसलिए युवा को बोलना पड़ेगा गूंगी सरकार से सवाल करना होगा बैठक में उपस्थित उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी जी ने कहा कि इस दौर में युवा नहीं बोलेगा तो कौन बोलेगा युवाओं को आगे आकर केंद्र और राज्य सरकार से सवाल करना चाहिए कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, दौलत इमाम अमितेश पाण्डे, अजमेर करीम, शशांक रंजन, सुंदरम पाठक, राहुल सिंह, जयवर्धन सिंह, संस्कार यादव, कमालुद्दीन राजा अमित सिंह एवं विभिन्न जिलों से आए जिला प्रवक्ता शामिल हुए सहित अन्य नेतागण मौजूद रहें

समस्तीपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 का शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 2 सितंबर से 6 सितंबर तक आयोजित इस पांच दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके बाद प्रतिभागियों ने अपने-अपने दल के बैनर के साथ स्काउट एवं गाईड के बैंड पर मार्च पास्ट किया। मार्च पास्ट में सभी प्रखंडों का प्रतिनिधित्व रहा। इस पांच दिवसीय आयोजन के लिए विभिन्न आयु वर्गों और खेल श्रेणियों में सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों से कुल 4500 छात्रों ने पंजीकरण कराया है।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर समाहर्ता, श्री अजय कुमार तिवारी ने किया, युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता ने सबसे पहले उनकी ऊर्जा एवं खेल के प्रति उनकी रुचि की सराहना की।युवाओं को खेलों का महत्व बताते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि अनुशासन और समग्र व्यक्तित्व विकास में खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसके अलावा उन्होंने सभी को पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना बनाए रखने और खेलों के माध्यम से कैरियर के अवसर तलाशने की भी सलाह दी ।आयोजन में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त,अपर समाह र्ता (आपदा), अनु मं ड ल पदाधिकारी(समस्तीपुर), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (समस्तीपुर), प्रभारी जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी,भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी(शिक्षा विभाग), एवं प्रभारी खेल पदाधिकारी मौजूद रहे एवं युवा खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया ।

मधुबनी जिलास्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- गुब्बारा-गुच्छ उड़ाकर खेल प्रतियोगिता का आगाज करते हुए जिलाधिकारी ने खेलप्रेम व टीम भावना का दिया संदेश
- 02 सितंबर से 05 सितंबर तक जिले में आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं.
- उच्च विद्यालय, पंडौल के खेल मैदान में हुआ मुख्य कार्यक्रम, जिलाधिकारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन.
- खेल प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहीं सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां. जिलाधिकारी ने कहा जिले की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही.
- वीडियो गेम्स से ज्यादा खेल के मैदानों का रुख करें बच्चें. सर्वांगीण विकास के लिए यह अत्यंत आवश्यक. साथ ही एथलीट्स जंक फूड के सेवन से बचें, घर का बना संतुलित आहार ही लें: जिलाधिकारी.

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने उच्च विद्यालय, पंडौल के क्रीड़ा मैदान में दीप प्रज्ज्वलित कर जिलास्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिले के युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि खेल विभाग द्वारा जिलास्तर पर इस प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य जिले की खेल प्रतिभाओं को चयनित कर राज्यस्तर पर भेजना है। यही प्रतिभाएँ आगे चलकर राष्ट्रीय व ओलिंपिक में प्रतिनिधित्व करेंगी। आजकल के बच्चे खेल मैदान को छोड़कर वीडियो गेम्स तथा सोशल मीडिया में ज्यादा रुचि ले रहे हैं, यह उनके सर्वांगीण विकास का सबसे बड़ा बाधक है। आज के अभिभावकों व शिक्षकों को बच्चों को आउटडोर गेम्स के प्रति प्रेरित करना चाहिए। बच्चों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी की दिशा में खेल का का बड़ा महत्त्व है। वर्तमान समय में खेल रोजगारप्राप्ति का भी बड़ा माध्यम बन रहा है। साथ ही जिलाधिकारी ने जिले के एथलीट्स की संतुलित आहार का महत्त्व समझाया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जंक फूड का सेवन करने से बचें। विभिन्न खेलों में पूरी ऊर्जा के साथ अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देने हेतु घर का संतु ?लित भोजन करें तथा नियमित फलों का सेवन करें। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में जिलाधिकारी ने सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन देखकर खुशी जताते हुए कहा कि जिले की बेटियां हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, यह जिले के विकास की दिशा में शुभ संकेत है।संबोधन के बाद जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा, डीडीसी दीपेश कुमार तथा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी परिमल कुमार ने संयुक्त रूप से गुब्बारा-गुच्छ को हवा में उड़ाकर खेल प्रतियोगिता का आगाज करते हुए जिले में खेल भावना के संदेश का प्रसार किया।

साईकिल को लेकर दो लडकों के परिजनों में झड़प, 5 घायल,

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज,

सीवान जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सिधवल गांव में सोमवार को बच्चों की विवाद में दो पट्टीदारों के बीच खुनी झड़प हो गई. उस झड़प में तीन महिलाऐं सहित पांच लोग घायल हो गये.इस घटना के संदर्भ में पीड़िता उमापति देवी ने बताया कि मेरे घर के बच्चे सुबह 8 बजे साइकिल से कोचिंग पढ़कर लौट रहे थे.तभी मेरा ?पड़ोसी अनिल भगत के बच्चे ने साइकिल के चक्का में डंडा फंसा दिया.जिससे साइकिल का कमानी टूट गया.इसी बात को लेकर दोनों में बक झक हो रही थी.तभी पड़ोसियों ने लाठी एवं तलवार से उस पर हमला कर दिए.जिसमें उमापति के हाथ में चोट तथा तलवार से कट गया. वहीं रंगीला भगत,सीमा देवी ,सानिया कुमारी एवं 8 वर्षीय आदित्य कुमार के सिर में चोट लगने से घायल हो गए. घटना की सूचना पाकर थाना से 112 की वाहन वहाँ पहुँच कर सभी घायलों को प्रखंड स्थिति सीएचसी में भर्ती कराया. वहाँ सभी घायलों की इलाज किया गया. थानाध्यक्ष विजय यादव ने बताया कि इस घटना में सभी आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है.

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनने पर राजीव रंजन को जी को सिवान ईकाई ने दी बधाई,

रोजनामा इंडो गल्फ, संवाददाता, अतुल श्रीवास्तव/सिवानः ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस के ग्लोबल अधयक्ष सह जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय सचिव राजीव रंजन प्रसाद को जनतादल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाएं जाने पर ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस ईकाई सिवान के सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस सिवान के जिलाध्यक्ष नीलेश बर्मा नील ने कहा कि श्री प्रसाद एक प्रखर वक्ता के साथ ही साथ एक बहुमुखी प्रतीभा के धनी व्यक्ति हैं। हर्ष व्यक्त करने वालों में जिला उपाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव, सचिव राकेश सहाय, महासचिव विकास आनंद मोनू, कोषाध्यक्ष सुधिर श्रीवास्तव, सचिव विनोद श्रीवास्तव, डाक्टर मृत्युंजय श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी कुमार प्रशांत, धीरज श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, रविरंजन श्रीवास्तव सहित दर्जनों ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस के सदस्य शामिल थें।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में मधुबनी डीएम ने दिए कई निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

माननीय उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर करे कार्य,इसमें थोड़ी भी शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नही ।।

जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करे।

सभी अधिकारी नियमित रूप से लॉग बुक का करें जाँच।

सीपी ग्राम से सहित अन्य विषयों पर प्राप्त मामले को निर्धारित अवधि से अधिक दिनों तक लंबित रखने पर होगी करवाई।

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ* विभिन्न कार्यालय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

उक्त बैठक में जिलाधिकारी द्वारा जिला नीलाम पत्र वाद , जिला लोक शिकायत निवारण में दायर परिवाद, समाधान यात्रा में प्राप्त आवेदन, सी पी ग्राम, जानता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों, माननीय उच्च न्यायालय में चल रहे मामलों, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलों की बारी बारी से समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालयों में लॉग बुक का संबधित पदाधिकारी नियमित रूप से जाँच करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय से संचिकाओं को प्रस्तुत नही करने वाले सहायकों पर करवाई करे। उन्होंने कहा कि सभी शाखा के वरीय पदाधिकारी अपने संबंधित शाखा में लॉग बुक के संधारण पर पूरा ध्यान दें। जिससे आदेश पत्रों का ससमय अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। नीलाम पत्र वाद की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का अविलम्ब निष्पादन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो से तीन दिन नीलाम पत्र वादों की सुनवाई करे। जिलाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करें । उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि साप्ताहिक समीक्षा बैठक का परिणाम नजर आनी चाहिए एवं लंबित मामलों को हर हाल में शून्य करें। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी नियमित रूप से लॉग बुक,सूचना के अधिकार पंजी, सहित सभी महत्वपूर्ण पंजियो का नियमित से निरीक्षण करें ताकि यह सुनिश्चित कर सके कि ससमय मामलों का निष्पादन हो सके। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य करे । इसमें थोड़ी भी शिथिलता या लापरवाही बरदाश्त नही की जाएगी।।।--------

मधुबनी के सकरी में जांच अभियान के दौरान 65 बाइक चालकों को डायरेक्ट दिया गया है हेलमेट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के सकरी में जांच अभियान के दौरान 65 बाइक चालकों को डायरेक्ट दिया गया है हेलमेट

मधुबनी के यातायात डीएसपी सुजीत कुमार द्वारा सकरी में यातयात नियमों का पालन करने के लिए सघन वाहन जांच चलाया गया इस अभियान के दौरान रामशिला हेल्थ केयर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉङ्क फैजुल हसन ने बिना हेलमेट बाइक चलाने 65 से 70 अधिक लोगों के बीच हेलमेट दिया गयाडॉङ्क फैजुल हसन ने कहां की बाइक चालक बिना हेलमेट के जान जोखिम में डालकर यातायात नियमों का उल्लंघन ही नहीं करते बल्कि समाज में भी इसका बुरा असर

पड़ता है बिना हेलमेट के बाइक चलाने वाले के साथ होने वाली घटना में अधिकतर लोग की मौत हो जाती है डा ङ्क फैजुल हसन ने सभी से अनुरोध किया की बाइक चालक हेलमेट पहन कर ही बाइक चलाए...

5 सितंबर 2024 को अमर शहीद जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस पर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा विषय पर राजद कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित की जाएगी : आलोक कुमार मेहता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 2 सितंबर 2024 बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता श्री आलोक कुमार मेहता ने विधायक फतेह बहादुर सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो सुबोध मेहता, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता श्री शक्ति सिंह यादव प्रवक्ता एजाज अहमद, मधु मंजरी के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के तत्वाधान में अमर शहीद जगदेव प्रसाद जी का शहादत दिवस के अवसर पर दिनांक 5 सितंबर 2024 को " लोकतंत्र और संविधान की रक्षा विषय " पर संगोष्ठी राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कपुर्री सभागार में आयोजित किया जा गया है।इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदानंद सिंह सहित अन्य नेतागण भी गोष्ठी को संबोधित करेंगे। पूर्व मंत्री आलोक मेहता ने आगे कहा कि पिछले दस वर्षों में नरेंद्र मोदी की सरकार ने संविधान के प्रतीक अशोक स्तंभ और चक्र को मुख्य धारा से अलग करने के लिए लगातार साजिश रची है।इस कड़ी में पासपोर्ट पर अशोक स्तंभ की जगह भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल का निशान लगाने की कोशिश की गई। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार शोषितों,वंचितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के हक और अधिकार को कुचलने वाली कार्रवाई कर रही है और इन वर्गों के खिलाफ विषवमन करने वाले नेताओं को आगे बढ़ा रहे हैं।इसी क्रम में भाजपा के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रहे दया प्रकाश सिंहा के द्वारा सम्राट अशोक को क्रुरता हत्या, शोषण ,अत्याचार ,छल जैसे अवगुणों से परिपूर्ण बताया लेकिन इस पर कार्रवाई की जगह भाजपा उन्हें सम्मानित किया । भाजपा किसी भी महापुरुषों को सम्मान नहीं देना चाहती है और खास तौर से उन महापुरुषों को जो शोषित, वंचित वर्ग से आते हैं। दलित, आदिवासी समाज को अपमानित करने का भारतीय जनता पार्टी कोई मौका नहीं छोड़ती है,जब संसद भवन का उद्घाटन किया जा रहा था तो ऐसे अवसर पर आदिवासी समाज से आने वाली राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को नहीं बुलाया और ना ही इस भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में दलित वर्ग से आने वाले तत्कालीन

राष्ट्रपति श्री राम नाथ गोविंद जी को ही बुलाया गया। इन्होंने आगे कहा कि संसद भवन के अंदर सम्राट अशोक की आईडिया ऑफ इंडिया के सोच के विपरीत दंडवत यानी संगोल की स्थापना की गई है,जो संविधान के मूल्यों के विपरीत है और इससे लोकतंत्र कमजोर होता है।

आलोक कुमार मेहता ने आगे कहा कि जगदेव बाबू का मानना था कि संविधान के निमार्ताओ ने जो लक्ष्य स्थापित किए हैं ,उन्हें पाने के लिए विभिन्नता में एकता ,लोकतंत्र और सामाजिक क्रांति में तारतम्य होना चाहिए। इन्हीं मुल्यो को लेकर बाबा साहब अंबेडकर के सपनों को पूरा करने के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहे। जगदेव बाबू ने जाति के वर्चस्व को तोड़ा और शोषित वर्ग को अपने अधिकारों की लिए लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया । शोषित वर्ग के अधिकारों के आंदोलन के दौरान ही जगदेव बाकी हत्या कर दी गई। अमर शहीद जगदेव बाबू को लगता था कि उनके सिद्धांत के सबसे अनुकूल बीपी मंडल है, इसी कारण उन्हें मुख्यमंत्री बनाने में उनकी बड़ी भूमिका थी। जब बीपी मंडल मुख्यमंत्री बने तो उस समय मधेपुरा से सांसद थे। बीपी मंडल ने जो आरक्षण के लिए नीति बनाई है वैसी बातें जगदेव बाबू के राजनीतिक आंदोलन के दौरान उठाई गए बातों का समावेश किया।बीपी मंडल ने जगदेव बाबू के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया जिसका परिणाम आज भारत के विकास में पिछड़ों के योगदान को स्पष्ट से देख सकते हैं। आलोक ने कहा कि इन्हीं मूल्यों को लेकर लालू प्रसाद जी ने प्रजातांत्रिक तरीके से लोगों को आगे बढ़ाने में अपनी महती भूमिका निभाई। लालू प्रसाद जी ने सूअर पालनेवालों ,गाय, भैस ,बकरी चराने वालों ,धोंधा चुनने वालों ,मछली पकड़ने वालों ,ताडी बेचने वालों, खेती करने वालो, सिलाई बुनाई करने वालो सभी लोगो से कहा पढ़ना लिखना सीखो। अपने बच्चों को पढ़ा कर समाज की मुख्यधारा मे शामिल होने का आह्वान किया ।लालू प्रसाद जी ने हमेशा जगदेव बाबू के मुल्यों को लेकर आगे बढ़ते रहे, अपने मंत्रिमंडल में बहुतजनों को अवसर दिया और निर्णय लेने वाली मुख्यधारा में शामिल किया ।प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता श्री शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जगदेव बाबू को अमर शहीद का दर्जा लालू प्रसाद यादव जी ने अपने कार्यकाल में दिया। जबकि लालू प्रसाद जी का यह मानना है कि समाज के निर्माण में आपसी भाईचारा और एकता होनी चाहिए, जिससे कि सर्व समाज को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इन्होंने आगे कहा कि पुर्व उपमुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी ने 17 महीने के कार्यकाल में गरीबों, शोषितों , वंचितों के लिए जो काम किया है, वह यादगार है । और सबसे बड़ी बात है कि उन्होंने बिहार में पहली बार जातिगत गणना कराकर आंकड़े के साथ जिसकी जितनी संख्या उसकी उतनी हिस्सेदारी तय करके आरक्षण व्यवस्था को बढाकर 65 प्रतिशत किया।

राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की मांग को लेकर राजद का एक दिवसीय धरना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 2 सितंबर जातिगत जनगणना एवं अन्य मांगों के समर्थन में रविवार को राजद ने नगर के अंबेडकर चौक पर एक दिवसीय धरना का आयोजन किया । धरना में मुख्य रूप से बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ समीम अहमद,पूर्व विधायक राजेंद्र राम विधायक प्रत्याशी सुरेश साहनी के अलावा जिला राजद के सभी प्रकोष्ठ के नेता शामिल थे ।संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री डॉ शमीम अहमद ने कहा कि पूरे देश में जातिगत जनगणना समय की मांग है। झूठे आश्वासन के आधार पर केंद्र और बिहार सरकार जनता को हर मोर्चे पर धोखा दे रही है ।कहा कि जिस तरह से पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार में शिक्षक बहाली का रिकॉर्ड बनाया

आज वह सब बहाली ठप है। साजिश के तहत तेजस्वी यादव पर चौतरफा हमले का प्रयास किया जा रहा है।कभी ईडी का हवाला तो कभी सीबीआई का हवाला देकर धमकाया जा रहा है ऐसा लगता है कि यह सब डराने के लिए किया जा रहा है। जहां आज हर क्षेत्र में सर्वे हो रहा है आंकड़े बनाए जा रहे हैं वहा जातिगत जनगणना कराने से सरकार क्यो भागती है यह समझ से परे है। पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने कहा की वर्तमान केंद्र और बिहार सरकार झूठ की पुलिंदा है हर मूर्तियों पर दोनों सरकार खेल है किसी भी क्षेत्र में इन लोगों में प्रदर्शित नहीं है पर हालत में जाति का जनगणना की ने कर नहीं होगा क्योंकि पूरा देश ऐसा चाहता है विधायक प्रत्याशी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश सहनी ने संबोधन में कहा की केंद्र एवं बिहार सरकार गरीबों पिछड़ों अनुसूचित जाति जनजाति के विरोधी है आज यही कारण है उनके खिलाफ पूरा देश आज उबल रहा है। संबोधित करने वालों में जिला अध्यक्ष ,महिला जिला अध्यक्ष,महासचिव,युवा अध्यक्ष के अलावा अन्य काफी लोग थे। धरना समापन पर पांच सदस्यीय डेलीगेट अपने माग पत्र को जिला पदाधिकारी कार्यालय में दिया।

राजनगर थाना क्षेत्र से अज्ञात अधेर वक्ती का शव मिलने से इलाके में सनसनी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

अज्ञात अधेर वक्ती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई मधुबनी जिला के राजनगर थाना क्षेत्र के शिवीपट्टी रही टोल से राजनगर जानेवाले मार्ग पर पुलिया के पास झाड़ी से अज्ञात वक्ती का शव बरामद । बताया जाता है की शव से दुर्गंध आ रही है। चिंता की बात यह है कि घटना स्थल से थोड़ी दूर पर ही एक पब्लिक स्कूल और राज्य प्राथमिक विद्यालय है। सूचना मिलते ही राजनगर थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे मेले कर मामले की तफतीश में जुट गए है अज्ञात शव की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है '

राजनगर थाना अध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया की पुलिस मामले की तफतीश में जुट गई है

सिंगापुर से इलाज कराकर पटना लौटे लालू यादव, रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए विदेश गए थे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव 10 दिनों बाद सिंगापुर से इलाज कराकर आज पटना लौट आए हैं। उसने साथ पत्नी राबड़ी देवी, सांसद बेटी मीसा भारती भी स्वदेश लौट आईं हैं। लालू यादव अपनी हेल्थ के रूटीन चेकअप के लिए 21 अगस्त को सिंगापुर गए थे। वहां से लौटने के बाद कुछ घंटे दिल्ली में भी रहे थे। आपको बता दें सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में 5 दिसंबर 2022 को लालू यादव की किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। जिसके बाद 11 फरवरी 2023 को स्वदेश आ गए थे। इस बीच वो अपने बेटी रोहिणी आचार्य के साथ रहे थे ।रोहिणी आचार्य ने ही लालू यादव को अपनी एक किडनी दी थी। इस बार भी लालू अपनी बेटी के यहां ही रुके थे। लालू यादव 17 अगस्त को पटना से दिल्ली गए थे। कुछ दिनों तक दिल्ली में रहने

के बाद लालू यादव राबड़ी देवी के साथ 21 अगस्त को सिंगापुर के लिए रवाना हो गए थे। वहीं अब 2 सितंबर को लालू यादव दिल्ली लौट आए हैं ।बीते एक साल में लालू यादव की तबीयत में काफी सुधार हुआ है। और वो बिहार की राजनीति में एक्टिव हैं। कई बार पटना में मरीन ड्राइव पर आइसक्रीम का लुफ्त उठाते भी दिखे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया अलायंस की बैठकों में भी शामिल हुए थे। और बेटी रोहिणी आचार्य और मीसा भारती के लिए चुनाव प्रचार भी किया था।

डीएम ने बिजली विभाग की समीक्षा बैठक में दिए कई निर्देश

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:डीएम रिची पांडेय के द्वारा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया गया। प्राप्त होने वाले शिकायतों को ध्यान में रखते हुए हर बिंदु पर विभागीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की गई ।प्राप्त शिकायतों के निराकरण की दिशा में गंभीर प्रयास करने का निर्देश दिया गया। निर्देश दिया गया कि खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदला जाए। इसमें किसी भी सूरत में विलंब नहीं होना चाहिए।कार्यपालक अभियंता सीतामढ़ी डिवीजन ने बताया कि विगत दिनों में जिले में 24 ट्रांसफार्मर जले थे जिन्हें बदल दिया गया है ।एग्रीकल्चर फीडर में 16 घंटा बिजली दी जा रही है।उन्हें बताया कि अगस्त महीने में 90% बिलिंग की गई जबकि अगस्त महीने में कलेक्शन 14.5 करोड रुपए का हुआ। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बिल की त्रुटियों के निराकरण के मद्देनजर कैंप लगाना सुनिश्चित किया जाए। बिजली चोरी करने वाले को चिन्हित करते हुए विधि सम्मत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि लोग वोल्टेज की समस्या जहां हैं दूर करें। निर्देश दिया कि फीडर वाइज रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्मार्ट मीटर के संस्थापन कार्य में तेजी लाएं। बैठक में जिला जन संपर्क अधिकारी कमल सिंह, कार्यपालक अभियंता सीतामढ़ी एवं पुपरी सभी सहायक एवं कनीय अभियंता उपस्थित थे ।विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सीतामढ़ी में नियंत्रण कक्ष में व्हाट्सएप के लिए एक अलग नंबर 9031633797 चालू है ।कोई भी उपभोक्ता विद्युत से संबंधित शिकायत इस नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से भेज सकते हैं ।उनके शिकायत का निपटारा कर अनुपालन उनको भेज दिया जाएगा। नियंत्रण कक्ष में फोन कॉल के माध्यम से शिकायत दर्ज करने के लिए एक अलग नंबर पूर्व से ही कार्यरत है जिसका नंबर 92644 56403 है ।उपभोक्ता के सुविधा के लिए दोनों नंबर के संचालन के लिए 24 घंटे तीन शिफ्ट में कर्मी तैनात रहते हैं।

ब्रीफ न्यूज

बंदोबस्त पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा हो रहे भू सर्वेक्षण कार्य से संबंधित सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी ,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मदजुबैर

बंदोबस्त पदाधिकारी,समस्तीपुर द्वारा हो रहे भू सर्वेक्षण कार्य से संबंधित सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी ,कानूनगो,अमीन एवं अन्य पदाधिकारियो तथा कर्मियों के साथ समस्तीपुर अनुमंडल अंतर्गत खानपुर प्रखंड, कल्याणपुर प्रखंड, वारिसनगर प्रखंड ,मोरवा प्रखंड के साथ समीक्षा बैठक किया गया एवं विभिन्न निर्देश दिए गए.

दो महीने से हड़ताल पर गयी 11 स्वास्थ्य कर्मी लौटी वापस, किया योगदान योगदान करने से स्वास्थ्य केंद्रों पर टीकाकरण सहित सभी कार्यों में आयेगी तेजी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

रोजनामा इंडो गल्फ, वरिष्ठ संवाददाता, राजेश कुमार चौधरी,/ हुसैनगंज प्रखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के 11 स्वास्थ्य कर्मियों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले दो महीने से हड़ताल पर चले गए थे. इस संदर्भ में स्वास्थ्य मैनेजर एसरारूलहक बताया कि हड़ताल पर गये सभी कर्मियों ने बिना शर्त सोमवार को लेखापाल कृपाशंकर प्रसाद के टेबल पर लिखित योगदान किया.स्वास्थ्य मैनेजर ने बताया कि हड़ताल पर गये कर्मियों की पुनः वापसी से स्वास्थ्य कार्यों में तेजी आयेगी वहीं मरीजों को भी राहत मिलेगी. योगदान देने वाली में चंचला कुमारी,खुश्बू कुमारी,सुनीता कुमारी,पुष्पा कुमारी एवं मंजू कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे.

कटिहार में 10 महिलाओं ने सामूहिक आत्महत्या का किया प्रयास, कलेक्ट्रेट के बाहर खुद को आग लगाने की कोशिश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

कटिहार जिले में 10 महिलाओं ने सामूहिक आत्महत्या की कोशिश की। और कलेक्ट्रेट के बाहर खुद पर केरोसिन तेल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि वक्त रहते मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाबुझा कर शांत कराया। बताया जा रहा है कि दबंगों के जमीन पर अवैध कब्जा करने और घर में तोडफोड़ करने से महिलाएं आक्रोशित थी। और कलेक्टर ऑफिस के बाहर सुसाइड करने पहुंची थी। इस बीच सदर एसडीओ ने कलेक्टर कार्यालय के गेट पर पहुंचकर महिलाएं से बात की और पूरे मामले की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि उनकी जमीन पर कुछ लोग अवैध कब्जा करना चाहते हैं। अवैध कब्जा करने के लिए सोमवार की सुबह उनके जमीन पर लोग पहुंचे और तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर न केवल उन लोगों के साथ मारपीट की गई । बल्कि अभद्र व्यवहार भी किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह भी महिलाओं से बयान लेकर कार्रवाई करने में जुट गए हैं ।इस मामले में जिला प्रशासन ने महिलाओं को दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। वहीं इस घटना को राज्य में चल रहे भूमि सर्वेक्षण का नतीजा बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कटिहार नगर क्षेत्र के अंतर्गत ऑफिसर्स कॉलोनी के पास अपने घरों में रहने वाली दस महिलाएं सोमवार की सुबह ज्वलनशील पदार्थ (केरोसिन) की एक बोतल लेकर कलेक्ट्रेट के गेट पर पहुंचीं और जैसे ही उन्होंने आत्मदाह करने की कोशिश की, हमने उन पर पानी डाल दिया। और उनकी जान बचाई। हमारे पास कोई विकल्प नहीं था और हमारा एकमात्र ध्यान उन्हें जिंदा जलने से बचाना था और इसलिए हमने उन पर पानी छिड़का ।वहीं पीड़ित महिलाओं ने आरोप लगाया, कि दबंगों ने हमारे घरों में घुसकर तोड़फोड़ की और हमें हमारे घरों से खींच लिया। हमारे घर तोड़ दिए, और हमसे अभद्रता की। महिलाओं ने दावा किया कि व एक दशक से अधिक समय से टाउन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ऑफिसर्स कॉलोनी के पास अपने घरों में रह रही हैं और जमीन दलाल उनकी एक एकड़ से अधिक जमीन हड़पना चाहते हैं ।उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) आलोक चंद चौधरी ने कहा हमने इस मामले पर संज्ञान लिया है। जिसमें दबंगों ने कथित तौर पर आदिवासी महिलाओं को उनकी जमीन से बेदखल करने की कोशिश की थी। मौके मुआयने के बाद जमीन पर मकान होने का स्पष्ट संकेत मिल गया है। महिलाओं की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। हालांकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से महिलाओं पर पानी डालने पर दुख व्यक्त किया ।सर्कल अधिकारी अंशू कुमार ने कहा, हम जमीन के दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। और मामला जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने मामले के निपटारे में देरी पर चुप्पी साध ली। कथित तौर पर चल रहे भूमि सर्वेक्षण ने भूमि विवाद के लिए उपजाऊ भूमि वाले क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है।

घर से घसीट कर ले जाने लगा, प्रेमिका ने मचाया शोर तो पकड़ा गया प्रेमी और फिर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के पूर्णिया जिले में अपनी प्रेमिका को जबरन अपने साथ ले जाने पर तुला प्रेमी आखिरकार थाने पहुंच गया। अमौर थानाक्षेत्र में एक प्रेमी को उस समय काफी महंगा पड़ा जब वह प्रेमिका के घर उसे लेकर भागने के इरादे से पहुंचा। प्रेमिका के विरोध करने पर उसके परिजनों ने प्रेमी को पकड़कर अमौर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। यह मामला अमौर थाना क्षेत्र के बंगरा मेंहदीपुर पंचायत के बनकोरा गांव का है ।मामले को लेकर उन्नीस वर्षीय युवती ने अमौर थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में पीड़िता ने बताया कि विगत दो माह से उसका प्रेम थानाक्षेत्र के रौतीगौ के बीस वर्षीय युवक आयुष कुमार के साथ चल रहा था। विगत 31अगस्त की आधी रात को अचानक उसका प्रेमी उसके घर पहुंचकर जबरदस्ती उसका हाथ पकड़कर घसीटते हुए घर से बाहर ले जाने लगा ।जिसका युवती ने विरोध करते हुए हल्ला किया। हल्ला सुनकर परिजनों सहित आसपास के लोग भी इकठ्ठा हो गए और अमौर थाना को सूचना देते हुए युवक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि युवती द्वारा दिए गए आवेदन पर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

महिला कॉन्स्टेबल की डबल लव स्टोरी में 5 मरे

भागलपुर। पुलिस लाइन के सरकारी क्वार्टर नंबर 38 से 13 अगस्त की सुबह 6 बजे 5 लोगों की लाशें मिलती हैं। DIG विवेकानंद ने बताया कि दूध वाला दूध देने आता है, 15 मिनट तक दरवाजा खटखटाया पर कोई जवाब नहीं मिला। उसे शक हुआ तो आसपास के लोगों को बताया। पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर पंकज कुमार सिंह (32), बिहार पुलिस में सिपाही नीतू कुमारी (30), बेटा शिवांश (5), बेटी श्रेया (3) और मां आशा कुंवर (65) की लाश पड़ी थी। इनमें 4 लोगों की हत्या हुई थी। घर के मुखिया और महिला कॉन्स्टेबल के पति ने खुदकुशी की थी। इन पांचों मौत की मिस्ट्री की 2 थ्योरी सामने आई। पहली थ्योरी, भागलपुर पुलिस की- पति पंकज को पत्नी नीतू के अफेयर का शक था। इसलिए उसने पत्नी, मां और 2 बच्चों की हत्या की फिर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। दूसरी थ्योरी, पंकज के सुसाइड नोट वाली- पंकज ने सुसाइड नोट में लिखा है कि पत्नी नीतू ने प्रेमी के लिए बच्चों और मां की हत्या कर दी। मैंने भी उसे वैसे ही मारा, जैसे उसने बाकियों को। शर्म से किसी को कुछ बता भी नहीं पाया। पंकज और कॉन्स्टेबल नीतू की बक्सर के एक मॉल में मुलाकात हुई थी। दोनों में दोस्ती हुई। दोस्ती प्यार में बदली। परिवार को मनाकर दोनों ने इंटरकास्ट शादी कर ली। शादी के बाद नीतू की बिहार पुलिस में जॉब लग गई। उसके 2 बच्चे हुए। पुलिस में सर्विस के दौरान ही नीतू की नजदीकियां क्राइम ब्रांच में तैनात सिपाही सूरज से बढ़ने लगी। प्रेमी सूरज ने पुलिस को बताया कि नीतू ने पति को तलाक देने का मन बना लिया था। हम दोनों शादी करने वाले थे। इस बार संडे बिग स्टोरी में पढ़िए 30 की साल महिला कॉन्स्टेबल की डबल लव स्टोरी में हुई 5 लोगों की मौत की पूरी कहानी कहानी शुरू होती है 2012 में बक्सर के एक मॉल से नीतू बक्सर जिले के नया बाजार स्थित तातो मोहल्ले में रहती थी। पंकज भोजपुर जिले के आरा का रहने वाला था। पंकज भोजपुर से बक्सर के मॉल में नौकरी करने पहुंचा तो उसकी मुलाकात नीतू से हुई। दोनों में दोस्ती हुई और ये प्यार में बदल गई। दोनों अलग-अलग जाति के थे। परिवार वालों ने भी एतराज जताया, लेकिन दोनों ने सभी को मनाया और शादी कर ली। 2015 में नीतू की बिहार पुलिस में नौकरी लग गई। 2017 में दोनों ने शादी की। नीतू और पंकज, परिवार के साथ भागलपुर में ही रह रहे थे। नीतू पुलिस ऑफिस की RTI ब्रांच में पोस्टेड थी। पंकज बेरोजगार था। पंकज के साथ मॉल में काम करने वाले उसके दोस्त अवध की माने तो पंकज को अपनी पत्नी के खूबसूरत होने पर गर्व था। वो कहता था कि 'वो सांवला है, लेकिन फिर भी नीतू ने उसे पसंद किया। वो उससे बहुत प्यार करती है। शहर से बाहर जाने पर कॉल कर कहती-तुम याद आ रहे हो।' दोनों की जिंदगी की गाड़ी मजे में आगे बढ़ रही थी। दोनों के 2 बच्चे शिवांश (5), बेटी श्रेया (3) हुए। मां भी साथ रहती थी। नवगछिया में पोस्टिंग के बाद नीतू और पंकज की दूरी बढ़ने लगी। कॉन्स्टेबल सूरज की एंट्री से दोनों की जिंदगी में भूचाल आ गया। पंकज को ये पता चल चुका था कि नीतू किसी से छिपकर मिलती है। वारदात के पहले पंकज ने दोस्त को बताया अपना दर्द नीतू अब मेरे ऊपर हाथ उठाने लगी है पंकज रोज अपने दोस्त अवध से मिला करता था। वो घर की हर बात उससे शेयर करता था। वारदात से पहले भी वो अवध से मिला था। पंकज परेशान था। पंकज को नीतू के अफेयर की भनक थी। सोमवार को पंकज ने पत्नी को प्रेमी सूरज के साथ देख लिया था। जिसके बाद पंकज गुस्से में आग बबूला था। इसे लेकर दोनों में लड़ाई भी हुई थी। डीआईजी विवेकानंद ने बताया कि आसपास के लोगों से जानकारी हुई है कि पति-पत्नी में अक्सर झगड़ा होता था। कभी-कभी दोनों सड़क पर लड़ने लगते थे। वारदात वाली शाम परेशान था पंकज सूत्रों के अनुसार महिला सिपाही नीतू का पति पंकज घटना से पहले काफी बेचैन था। वह अपने दिल की बात किसी से बताना चाहता था। घटना वाली शाम 7 बजे से रात 9 बजे के बीच वो तीन बार अपने पड़ोसी के घर गया था। तीनों बार निराश लौट गया, क्योंकि उस वक्त पड़ोस में रहने वाले सिपाही आनंद ड्यूटी पर गए थे। पंकज ने सुसाइड नोट पड़ोसी सिपाही आनंद के नाम पर ही लिखा था।

संक्षिप्त डायरी

बिजली ऑफिस से कर्मी गायब, अपहरण की आशंका

गोपालगंज। के नगर थाना क्षेत्र के अरार मोड़ स्थित बिजली विभाग के कर्मी संदिग्ध स्थिति में गायब हो गया वही उसकी गायब होने की शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों ने नगर थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण की आशंका जताते हुए लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी है। गायब बिजली कर्मी की पहचान नगर थाना क्षेत्र के हरखुआ वार्ड नंबर 24 निवासी मनोज सिंह के बेटे रंजीत कुमार सिंह(18) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रंजीत कुमार सिंह पिछले 6 वर्षों से अरार स्थित बिजली विभाग में बरौली सब डिविजन के स्विच बोर्ड ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। रोज की तरह शनिवार को वह अपने ड्यूटी पर तैनात था। इसी बीच वह गायब हो गया। स्कॉर्पियो में सवार लोग उठाकर ले गए बिजली विभाग के गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने बताया कि चार पांच लोग स्कॉर्पियो में सवार होकर पहुंचे और ऑपरेटर को अपने साथ लेकर चले गए। वही इसकी सूचना तत्काल अपने अधिकारियों और डायल 112 को दी गई ' सूचना पाकर पहुंची डायल 112 की टीम पहुंची और मामले की जानकारी प्राप्त कर थाना को सूचित कर दिया।मांझा विद्युत आपूर्ति प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता पंकज ठाकुर ने नगर थाना में लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने बताया कि रंजीत कुमार सिंह अरार विद्युत शक्ति उपकेंद्र में ऑन ड्यूटी कर रहे थे, जानकारी मिली कि अज्ञात लोगों द्वारा उसका अपहरण कर लिया गया है तब से लेकर हम लोग सरकारी नंबर पर संपर्क कर रहे हैं थे, लेकिन रिसीव नहीं हो रहा है। उन्होंने दिए गए आवेदन में कहा कि सरकारी नंबर के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस ने बुलाकर लाया एसपी स्वर्ण प्रभात से जब बात की तो उन्होंने बताया पुलिस द्वारा एक मामले में उसे लेकर आई है। हालांकि उन्होंने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि किस मामले में पुलिस ने उसे लेकर आई थी।

8वीं की छात्र की मुंह-पेट में गोली मारकर हत्या

भोजपुर में शनिवार की रात 8वीं की छात्र की मुंह और पेट में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

भोजपुर। छात्र का शव देर रात एक सरकारी स्कूल के पीछे से बरामद किया गया। घटना इमादपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है। इधर, पुलिस इसे प्रेम-प्रसंग में हत्या की घटना के तौर पर देख रही है। पर परिजनों का कहना है कि उन्हें इस संबंध में कुछ नहीं पता। उनका किसी से विवाद भी नहीं था। मृतक की पहचान इमादपुर गांव के वार्ड नंबर आठ निवासी विद्यानंद पांडेय के 13 वर्षीय पुत्र पुष्पम राज कुमार उर्फ भोलू के रूप में की गई है। घटना के बाद से उसका मोबाइल भी गायब है। मृत छात्र अपने तीन बहन के बाद सबसे छोटा था और अपने मां-बाप का इकलौता चिराग था। पिता किसान हैं। मृतक के चचेरे चाचा ऋषि राज कुमार ने बताया कि वह शनिवार की रात दलान में अपने दादा राजेश्वर पांडेय के साथ सोया हुआ था। लेकिन वहां से वह बाहर कब निकला, यह किसी को नहीं मालूम। करीब देर रात 12 बजे जब उसके दादा राजेश्वर पांडेय की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि पुष्पम वहां पर नहीं है। इसके बाद परिजनों ने खोजबीन करना शुरू किया। तभी बालू घाट से काम कर वापस लौट रहे मजदूरों ने बताया कि गांव के मध्य विद्यालय के पीछे एक किशोर खून से लथपथ स्थिति में पड़ा हुआ है। सूचना पाकर परिजन जब वहां पहुंचे तो उन्होंने पुष्पम की पहचान की। उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद परिजन द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना की पुलिस को दी गई। वहीं, दूसरी ओर मृत छात्रा के चचेरे चाचा ने उसके व परिवार के अन्य सदस्य का गांव में किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार का विवाद या दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है।इधर, इस मामले में पीरो एसडीपीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि अभी हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। मृत छात्र के परिजन द्वारा भी कुछ क्लियर नहीं बताया जा रहा है। उनके आवेदन देने के बाद ही करण का पता चल पाएगा। जबकि सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेम-प्रसंग के मामले में छात्र की गोली मारकर हत्या करने की बात सामने आ रही है।

बेटे के साथ BJP में शामिल हुए बाहुबली सुनील पांडे

पटना। पूर्व विधायक और बाहुबली सुनील पांडे रविवार को बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। सुनील पांडे के बेटे विशाल प्रशांत ने भी पार्टी की सदस्यता ली है। इससे पहले सुनील पांडे राष्ट्रीय लोजपा में पशुपति पारस के साथ थे। सुनील पांडे ने 2006 में पटना के ASP को गोली मारने की बात कही थी। इसके बाद नीतीश कुमार ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। सुनील पांडे का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है, लेकिन दिलीप जायसवाल का कहना है कि वे अब पार्टी के सम्मानित सदस्य हैं। नरेंद्र पांडे उर्फ सुनील पांडे का आपराधिक इतिहास रहा है। लालू-राबड़ी राज के दौरान हत्या, डकैती, अपहरण, लूट के कई मामलों में नामदज रहे हैं। इनके खिलाफ जेल में रहकर मोबाइल चलाना, अस्पताल के कैदी वार्ड में मरीज बनकर रहकर कारोबार को बढ़ाने का भी आरोप रहा है। भाजपा भी काफी विरोध करती थी। नब्बे के दशक में आरा, भोजपुर, बक्सर से बनारस तक वर्चस्व था। फरार रहने के दौरान चुनाव जीते सुनील पांडे समता पार्टी से 2000 में पहली बार विधायक बने। उन्होंने पीरो विधानसभा सीट से आरजेडी कैंडिडेट काशीनाथ को मात दी थी। इस दौरान वे फरार चल रहे थे। शपथ ग्रहण के लिए पहुंचे तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। 2000 में नीतीश की 7 दिन की सरकार में बाहुबलियों का समर्थन दिलाने में सुनील पांडे ने काफी मेहनत की थी । इसके बाद 2005 दो बार वे विधायक चुने गए। क्योंकि 2005 में दो बार विधानसभा चुनाव हुआ था।

बयानबाजी की वजह से सुनील पांडे को 2006 में जदयू से निकाल दिया गया था। दरअसल, बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन के मामले में सुनील पांडे ने नीतीश सरकार की काफी आलोचना की थी। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे एएसपी को गोली मार देते। आनंद मोहन को होटल से पकड़ कर धक्के मारते हुए गाड़ी में बिठाया गया था। इस पर सुनील पांडे ने कहा था कि नीतीश सरकार में अफसरशाही बढ़ गई है। अगर मेरे साथ एएसपी ने ऐसा व्यवहार किया होता तो गोली मार देता ।

फ्रिज और वॉशिंग मशीन के लिए पत्नी को पीटा

भोजपुर। में पति और देवर ने मिलकर विवाहिता की पिटाई कर दी। मारपीट में महिला बुरी तरह से जख्मी हो गई। उसने मामले की सूचना घर से बाहर निकलकर अपने मायके वालों को दी। मायके वाले ससुराल पहुंचे और महिला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महिला का इलाज चल रहा है। घायल महिला नगर थाना अंतर्गत रौजा मुहल्ला निवासी मो.छोटू की 25 वर्षीय पत्नी रौशनी खातून है। पीड़ित महिला के पिता

मो. अमजद ने कहा कि मैंने अपनी बेटी की शादी मई 2022 में मो.फहीम के पुत्र मो. छोटू से की थी। शादी में सिर्फ फ्रिज और वॉशिंग मशीन नहीं दिया था। कुछ बीत जाने के बाद पति और देवर फ्रिज की मांग करने लगे। कहने लगे कि खाना, पानी रखने में दिक्कत हो रही है। तुम अपने पिता से एक फ्रिज और कपड़ा धोने के लिए वॉशिंग मशीन मांगों । पीड़ित के पिता ने बताया कि मैं रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा हूं। मेरी हैसियत नहीं कि मैं ये सामान दे सकूं। तब से मेरी बेटी को ये लोग प्रताड़ित कर रहे हैं। कुछ दिन पहले भी मारपीट की गई थी, लेकिन अपनी बेटी का घर बसाने के लिए पंचायत स्तर पर सुलह करा दिया था ।

अवैध हथियार के साथ बनाया वीडियो वायरल

अररिया। के रानीगंज थाना के साइबर सेनानी वाले व्हाट्सएप ग्रुप में भोजपुरी गाने पर अवैध हथियारों के प्रदर्शन का फोटो और वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वही वायरल वीडियो मामले को गंभीरता से लेते हुए अररिया एसपी अमित रंजन ने जांच के आदेश दिए है। एसपी अमित रंजन ने रानीगंज थाना समेत डीआईयू टीम और तकनीकी टीम को वीडियो और फोटो की प्रामाणिकता की जांच करने के साथ ही हथियार के साथ प्रदर्शन करने वाले युवक को चिह्नित कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।वायरल वीडियो में भोजपुरी गाने पर

हथियार का प्रदर्शन और कारतूस लगाने के साथ अररिया जिला बीआर 38,किंग भाई परमानंदपुर बीआर 38 आदि लिखा है। रील्स के रूप में एक नहीं बल्कि अनेकों वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। जिसमें आधा दर्जन से अधिक करीब आठ अलग-अलग तरह के अवैध हथियारों में कारतूस भरते ,मैगजीन डालते और निकालते दिखाया गया है। अलग अलग वीडियो में बाइक से लेकर खड़ा हथियारों के साथ प्रदर्शन किया गया है। हालांकि हथियार का प्रदर्शन करने वाले कहीं भी अपना चेहरा नहीं दिखाया गया है। जबकि वायरल तस्वीर में चेहरा है। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। अररिया एसपी ने कहा कि वायरल वीडियो डीआईयू टीम व टेक्निकल सेल को दिया गया है। और वीडियो में जो कुछ भी है उसे प्रमाणिकता की जांच कर रहे हैं। हथियार के साथ रील बनाने वाले को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस के डर से बच्चे को छोड़ भागे किडनैपर्स

गोपालगंज। के थावे थाना क्षेत्र के थावे रेलवे स्टेशन के पास से अपहृत बच्चे को पुलिस ने बरामद किया है। बरामद बच्चे के परिजनों को इसकी सूचना देकर थाना बुलाया गया। उसको मेडिकल जांच के बाद सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को पाकर परिजनों और पुलिस ने राहत की सांस ली। बताया गया कि पुलिस को सूचना मिली कि एक बच्चा थावे रेलवे स्टेशन पर मिला है। मौके पर पहुंची थावे थाना की पुलिस ने जब उसकी पहचान कराई तो वह मीरगंज थाना क्षेत्र के मटिहानी नैन बरई पट्टी निवासी अपहृत बच्चा बबलू कुमार का एक वर्षीय बेटा ऋषभ कुमार

निकला। इसे 16 अगस्त को बाइक सवार बदमाशों ने किडनैप कर लिया था।अपहरणकताओं ने पुलिस दबिश के कारण उसे छोड़ा और फरार हो गए थे। खेलने के दौरान ही घर के बाहर से बच्चे का अपहरण हुआ था। मौके पर मौजूद जब उसकी 5 वर्षीय बहन रोते हुई शोर मचाई तब उसकी मां मौके पर पहुंची तब तक अपहरणकर्ता बच्चे को लेकर फरार हो चुके थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच कर बच्चे की बरामदगी में जुट गई थी। साथ ही हथुआ एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर दिया गया था। एसआईटी ने विभिन्न जगहों पर लगे सीसीटीवी को खंगाल कर अपहरणकर्ता का एक फोटो निकाला गया और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया। इसके अलावा लगातार बच्चे की बरामदगी और अपहरणकताओं की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। जिसके बाद पुलिसिया दबिश के कारण आरोपियों ने बच्चा को थावे रेलवे स्टेशन पर छोड़ कर फरार हो गए।

लोगों ने चंदा वसूल 3 लाख में बनाया चचरी पुल

समस्तीपुर। के कल्याणपुर प्रखंड से गुजरने वाली शांति नदी पर बघला गांव के लोगों ने जज्बे का चचरी पुल बनाया है। मानसून शुरू होते ही शांति नदी में आई बाढ़ के कारण चकमेहसी और बघला गांव को जोड़ने वाली डायवर्सन के बह जाने से बघला का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क भंग हो गया था। इसी स्थल पर नया पुल का भी निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन नदी में पानी आ जाने के बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया। लोगों के सामने आवागमन के लिए नाव ही एकमात्र सहारा बचा था। जिस कारण ग्रामीणों का कामकाज काफी प्रभावित हो रहा था।बगल गांव निवासी पंकज कुमार बताते हैं कि परेशानी को देखते हुए लोगों ने पंचायत प्रशासन से लेकर प्रखंड प्रशासन को भी मदद की गुहार लगाई। प्रखंड प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई। इसके बाद लोगों ने आपसी सहयोग कर चचरी का पुल बनाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों द्वारा आपसी सहयोग से 3 लाख रुपए चंदा वसूली की गई और ग्रामीणों ने पुल बनाने में खुद मजदूर की भूमिका निभाई और करीब 20 दिनों की कड़ी मेहनत के बाद पुल का निर्माण कर लिया।

जलजमाव की समस्या को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

बगहा। नगर परिषद के वार्ड-28 स्थित कमलनाथ तिवारी रोड, हनुमानगढ़ी के पास मारवाड़ी मोहल्ले में नाली की कमी के कारण सड़कों पर जलजमाव की समस्या बढ़ती जा रही है। इससे परेशान स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर जमा पानी में खड़े होकर अपनी नाराजगी जाहिर की और यथाशीघ्र सड़क और नाली निर्माण की मांग की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि यह सड़क हनुमान मंदिर रोड, मारवाड़ी मोहल्ला होते हुए पंडित उमाशंकर तिवारी महिला कॉलेज, पक्की बावली और सोझी घाट तक जाती है। इस मार्ग से हर दिन हजारों लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चों का भी आवागमन होता है। हल्की बारिश होते ही नाली के अभाव में सड़क पर जलजमाव हो जाता है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी अनिल यादव ने बताया, नगर परिषद की लापरवाही के कारण हमें यह परेशानी झेलनी पड़ रही है। अगर जल्द ही सड़क और नाली का निर्माण नहीं किया गया, तो हम लोग चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। अविनाश पांडेय ने कहा, यह रास्ता नगर की लाइफलाइन है। अगर समय रहते इसका समाधान नहीं किया गया, तो यह समस्या और गंभीर हो जाएगी।

बेगूसराय उप नगर आयुक्त ने भतीजी से की लव मैरिज

शादी के बाद लड़की बोली- प्यार किया है कोई गुनाह नहीं, घर वालों ने झूठा केस किया

बेगूसराय। नगर निगम के उप नगर आयुक्त शिव शक्ति कुमार (31) ने अपनी भतीजी सजल सिंधु (24) से लव मैरिज कर ली है। 14 अगस्त को खगड़िया के कात्यायनी मंदिर में दोनों ने शादी की। शादी के तीन दिन बाद दोनों ने एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में सजल सिंधु ने कहा है कि 12वीं क्लास से हमारा अफेयर चल रहा था। हमने प्यार किया है कोई गुनाह नहीं। लड़की के घर वालों ने बेगूसराय के उप नगर आयुक्त पर लड़की के अपहरण का केस दर्ज कराया था। 2015 से हम दोनों साथ हैं सजल ने कहा कि 'हम लोगों का पैतृक निवास एक ही जगह है। 2015 से हम दोनों एक-दूसरे के साथ हैं।

2015 में मैट्रिक पास करने के बाद मैं बीएचयू बनारस के सेंट्रल हिंदू गर्ल स्कूल में इंटर की पढ़ाई करने के लिए गई। शिव शक्ति पीजी करने गए थे। हम दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे, वहीं मिले। पहले से विचार को समझते थे, वहां वक्त मिला तो एक-दूसरे की विचारधारा को गहराई से जाना-समझा। धीरे-धीरे प्रेम बढ़ते गया। 14 अगस्त को हमने खगड़िया के चर्चित शक्तिपीठ मां कात्यायनी के समक्ष प्रेम विवाह कर लिया।' सजल ने कहा कि '2 जनवरी 2023 को मेरे पिताजी का निधन हो गया, डेढ़ साल में मैं मानसिक दबाव में रही, टूट रही थी। अब मां दुर्गा और भगवान कृष्ण के आशीर्वाद से शिव शक्ति सहभागी बने हैं। शिव शक्ति के खिलाफ वैशाली में FIR दर्ज हुई है। जिसमें उनके जीजा, मां और पुणे में कार्यरत भाई के अलावा एक अन्य लोगों को भी नामजद किया गया है। केस कर हम दोनों के जीवन और शिव शक्ति के कार्य को डिस्टर्ब करने का प्रयास किया गया है। मैं शिव शक्ति को 10 साल से जानती हूं, लेकिन परिवार को 24 सालों से जान रही हूं। हमारे परिवार के लोग किताब में पढ़े चीज को जीवन में शामिल करें, हमारे रिश्ते को स्वीकारें। उप नगर आयुक्त से शादी करने के बाद सजल ने कहा कि अपहरण का आरोप झूठा है।सजल सिंधु के चाचा अरुण कुमार राय ने उप नगर आयुक्त शिव शक्ति के खिलाफ वैशाली में अपहरण का मामला दर्ज कराया है। इसके साथ ही मेयर से भी शिकायत की है। लड़की के चाचा ने जो आवेदन दिया है, उसमें उन्होंने कहा है कि बेगूसराय नगर निगम में पोस्टेड शिव शक्ति कुमार रिश्ते में मेरा चचेरा भाई है। उसने 12 अगस्त की सुबह मेरी भतीजी सजल सिंधु (24) का अपहरण किया और बेगूसराय नगर निगम कार्यालय ले आया। खोजबीन करते हुए बेगूसराय पहुंचे तो नगर निगम कार्यालय में रिकॉर्ड एक वीडियो मिला। जिसमें अपहृत सजल सिंधु से जबरन बयान दिलाया गया है। वहीं मेयर का कहना है कि उप नगर आयुक्त शिव शक्ति बिना छुट्टी अप्रूव हुए ही गायब हो गए हैं। जांच में पता चला है कि उनका व्यवहार भी ठीक नहीं है। लड़की के परिजनों की शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं पुलिस ने उप नगर आयुक्त की तलाश में जुटी है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह विवाद में समस्त संप्रदाय के संत देंगे गवाही

संवाददाता

मथुरा। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार दिनेश शर्मा के नेतृत्व आज वृंदावन में महा संपर्क अभियान चला कर आज वरिष्ठ संतो, आचार्यों से मिलकर, लिस्ट बनाकर चयन किया गया, जिसमें सभी संप्रदायों के संतो, महंतो, एवं आचार्यों ने श्री कृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में हाईकोर्ट में गवाही देने के लिए अपने शपथ पत्र दिए, हिंदूवादी पक्षकार दिनेश शर्मा, न्यास के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बिहारी लाल वशिष्ठ, ने बताया कि समस्त संप्रदायों के श्री महंत संत विद्वान न्यायालय में गवाही देने को तैयार हैं, अखिल भारतीय गोंडीय संप्रदाय के श्री महंत फूलडोल बिहारी दास, मलधारी अखाड़े के महंत बृज गोपाल दास जी महाराज, रामानुज संप्रदाय के जगतगुरु स्वामी अनिरुद्ध आचार्य जी महाराज, हरिदास संप्रदाय के महंत राधा बिहारी दास जी महाराज तटीय। स्थान , निमोही अखाड़ा, महंत सुंदर दास जी, पुष्टिमार्गीय वल्लभ कुल संप्रदाय के आचार्य श्री हरि सुरेषाचार्य जी महाराज, निम्मार्क संप्रदाय के महंत बालकिशन दास जी महाराज, सहित 50 से अधिक संतों ने आज अपने आधार कार्ड सहित संकल्प पत्र के माध्यम से गवाही को अपना पूर्ण समर्थन दिया है उन्होंने बताया कि सभी विद्वान संत समय-समय पर माननीय न्यायालय में मौजूद रहेंगे ओकार महंत श्री अंबिका दास त्यागी जी महाराज ने कहा कि जिस प्रकार हिंदूवादी दिनेश शर्मा त्याग की भावना रखकर मेहनत कर रहे हैं निश्चित रूप से श्री कृष्ण जन्मभूमि जल्द ही मुक्त होगी महंत रामदेव जी महाराज ने कहा कि 2025 में प्रयागराज के कुंभ मैं होने वाली धर्म संसद में मथुरा जन्मभूमि की मुक्ति के विषय में प्रस्ताव पास किए जाएंगे इस मौके पर महानगर अध्यक्ष, नरेश ठाकुर डॉ जमुना शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, महंत मोहन दास जी महाराज,जिला मंत्री ठाकुर सूरज सिंह, राहुल गौतम, महेंद्र चतुर्वेदी,राजेश शास्त्री आदि मौजूद रहे।

ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा:हादसे में पिता की मौत

आगरा । सैंया में हाईवे पर रविवार सुबह हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार पिता-बेटे को टक्कर मार दी। हादसे में पिता की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। लादूखेड़ा गांव निवासी इंद्र सिंह अपने बेटे सतेंद्र त्यागी के साथ बाइक से आगरा की ओर से आ रहे थे। सैंया में कुनाल कॉलेज के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक बेकाबू हो गई। बाइक पर बैठे इंद्र सिंह ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। इंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा सतेंद्र भी बुरी तरह से घायल हो गया। हादसे के बाद रोड पर जाम लग गया। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया। जाम खुलवाकर यातायात सुचारु किया गया।

सिम्स हॉस्पिटल में 19 वर्षीय मरीज के

ब्रेन हेमरेज का हुआ सफल ऑपरेशन

संवाददाता

मथुरा। 19 वर्षीय आयुष कोचिंग सेंटर में पढ़ रहा था और अचानक बेहोश हो गया। सिम्स हॉस्पिटल के इमरजेंसी विभाग में आयुष को लाया गया। डॉ. प्रेम भाटी ने जरूरी जाँचें कराई और सीटी स्कैन देखकर कहा कि मरीज के दिमाग की नस फट गई है और लगभग 70 मि.ली. रक्त का थक्का जमा हुआ है। मरीज की जान बचाने के लिए तत्काल ऑपरेशन करना होगा। परिवार की सहमति से आयुष को एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ.पंकज शर्मा ने बेहोश किया और डॉ. प्रेम भाटी और उनकी टीम ने अथक परिश्रम करके दूरबीन विधि द्वारा आयुष का सफल ऑपरेशन किया। मरीज अब बिल्कुल स्वस्थ और प्रसन्न है। इस अवसर पर सिम्स हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. प्रेम भाटी ने कहा कि 19 वर्षीय आयुष गम्भीर हालत में सिम्स हॉस्पिटल में आया।

बेहोशी के साथ अनियन्त्रित ब्लड प्रेशर था और दिमाग की नस फटी हुई थी और ब्रेन में ब्लीडिंग से रक्त का थक्का जम गया था। परिवार की सहमति से आयुष को एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ. पंकज शर्मा ने बेहोश किया और डॉ. प्रेम भाटी और उनकी टीम ने अथक परिश्रम करके दूरबीन विधि द्वारा आयुष का सफल ऑपरेशन किया। मरीज अब होश में आया और 9 दिन बाद हॉस्पिटल से छुट्टी हो गयी। बृज क्षेत्र का इतनी कम उम्र में दिमाग की नस फटने का यह पहला केस है। आमतौर पर यह बीमारी 40 से 90 साल की उम्र में होती है। अक्सर यह देखा गया है कि दिमाग के ऑपरेशन के बाद 60-70% लोगों के 1 तरफ फालिस मार जाती है परंतु आयुष के केस में दूरबीन विधि द्वारा सफल सर्जरी होने से कोई कमजोरी नहीं रही और मरीज चलते हुए और हॉस्पिटल स्टाफ का धन्यवाद करते हुए अपने घर चला गया और आज तक चल फिर रहा है और खुश है। इस अवसर सिम्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. गौरव भारद्वाज ने कहा कि डॉ. प्रेम भाटी को ब्रेन स्ट्रोक ट्रौमा के मरीजों का सर्वश्रेष्ठ इलाज करने में महारत हासिल है।

डॉ. प्रेम भाटी कई वर्षों से बृज क्षेत्र में न्यूरो के मरीजों बेहतर इलाज कर रहे है और मरीज खुश होकर अपने घर जा रहे है। सिम्स हॉस्पिटल में बृज क्षेत्र का एकमात्र स्ट्रोक रेडी हॉस्पिटल है यहाँ एक ही छत के नीचे सीटी स्कैन, अत्याधुनिक एम.आर.आई, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, सर्जिकल माइक्रोस्कोप और 24 घण्टे अनुभवी डॉक्टर्स की टीम मौजूद है, न्यूरो साइंसेस विभाग में मिनिमली इंवेसिव एण्डोवैस्कुलर सर्जन डॉ. एस.के. गुप्ता और न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नीलेश गुप्ता भी अपनी सेवाएं मरीजों को दे रहे हैं।

सिंधी पंचायत का छप्पन भोग 10 को गोवर्धन में

संवाददाता

मथुरा। सिंधी समाज एक बार फिर एकत्रित होने जा रहा है मौका होगा गोवर्धन में नौवें छप्पन भोग एवं अभिषेक का, जिसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। इसी सिलसिले में बहादुर पुरा स्थित स्वामी लीलाशाह सिंधी धर्मशाला में एक बैठक भी आयोजित की गई। इस मौके पर छप्पन भोग के निमंत्रण पत्र का विमोचन भी किया गया। सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी ने बताया कि छप्पन भोग एवं अभिषेक को सुंदर रूप देने के लिए मुख्य संयोजक जीवतराम चंदानी के नेतृत्व में एक संयोजक मंडल बनाया गया है, जिसमें प्रदीप उकरानी, कन्हैयालाल भाईजी, जितेंद्र लालवानी, गुरमुखदास गंगवानी, सुरेश मेठवानी, भगवान दास.मगवानी, सुनील पंजवानी, हरीश.चावला, अशोक डाबरा, राजेश खत्री, लक्ष्मण वाधवानी आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री एवं महामंत्री बसंत मंगलानी ने बताया कि 9 सितंबर सोमवार को रात्रि भगवान झूलेलाल के अनुयायी श्री गिरिराज जी की परिक्रमा करेंगे तथा 10 सितंबर मंगलवार को आंयोर मार्ग स्थित गिरवर निकुंज श्री गिरिराज जी महाराज का अभिषेक एवं छप्पन भोग दर्शन होंगे। मीडिया प्रभारी किशोर इसरानी ने बताया कि गोवर्धन जाने के लिए 9 और 10 सितंबर को डेम्पीयर नगर और राधिका विहार से बसे भी जायेंगी, इसी संदर्भ में एक प्रतिनिधिमंडल गोवर्धन में तैयारियों का जायजा लेने भी गया।

बैठक में सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायणदास लखवानी, रामचंद्र खत्री, बसंत मंगलानी, तुलसीदास गंगवानी, जीवतराम चंदानी, जितेंद्र लालवानी, गुरमुखदास गंगवानी, सुरेश मेठवानी, भगवान दास.मगवानी, सुनील पंजवानी, अशोक डाबरा, लक्ष्मण वाधवानी, चंदनलाल आडवानी, किशोर इसरानी, जितेंद्र भाटिया, सुंदरखत्री, विष्णू हेमानी, कंहैयालाल एडवोकेट, सुरेश मनसुखानी, महेश घावरी, अनिल मंगलानी, अमित आसवानी, तरूण लखवानी आदि ने छप्पन भोग के निमंत्रण पत्र का विमोचन करते हुए सभी से भागीदारी की अपील की।

आगरा को कल एक और वंदेभारत ट्रेन मिलेगी

आगरा । सोमवार से तीसरी वंदेभारत ट्रेन मिल जाएगी। देश के दो पर्यटन नगर उदयपुर और आगरा को जोड़ने वाली वंदेभारत ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलेगी। ये ट्रेन आगरा कैंट स्टेशन से उदयपुर सिटी स्टेशन के बीच चलेगी। करीब 675 किमी का यह सफर 8 घंटा 45 मिनट में पूरा होगा। ट्रेन में आठ कोच होंगे। आगरा रेल मंडल की ढफ्ड प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया- गाड़ी सं. 20981/20982 उदयपुर सिटी आगरा कैंट-उदयपुर सिटी वीकली वंदेभारत ट्रेन सोमवार से अपना सफर शुरू कर देगी। ट्रेन उदयपुर से सोमवार, गुरुवार, शनिवार सुबह चलकर दोपहर में आगरा कैंट पहुंचेगी और उसी दिन दोपहर में आगरा कैंट से चलकर रात को उदयपुर सिटी पहुंचेगी। ट्रेन उदयपुर सिटी स्टेशन से सुबह 5.45 बजे रवाना होगी। दोपहर 2.30 बजे आगरा कैंट स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन आगरा कैंट स्टेशन से दोपहर 3 बजे रवाना होगी और रात 11.45 बजे उदयपुर सिटी स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन बीच में राणा प्रताप नगर स्टेशन, मावली जंक्शन, चंदेरिया स्टेशन, कोटा जंक्शन, संवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना जंक्शन स्टेशन पर ठहराव के बाद आगरा कैंट स्टेशन पहुंचेगी। उदयपुर के लिए 2 सितंबर को वंदेभारत ट्रेन के शुरू होने के बाद आगरा के पास तीन वंदेभारत हो जाएंगी। इससे पहले आगरा से दो वंदेभारत ट्रेन गुजरती है। आगरा की पहली वंदेभारत रानी कमलापति स्टेशन हजरत निजामुद्दीन के मध्य और दूसरी खजुराहो-हजरत निजामुद्दीन के बीच पहले ही मिल चुकी है। बिना कैटरिंग के आगरा से उदयपुर का किराया दो श्रेणी में है। एग्जीक्यूटिव श्रेणी का किराया 2545 रुपए और चेयरकार का 1275 रुपए है। अगर कैटरिंग चार्ज की बात की जाए तो ये 350 और 285 रुपए है।

गन्ने के खेत से 18 फिट लंबे अजगर का रेस्क्यू

मुजफ्फरनगर । ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों की मदद से गन्ने के खेत में निकले 18 फीट लंबे अजगर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित उसके आवासीय क्षेत्र में छोड़ दिया। अजगर ग्रामीणों के कौतूहल का विषय बना रहा। गन्ने के खेत में अजगर मिलने से कुछ किसानों को दहशत भी हुई। किसानों ने अजगर मिलने की सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग ने अजगर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। थाना क्षेत्र के गांव नगला दुहेली के पूर्व प्रधान लाल बहादुर शास्त्री का खेत गांव के निकट गंग नहर पटरी से लगा हुआ है। शनिवार की दोपहर बाद पूर्व प्रधान लाल बहादुर शास्त्री मजदूरों के साथ जब खेत में काम करने के लिए पहुंचे तो एक लंबा चौड़ा अजगर खेत में दिखाई देने से दहशत बन गई। पूर्व प्रधान ने अजगर मिलने की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पर वन विभाग की टीम ने खेत से अजगर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

आगरा में घर के आंगन में मिला महिला का अधजला-शव

संवाददाता

आगरा । जगनेर थाना क्षेत्र के गांव नोनी में विवाहिता की लाश अधजली हालत में घर के आंगन में मिली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। विवाहिता की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मृतका का पति मौके से फरार है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी खेरागढ़ इमरान अहमद ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि गांव नोनी में एक महिला का शव घर में पड़ा है। शव

अधजली हालत में है। पुलिस मौके पर पहुंच गई। महिला की शिनाख्त सोनी (35) पत्नी राम सेवक के रूप में हुई। शव घर के बरामदे में पड़ा था। पुलिस हत्या की आशंका जता रही है। पुलिस की सूचना पर मृतका के मायके के लोग भी पहुंच गए है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए है। इसके बाद शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगरा भेजा है। मामले में एसीपी खेरागढ़ इमरान अहमद ने बताया पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत के स्पष्ट कारणों की जानकारी हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

संक्षिप्त डायरी

छात्र सूरज शर्मा ने किया जिले का नाम रोशन

संवाददाता

मथुरा। कक्षा ग्यारहवीं के छात्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से बनाया रोबोट मथुरा जनपद का नाम किया रोशन । 14 वर्षीय छात्र सूरज शर्मा चंदनवन स्थित माउंट हिल अकैडमी में कक्षा 11वीं का छात्र है जिसने 45 अलग-अलग देशों से दिल्ली आए प्रतियोगियों में वर्ल्ड रोबोटिक कंपटीशन में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया और पांचवा स्थान प्राप्त किया छात्र सूरज शर्मा तहसील छाता क्षेत्र के गांव सेंनवा का रहने वाला है।

यातायात डायवर्जन प्लान

संवाददाता

मथुरा। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड उ०प्र० जल निगम (नगरीय) के पत्रांकः 864 / गोकुल बैराज / 18 दिनांकः 27.08.2024 के माध्यम से अमृत कार्यक्रम के अन्तर्गत मथुरा पुनगर्ठन पेयजल योजना मे प्रस्तावित भूतेश्वर स्थित भूमिगत जलाशय से मनोहरपुरा ठेकनारनॉल स्थित उच्च जलाशय को गंगाजल आपूर्ति हेतु पाइपलाइन विछाये जाने का कार्य किया जा रहा है इस पाइप लाइन के संरेखण में स्थित सियाराम नमकीन भण्डार भूतेश्वर तिराह मथुरा पर पाइपलाइन गैप को पूर्ण किया जाना शेष है इस कार्य को दिनांकः 02.09.2024 को रात्रि 22.00 बजे से आरम्भ किया जायेगा जो कि दिनांक 07.09.2024 तक दिन रात चलेगा उक्त कार्य अवधि में मथुरा शहर का यातायात निम्न प्रकार संचालित होगा। 1.गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा से भूतेश्वर तिराहे होते हुए बस अड्डा और मथुरा शहर को जाने वाले समस्त कॉमर्शियल वाहन, रोडवेज बसे, ओटो, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर व बड़े वाहन हाइवे कट एवं पुराना आरटीओ कट से बस अड्डा या मथुरा शहर के लिये जा सकेगे तथा उसी रास्ते से वापस जायेगे । 2.गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा से भूतेश्वर तिराहे होते हुए जन्मभूमि की ओर जाने वाले समस्त कॉमर्शियल वाहन, ओटो, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर व बड़े वाहन पोतरा कुण्ड लिंक मार्ग , गोकुल रेस्टोरेन्ट, मसानी मार्ग से जा सकेंगे तथा उसी मार्ग से वापस जा सकेगे । 3.बस अड्डा से गोवर्धन चौराहा, मण्डी चौराहा की ओर जाने वाले समस्त कॉमर्शियल वाहन, ओटो, ई-रिक्शा, ट्रैक्टर व बड़े वाहन महोली रोड़ बी०एस०ए० तिराहे से एन0एच0 19 होते हुए अपने गन्तव्य को जा सकेगे । 4.नया बस स्टेण्ड एवं रेलवे स्टेशन से भूतेश्वर तिराहा होते हुए श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं वृन्दावन जाने वाले वाहन ऑटो, ई-रिक्शा डायवर्जन क दौरान स्टेट बैक चौराहा से भरतपुर गेट , डींग गेट तिराहा होते हुए जा सकेगे तथा उसी रास्ते वापस आ सकेगे । 5.मसानी चौराहा से भूतेश्वर तिराहा होते हुए गोवर्धन चौराहा , मण्डी चौराहा को जाने वाले ऑटो , ई-रिक्शा व चार पहिया वाहन एवं कॉमर्शियल वाहन गोकुल रेस्टोरेन्ट होते हुए गोवर्धन चौराहा व मण्डी चौराहा को जा सकेगे । 6.मथुरा शहर से भूतेश्वर तिराहा होते हुए गोवर्धन चौराहा , मण्डी चौराहा जाने वाले ऑटो , ई-रिक्शा , कॉमर्शियल/चार पहिया वाहन महोली रोड , बीएसए तिराहा से एनएच-19 होते हुए गोवर्धन चौराहा व मण्डी चौराहा जा सकेगे आवश्यकता पडने पर मछली फाटक पुल ढलान (टैक चौराहा की ओर) से ऑटो , ई-रिक्शा एवं कॉमर्शियल वाहन व अन्य वाहन रोडवेज बसे धौली प्याऊ होते हुए एनएच-19 की ओर डायवर्ट किये जायेगे और वही से अपने गन्तव्य को जा सकेगे । नोटः- इसके अतिरिक्त आकस्मिक सेवाओं से जुड़े हुए समस्त वाहन एम्बूलेन्स / फायर सर्विस आदि उपरोक्त प्रतिबन्धों से मुक्त रहेगे ।

मथुरा में दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे: मामूली सी बात पर आपस में भिड़े

मथुरा । मामूली बात को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें जमकर लाठी, डंडे और फरसा चले। झगड़े में 2 पुरूष, 1 महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव जमुनावता में बीती रात दो पक्षों में मामूली सी बात को लेकर आमने-सामने आ गए और दोनों ही पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए मथुरा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना पाकर इलाका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटना की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, गांव के ही रहने वाले अभिमन्यु सैनी और छैला बिहारी के बीच झगड़ा हो गया। सूचना पर दोनों ही पक्ष के लोग इकट्ठा हो गए और फिर जमकर लाठी डंडे चले। वहीं झगड़े में इंद्रजीत यादव राज और महिला लक्ष्मी देवी घायल हो गईं। जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना के बारे में घायल लक्ष्मी देवी की पुत्री अंजली ने बताया कि छैलबिहारी पक्ष लोगों ने लाठी-डंडा, फरसा और तलवार से उनके भाइयों पर हमला किया है। जिससे वह गंभीर रूप से घायल है।

आगरा में 8 फर्जी अभ्यर्थी और 3 ठग पकड़े गए

आगरा । चाक-चौबंद व्यवस्था में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा पूरी हुई। इतनी कड़ी व्यवस्था के बाद भी फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने से हिचकिचाए नहीं। लेकिन, उन्हें परीक्षा में बैठते ही पकड़ लिया गया। पांच दिन में आगरा में आठ फर्जी अभ्यर्थियों को पकड़ा गया। ज्यादातर ने अपने मूल दस्तावेज में छेड़खानी कर दोबारा प्रपत्र तैयार कराए थे। एसटीएफ ने आगरा में तीन शातिर ठगों को भी पकड़ा जो अभ्यर्थियों को जाल में फंसाकर ठगने पहुंचे थे। कमिश्नरेट में शनिवार को सिटी जोन में 27 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित हुई। पहली पाली में 8160 अभ्यर्थी परीक्षा देने आए। दूसरी पाली में 7814 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। पहले चरण में 23, 24 और 25 अगस्त को परीक्षा आयोजित की गई थी। इस तरह पांच दिन में 1,17,600 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 78,687 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। करीब 38 हजार ने परीक्षा छोड़ दी। इस बार सॉल्वर और फर्जी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे। दस्तावेज की गहन चेकिंग, बायोमेट्रिक माध्यम से की गई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद भी ली गई। परीक्षा केंद्रों के आसपास भी लोगों को फटकने नहीं दिया। इतनी सख्ती के बाद भी परीक्षा में सेंध लगाने के लिए फर्जी अभ्यर्थी पहुंच गए। पहले ही दिन एक फर्जी अभ्यर्थी आधार कार्ड और हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की दूसरी मार्कशीट लेकर पहुंचा। उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया। पांच दिन में कुल आठ फर्जी अभ्यर्थी पकड़े गए। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शुक्रवार की देर रात ट्रांस यमुना थाने के सामने होटल में ठहरे तीन ठगों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के तार बिहार के सॉल्वरों से जुड़े थे।

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-

ऊँ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अरघ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

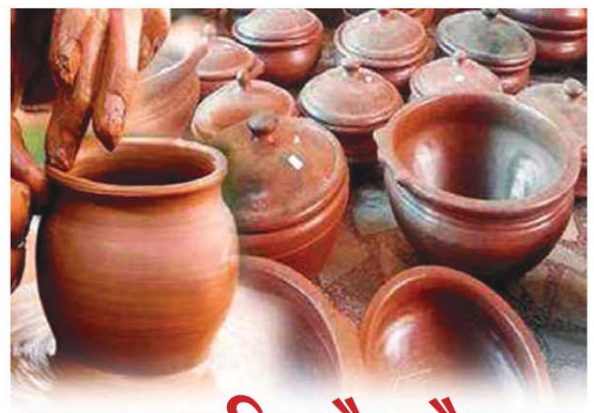

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर

खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

बीते सप्ताह आठ शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 1.53 लाख करोड़ बढ़ा

भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी के साथ देश की 10 शीर्ष कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,53,019.32 करोड़ रुपये बढ़ गया। भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,194.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,587.12 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 33,611.37 करोड़ रुपये बढ़कर 8,06,880.50 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 31,784.9 करोड़ रुपये बढ़कर 16,46,899.17 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,734.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,66,374.41 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,396.42 करोड़ रुपये बढ़कर 20,43,107.10 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का एमकैप 5,600.24 करोड़ रुपये बढ़कर 12,44,206.43 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का मूल्यांकन 2,340.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,73,390.88 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 356.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,935.97 करोड़ रुपये पहुंच गया। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,411.54 करोड़ रुपये घटकर 6,52,739.95 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 4,776.48 करोड़ रुपये घटकर 6,27,587.76 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सप्ताहांत पर तेज गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के भाव रे विवार को स्थिर हैं, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रे विवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.65 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.43 प्रतिशत उतरकर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रे ति लीटर, डीजल 87.62 रुपए प्रे ति

लीटर, मुंबई पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रे ति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

एफपीआई ने शेयर बाजारों में अगस्त में 7,320 करोड़ का निवेश किया

- निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में घरेलू शेयर बाजार में केवल 7,320 करोड़ रुपये का निवेश किया। शेयरों के उच्च मूल्यांकन और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के बाद येन कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश के समाप्त होने के बीच उन्होंने सतर्क रुख अपनाया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है।

बाजार के जानकारों ने कहा कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि बने रहने की संभावना है। हालांकि पूंजी प्रवाह को घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतक, वैश्विक ब्याज दर की स्थिति, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और बॉन्ड बाजार के आकर्षण से दिशा मिलने की उम्मीद है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अगस्त में भारतीय इक्विटी में 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले दो महीनों की तुलना में एफपीआई की रुचि कम होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2024-25 की अनुमानित कमाई से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार कर रहा है। इसके साथ, भारत अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं और इसीलिए, उनकी प्राथमिकता भारत के अलावा अन्य बाजार हैं। इसके अलावा, 24 अगस्त को येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से एफपीआई व्यवहार पर काफी असर पड़ा, जिससे घरेलू इक्विटी में भारी बिकवाली हुई। दिलचस्प बात यह है कि एफपीआई शेयर बाजार बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जहां मूल्यांकन अधिक माना जाता है। वे अपने निवेश को प्राथमिक बाजार में लगा रहे हैं, जहां अपेक्षाकृत मूल्यांकन कम है। इस बीच एफपीआई ने अगस्त में बॉन्ड बाजार में 17,960 करोड़ रुपये का निवेश किया।

भारत में स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन जॉइंट वेंचर की तैयारी में

नई दिल्ली ।

भारत में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा और जर्मनी की ऑटोमोबाइल ग्रुप स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन जॉइंट वेंचर की तैयारी कर रहे हैं। इस जॉइंट वेंचर के तहत आने वाली कारों की तकनीक और प्लेटफॉर्म को दोनों कंपनियां साझा तो करेंगी, साथ ही इनोवेशन और रिसर्च में भी बराबर का योगदान देंगी। इस जॉइंट वेंचर में दोनों कंपनियों की हिस्सेदारी 50-50 प्रतिशत की होगी।

जॉइंट वेंचर के तहत पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के साथ-साथ बैटरी से चलने वाले वाहनों को भी विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। जॉइंट वेंचर के तहत बनने वाली कारें भारत में तो बिकेंगी ही, इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। दोनों कंपनियों के बीच जॉइंट वेंचर की घोषणा इस साल के अंत से पहले होने की उम्मीद की जा रही है।

इस जॉइंट वेंचर के तहत एक ओर जहां फॉक्सवैगन ग्रुप को भारत में अपने उत्पादों को किफायती बनाने के साथ-साथ भारतीय ग्राहकों के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी, वहीं महिंद्रा की कारों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

फॉक्सवैगन की बात करें तो दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार में काफी समय से मौजूद होने के बावजूद कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई है। अगर सेल्स पर नजर डालें तो स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया की जुलाई 2024 में रिटेल सेल्स 14.7प्रतिशत गिरकर महज 6,203 यूनिट्स रह गई। वहीं दूसरी ओर महिंद्रा ने समान अवधि में बिक्री में 26प्रतिशत की वृद्धि हासिल करते हुए 37,854 यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा दर्ज किया है। जुलाई 2023 में फॉक्सवैगन का मार्केट शेयर 2.50प्रतिशत था, जो जुलाई 2024 में घटकर 1.94प्रतिशत रह गया है।

वहीं, महिंद्रा की बात करें तो इसका मार्केट शेयर जुलाई 2023 में 10.31प्रतिशत से बढ़कर 11.82 प्रतिशत हो गया है। मीडिया की खबरों के मुताबिक, जॉइंट वेंचर के तहत बनने वाली कारें महिंद्रा के चाकन प्लांट (पुणे) में बनाई जाएंगी। महिंद्रा अपनी आने वाली इलेक्ट्रिक कारों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतारने पर भी फोकस कर रही है। भारत के मुकाबले बाहर के बाजारों में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति स्वीकार्यता अधिक है। इसको देखते हुए कंपनी ग्लोबल स्टैंडर्ड की कारों के साथ विदेशी बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत कर सकती है।

एफएंडओ में स्टॉक्स के प्रवेश के लिए नए नियम लागू

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में एफएंडओ (फ्यूचर्स और ऑप्शंस) सेगमेंट में स्टॉक्स के प्रवेश के लिए नए नियम लागू कर दिए गए हैं। जिसके मुतो बिक अब किसी भी स्टॉक को एफएंडओ सेगमेंट में शामिल करने से पहले उसे कैश मार्केट में लगातार 6 महीने तक एक निश्चित मानदंड को पूरा करना होगा। इसके अलावा एफएंडओ सेगमेंट में शामिल स्टॉक्स के लिए कुछ नियम भी सख्त कर दिए गए हैं। मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। यानी कि अब स्टॉक्स के प्राइस मूवमेंट को प्रभावित करने के लिए न्यूनतम राशि को बढ़ा दिया गया है। इससे यह होगा कि पैसों का गलत इस्तेमाल करके स्टॉक की कीमतों में बहुत तेज बदलाव नहीं किया जा सकेगा। मार्केट वाइड पोजीशन लिमिट को 500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1500 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा एवरेज डेली डिलीवरी वैल्यू को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। अगर कोई स्टॉक लगातार 3 महीने तक इन मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो उसे एफएंडओ सेगमेंट से बाहर कर दिया जाएगा। बाहर किए गए स्टॉक्स को अगले एक साल तक एफएंडओ सेगमेंट में फिर से शामिल नहीं किया जाएगा। ये नए नियम तुरंत लागू हो गए हैं। हालांकि मौजूदा स्टॉक्स को इन नियमों के अनुसार ढलने के लिए 6 महीने का समय दिया गया है।

सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा, निकासी मानदंड सख्त किए

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा और निकासी के मानदंडों में कई बदलाव किए। संशोधित नियमों के तहत स्टॉक के लिए मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्ल्यूपीएल) को 500 करोड़ से तीन गुना बढ़ाकर 1,500 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई तक राज्यों को 3.66 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकारों को उनके करों के हिस्से के रूप में 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार ने जुलाई तक कुल 13,00,351 करोड़ खर्च किए हैं, जो बजट अनुमान का 27 फीसदी है।

हीरो मोटो कॉर्प ने संजय भान को बनाया कार्यकारी उपाध्यक्ष

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने वैश्विक कारोबार मामलों के अपने मुख्य व्यापार अधिकारी संजय भान को पदोन्नत कर कार्यकारी उपाध्यक्ष बनाया है। उनकी नियुक्ति एक सितंबर से प्रभाव में आ गई है। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को बताया कि भान अपनी नई भूमिका में हाल में स्थापित ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के साथ-साथ वैश्विक उत्पाद योजना (जीपीपी) पोर्टफोलियो का भी नेतृत्व करेंगे। भान ग्लोबल बिजनेस और जीपीपी के सीईओ को रिपोर्ट करना जारी रखेंगे। इसके अतिरिक्त वह ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के प्रमुख के रूप में सीधे कार्यकारी चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही खेल इकाई का भी नेतृत्व करेंगे। कंपनी के बयान के अनुसार भान 1991 में कंपनी में शामिल हुए और इस अवधि के दौरान कई दोपहिया मॉडल को पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

नई दिल्ली ।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बंद कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गईं। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुर्माना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया। मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है, तो उस पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने का आदेश है।

वैश्विक रुख और पीएमआई जैसे आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहत आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह बता कही है। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा प्रभो वित करेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक सितंबर के मध्य में होनी है लेकिन उससे पहले बाजार की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों पर होगी। विनिर्माण पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े इस सप्ताह जारी होने हैं। ये सभी उल्लेखनीय रूप से बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत पूंजी प्रवाह भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। घरेलू बाजार में तेजी के पीछे प्राथमिक कारण अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की बढ़ती उम्मीद और घरेलू निवेशकों की लिवाली है। वाहन बिक्री आंकड़ों की घोषणा के बीच इन कंपनियों के शेयरों पर नजर होगी। उन्होंने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि शेयर केंद्रित कदम के साथ बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहेगा। सप्ताह के दौरान जारी होने वाले वैश्विक वृहत आर्थिक आंकड़ों से घरेलू बाजार को संकेत मिलना जारी रहेगा। एक वे रिष्ठ बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि व्यापक स्तर पर खरीद समर्थन से मानक सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले सप्ताह जैक्सन होल बैठक में मिले संकेत के बाद अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद ने निवेशकों को अधिक आश्वस्त किया है। हालांकि, सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। इसका कारण, बाजार पिछले 12 कारोबारी सत्रों से चढ़ रहा है।

गूगल ओआरजी ने एआई संचालित जलवायु समाधान करने चार भारतीय संगठनों को चुना

नई दिल्ली। एपीएसी सस्टेनेबिलिटी सीड फंड 2.0 के तहत अनुदान के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में चार भारत-आधारित संगठनों को 14 अन्य प्राप्तकर्ताओं के बीच चुना गया है। इसे प्रौद्योगिकी दिग्गज की परोपकारी शाखा गूगल.ओआरजी से 50 लाख डॉलर के अनुदान से समर्थित किया गया है। एशियन वेंचर फिलैंथ्रोपी नेटवर्क (एवीपीएन) द्वारा प्रबंधित इस कोष का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी और एआई-संचालित समाधानों को बढ़ावा देना है। गूगल ओआरजी ने एक बयान में कहा कि भारतीय प्राप्तकर्ताओं में आईएनआरईएम फाउंडेशन, सीईपीटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (सीआरडीएफ), इंस्टीट्यूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड रिसर्च (वेल लैब्स) और गुजरात महिला हाउसिंग सेवा ट्रस्ट (एमएचटी) शामिल हैं। आईएनआरईएम फाउंडेशन जल प्रदूषण डेटा तक सामुदायिक पहुंच के लिए एआई-सक्षम ओपन डिजिटल समाधान विकसित करेगा। सीआरडीएफ झीलों और उनके कार्बन सिंक फंक्शन की सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करने की योजना बना रहा है। बयान में कहा गया है कि वेल लैब्स गांव-स्तर की जल सुरक्षा अंतर्दृष्टि के लिए उन्नत मॉडल विकसित करेगा, जबकि एमएचटी शहरी ताप द्वीपों की पहचान करने और समुदाय-केंद्रित समाधान सुझाने के लिए एआई-संचालित मॉडल बनाएगा।

बीते सप्ताह मंडियों में तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के खाने के तेलों के आयात शुल्क बढ़ने की संभावना के कारण किसानों के मंडियों में आवक घटाने के बीच बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम में सुधार देखने को मिला तथा सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव मजबूत बंद हुए।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये बढ़कर 6,275-6,315 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 400 रुपये बढ़कर 12,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 55-55 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 1,985-2,085 रुपये और 1,985-2,100 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 170-170 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 4,670-4,700 रुपये प्रति क्विंटल और 4,480-4,605 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 125 रुपये, 125 रुपये और 50 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 10,575 रुपये, 10,175 रुपये तथा 8,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की मजबूती के साथ 6,550-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 15,525 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 325 रुपये की मजबूती के साथ 9,425 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 10,525 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बिनौला तेल 350 रुपये के सुधार के साथ 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विमान ईंधन 4.6 प्रतिशत हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

कार्मशियल एलपीजी सिलेंडर के साथ ही विमान ईंधन के भाव में भी रविवार को 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई। वैश्विक बाजारों में तेल के दाम के रुख के अनुरूप यह फैसला लिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 4,495.5 रुपये प्रति किलोलीटर (4.58 प्रतिशत) की कटौती की गई है। विमानन कंपनियों की कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। ऐसे में दाम में कटौती से इन कंपनियों पर लागत बोझ कम होगा। इससे पहले, दो बार दाम बढ़ाये गये थे। विमान ईंधन के दाम एक अगस्त को दो प्रतिशत (1,827.34 रुपये प्रति किलोलीटर) की बढ़ोतरी की गई थी। इससे पहले इसमें 1.2 प्रतिशत (1,179.37 रुपये प्रति किलोलीटर) की वृद्धि की गई थी। एक जून को एटीएफ के दाम में 6.5 प्रतिशत (6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी। कटौती के बाद एटीएफ के दाम में मुंबई में घटकर 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गए हैं जो इससे पहले 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर थे। स्थानीय करों के कारण एटीएफ के दाम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होते हैं।

एनबीसीसी ने 1:2 बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी

- 90 करोड़ रुपये फ्री रिजर्व से होंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने पात्र शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी है। इस उद्देश्य के लिए कंपनी 90 करोड़ रुपये के फ्री रिजर्व का उपयोग करेगी। कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने और रिकॉर्ड तारीख तय करने की मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कंपनी के शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है, यानी रिकॉर्ड तिथि के अनुसार पात्र सदस्यों को हर दो मौजूदा शेयरों के लिए एक नया पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयर, जिसकी कीमत 1 रुपये होगी, जारी किया जाएगा। कंपनी ने 90 करोड़ शेयर बोनस शेयर के रूप में जारी करने का प्रस्ताव रखा है। एनबीसीसी ने बताया कि बोनस शेयर जारी करने के लिए 90 करोड़ रुपये के फ्री रिजर्व का उपयोग किया जाएगा। यह प्रस्ताव आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। बोर्ड ने 7 अक्टूबर 2024 को रिकॉर्ड तारीख के रूप में तय किया है, जिसके आधार पर सदस्यों की पात्रता निर्धारित की जाएगी। एनबीसीसी मुख्य रूप से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी और रियल एस्टेट के कारोबार में है।

वैश्विक संकेत : अमेरिकी बादशाहत का अंत निकट तो नहीं

प्रहलाद सबनानी

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है। करोड़ों अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिक केयर डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

अमेरिका विश्व के लगभग समस्त देशों पर अपनी चौधराहट सफलतापूर्वक लागू करता रहा है। पूरे विश्व में, एक तरह से लगभग समस्त क्षेत्रों में, विभिन्न प्रकार की नीतियों को प्रभावित करने में अमेरिका सफल रहा है एवं इस प्रकार अपनी प्रसारवादी नीतियों को भी लागू करता रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका की आंतरिक स्थिति, लगभग समस्त क्षेत्रों यथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि में लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका सहित विकसित देशों की, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में, आंतरिक स्थिति को देखते हुए अब तो पश्चिमी सभ्यता पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में आर्थिक विपन्नता एवं परिवार तथा समाज के खंड-खंड होने के बाद पश्चिमी सभ्यता को पतित सभ्यता कहा जाने लगा है और इसे अब अमेरिकी बादशाहत के अंत की शुरूआत भी माना जाने लगा है।

अमेरिका में तो राष्ट्रीय ऋण 35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार, सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इसका आशय यह है कि आय की तुलना में ऋण अधिक ले लिया गया है। अमेरिकी वित्त व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि अमेरिकी सरकार को अपने सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी बाजार से और अधिक ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है और इस उद्देश्य से प्रति वर्ष अमेरिकी संसद में स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पहुंचना होता है। यह स्थिति है विश्व के सबसे अधिक शक्तिशाली देश अमेरिका की।

वर्ष 1776 में जब पूंजीवाद के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ ने अपनी कृति 'द वेल्थ आफ नेशनस' नामक किताब जारी की थी उस समय पूंजीवाद अपने शैशावस्था में ही था। उनका महत्वपूर्ण मुख्य सिद्धांत था कि व्यवसायी, जो अपनी लाभप्रदता को अधिकतम करना चाहते हैं, वे अपने व्यवसाय को बहुत ही कुशलता के साथ चलाना चाहते हैं। इस तरह ये व्यवसायी न केवल अपने आप को धनाडय बनाएंगे बल्कि वह देश इन धनाढ्यों के संसाधनों को जोड़कर स्वयं भी एक धनी देश बन जाएगा। पूरी 19वीं शताब्दी एवं 20वीं शताब्दी में अमेरिका इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहा है एवं अपने देश में धनाढ्यों की संख्या में अपार वृद्धि करता रहा है। इससे अमेरिकी नागरिकों में व्यक्तिवाद पनपा एवं वे परिवार एवं समाज के भले को भूलकर केवल अपने बारे में ही सोचने लगे एवं अपने व्यापार को पूरे विश्व में फैलाने लगे। इससे अमेरिका में गरीबों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही।

अमेरिका की 1940 के दशक में पूरे विश्व के विनिर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई थी, परंतु अब यह घटकर 17 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कई उद्योगों के मामले में उत्पादन का जो एकाधिकार अमेरिका के पास

होता था वह एकाधिकार अब अन्य देशों के पास चला गया है। अमेरिकी कम्पनियों ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के स्वास्थ्य खर्चे की पूरी लागत स्वयं वहन करना प्रारम्भ किया था। अमेरिका में श्रम लागत भी बहुत अधिक बढ़ चुकी थी, अन्य देशों में श्रमिक, अमेरिकी श्रम लागत की तुलना में, आधी से भी कम राशि में ही काम करने को तैयार हो रहे थे। इस बीच अमेरिकी सरकार ने आय कर की दरें भी बढ़ाकर 35 प्रतिशत से अधिक कर दी थीं। जबकि अन्य देशों में आय कर की दरें 20/25 प्रतिशत थीं। इससे अमेरिका में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी।

अतः धीरे-धीरे अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होने लगीं। वर्ष 1979 में अमेरिका में 20 प्रतिशत श्रमिक विनिर्माण इकाईयों में कार्यरत थे अब यह संख्या घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। अमेरिका में 2 करोड़ कर्मचारी विनिर्माण इकाईयों में कार्य कर रहे थे जो घटकर 1 करोड़ 20 लाख हो गए हैं। अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है।

1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी-बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है। ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिस्टिक्स- मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर-वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़ कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं, वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं। अमेरिका में समय के साथ-साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो आउट्सॉर्सिंग के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अतः अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है।

उक्त कारणों के चलते अमेरिका में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी के चलते इस वर्ग के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती है, यह वर्ग बहुत ही तंग हालत में रहता है एवं अंततः सामाजिक अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाता है। इनके मकानों में बहुत कम सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। अमेरिका में गरीबी रेखा का निर्धारण अमेरिका के कृषि विभाग द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है। वर्ष 2015 में गरीबी आंकलन के लिए प्रत्येक चार व्यक्तियों के परिवार के लिए प्रतिवर्ष 24,300 अमेरिकी डॉलर की आय तय की गई थी। इससे कम आय वाले परिवार गरीबी रेखा के नीचे माने जाते हैं। आय की उक्त गणना के आधार पर अमेरिका में 13.5 प्रतिशत परिवार (4.31 करोड़ अमेरिकी नागरिक) गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे।

गरीब वर्ग के नागरिकों के आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने के चलते अमेरिका में 22 लाख अमेरिकी गरीब नागरिक जेलों में बंद थे एवं 50 लाख गरीब नागरिक पैरोल अथवा परीक्षण पर थे एवं अन्य 10 लाख नागरिक जो जेलों से छूट गए थे, वे न तो पेरोल पर थे और न ही परीक्षण पर थे, परंतु वे कभी भी पुनः जेलों में भेजे जा सकते हैं। आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नागरिकों के अतिरिक्त 20 लाख से 30 लाख नागरिक ऐसे भी हैं जिनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है जिन्हें यहां 'होमलेस' कहा जाता है। 50 लाख अमेरिकी नागरिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं एवं 80 लाख नागरिक सामाजिक सुरक्षा एवं विकलांग योजना का लाभ ले रहे हैं।

एक अनुमान के अनुसार, अमेरिका में तीन से साढ़े तीन करोड़ नागरिक स्थायी निम्नवर्ग की श्रेणी में आते हैं, जो अमेरिका की कुल 32.5 करोड़ जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। प्रत्येक 5 अमेरिकी बच्चों में से एक बच्चा गरीब वर्ग का है। इतना अधिक खर्च करने के बाद भी अमेरिका में सामाजिक सहायता व्यवस्था अन्य अमीर एवं विकसित देशों की तुलना में कमतर ही मानी जाती है। करोड़ों अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिक केयर डॉक्टर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यदि यह सुविधा उपलब्ध भी है तो चार में से केवल एक नागरिक को ही डॉक्टर से उसी दिन का मिलने का समय मिल पाता है। अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में इस प्रकार के हालात देख कर अब तो कई अर्थशास्त्रियों द्वारा आर्थिक विकास के पूंजीवादी मॉडल पर ही प्रश्नचिन्ह लगाया जाने लगा है एवं यह कहा जा रहा है कि कहीं अमेरिकी स्वप्न का अंत निकट तो नहीं है।

(लेखक, आर्थिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तम्भकार हैं।)

संपादकीय

त्वरित न्याय बेहद जरूरी

महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता है, इससे उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए संबोधन में यह बात कही। प्रधान न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़.की उपस्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक बताया। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा के ज्वलंत मुद्दे का जिक्र करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय कहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से फैसला सुनाया जाएगा, आधी आबादी को अपनी सुरक्षा के बारे में उतना ही भरोसा होगा। दरअसल, महिला अपराधों में पिछले काफी समय से जिस तरह से जोरदार इजाफा हुआ है, उससे कानून लागू करवाने वाली तमाम एजेंसियों के साथ ही समाजशास्त्री तक चिंता में पड़. गए हैं। बेशकङ्क जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक वाली जिला निगरानी समितियां इस प्रकार के अपराधों से पार पाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने कहा कि जिला स्तर पर न्यायपालिका लंबित मामलों की समस्या से जूझ रही है, इन चुनौतियों को कम करने के लिए जिला न्यायपालिका का कुशल कामकाज महत्त्वपूर्ण है। कोलकाता की ड़ॉक्टर का रेप और हत्या तथा ठाणे के स्कूल में हुए दो बच्चियों के यौन शोषण की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी आई है। जैसा कि न्यायमूर्ति खन्ना ने पीएम मोदी के सामने ही कहा कि न्यायालयों में ढ़ेरों मामले लंबित हैं। जाहिर है कि न्यायाधीशों की कमी की बात समय-समय पर प्रधान न्यायाधीशों द्वारा उठायी जाती रहती है। संसाधनों की कमी के चलते मामलों का निपटारा समय पर होने में रुकावटें आती रहती हैं। महिलाओं में असुरक्षा की भावना तेजी से बढ़ती जा रही है जो देश और समाज के विकास में बाधक हो सकती है। सवाल सिर्फ त्वरित न्याय का नहीं है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

शर्मनाक है नारी शोषण में पक्षपात

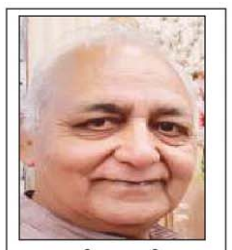

तनवीर जाफ़री

बंगाल की राजधानी महानगर कोलकता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में रात की ड्यूटी अंजाम दे रही एक जूनियर डॉक्टर के साथ 9 अगस्त को हुआ बलात्कार तथा बलात्कार के बाद उसी जूनियर डॉक्टर की बेरहमी से की गयी हत्या का मामला इन दिनों देश के सबसे ज्वलंत मुद्दे के रूप में मीडिया में छाया हुआ है। इस बलात्कार व हत्या के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर सीबीआई जांच भी शुरू हो चुकी है। उस समय यह मामला और भी हाई प्रोफाइल हो गया जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत दिनों पीटीआई को दिए अपने साक्षात्कार में इसी कांड के सम्बन्ध में यह कह दिया कि मैं बहुत निराश और भयभीत हूं। बेटियों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं। राष्ट्रपति ने कहा, बस अब बहुत हुआ। इसके अतिरिक्त भी राष्ट्रपति महोदया ने इसी विषय पर और भी बहुत सी बातें कर हमारे समाज की बेटियों और बहनों के साथ हो रहे इस तरह के अत्याचारों पर गहन चिंता जाहिर की। उन्होंने पूरे समाज का आवाह्न किया कि सब मिलकर इस विकृति का सामना करें ताकि इसे शुरूआत में ही खत्म किया जा सके।

राष्ट्रपति महोदया द्वारा कोलकता रेप व हत्याकांड का जिक्र अपने इंटरव्यू में करने के बाद यह चर्चा भी सुनाई देने लगी है कि क्या बंगाल में इसी शर्मनाक काण्ड की आड़ में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर वहां राष्ट्रपति शासन भी लगाया जा सकता है ? इससे पहले भी बंगाल में संदेशखाली की कुछ महिलाओं ने कथित तौर पर यह आरोप लगाया था कि मुख्य मंत्री ममता बनर्जी के करीबी तृणमूल नेताओं द्वारा प्रशासन का डर दिखाते हुए उन लोगों पर अत्याचार किया गया। उनकी जमीन छीन कर उस पर कब्जा कर लिया गया। विरोध करने पर हमले किये गये। जमीन लीज पर लेकर पैसे भी नहीं दिये गये, पैसे देने का वादा करने के बावजूद पैसे मार लिये गये और शारीरिक शोषण भी किया गया,आदि आदि। हालांकि इसी मामले में तृणमूल नेताओं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली तीन महिलाओं में से दो ने केस वापस भी ले लिया था। तृणमूल कांग्रेस ने ह्यस्टिंग ऑपरेशनह्ल के एक वीडियो में दावा किया था कि बीजेपी के स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से सादे कागज पर दस्तखत करवाए थे और बाद में तृणमूल नेताओं के विरुद्ध बलात्कार व यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवाने में इन कागजों का प्रयोग किया गया था। इस साजिश के पदार्फाश होने के बाद यह मामला जितनी तेजी से मीडिया में उछाला गया था उतनी ही तेजी से यह दबा भी दिया गया। संदेशखाली की घटना के बाद भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन की चर्चा सुनाई देने लगी थी।

बलात्कार हत्या जैसे घृणित अपराध निश्चित रूप से कहीं भी हों इसकी घोर भर्त्सना की जानी चाहिये। शासन व प्रशासन व विधायिका को मिलकर ऐसे उपाय ढूंढने चाहिये जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हों और वे ऐसे अपराधों की जुरअत ही न कर सकें। साथ ही समाज को अपने बच्चों को भी शिक्षित करना चाहिये। परन्तु अफसोस तो इस बात का है कि हमारे देश में बलात्कार व हत्या जैसे घिनौने अपराध को लेकर भी राजनीति की हांडी चढ़ा दी जाती है। राज्य में सरकार किस दल की है,यह देखकर बलात्कार का विरोध किया जाता है। और इससे भी शर्मनाक यह कि बलात्कार पीड़िता का धर्म व उसकी जाति देखकर भी मामले का विरोध व समर्थन निर्धारित किया जाता है। आरोपी /अपराधी के रसूख के अनुसार भी उसके साथ बर्ताव किया जाता है। यहाँ तक कि यदि बलात्कार व हत्या का अपराधी बड़ी संख्या में अपने अनुयायी रखता है तो उस पर तो शासन की विशेष कृपा बरसते देखी जा सकती है। खासकर चुनावी बेला में तो ऐसे सफेदपोश अपराधियों को विशेष पेरोल तक दे दी जाती है।

याद कीजिये गुजरात में 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों के दौरान बिलकीस बानो व उसकी मां के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था तथा उसी समय उनके सामने उन्हीं के परिवार के सात सदस्यों की हत्या भी कर दी गयी थी। इस लोमहर्षक जुर्म में महाराष्ट्र उच्च न्यायालय द्वारा 11 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी गयी थी। परन्तु मई 2022 में गुजरात सरकार ने अच्छे चरित्र के आधार पर दोषियों की सजा में छूट देते हुये स्वतंत्रता दिवस के दिन इनको रिहा कर दिया था। एक तरफ तो भारत सहित पूरे विश्व में गुजरात सरकार के इस कदम की घोर आलोचना हुई थी। तो दूसरी तरफ इन हत्यारे बलात्कारियों को मंच पर सुशोभित किया जाने लगा था। इन्हें फूल माला पहनाकर इन हत्यारे बलात्कारियों का स्वागत किया जा रहा था। इसी आलोचना के दौरान एक विश्व हिन्दू परिषद् के पक्षकार विद्वान लेखक ने इन हत्यारे बलात्कारियों का पक्ष लेते हुये अपने आलेख को इस आशय के शीर्षक से सजाया था कि -आखिर हिन्दुओं को भी तो जीने का अधिकार है ? यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयन का जिन्होंने इस मामले में संज्ञान लेते हुये - कहा कि मई 2022 में गुजरात सरकार ने दोषियों की सजा में छूट देकर तथ्यों की उपेक्षा की थी। और इसी टिप्पणी के साथ उन्होंने सभी दोषियों को दो हफ़्ते के भीतर जेल प्रशासन के पास हाज़िर होने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उसी समय यह भी कहा था कि गुजरात सरकार के पास सजा में छूट देने और इस बारे में कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह अपराधी पुनः जेल जा सके थे और इन हत्यारे बलात्कारियों के हमदर्दों को अपनी मुंह की खानी पड़ी थी।

इसी तरह जनवरी 2018 के कठुआ,जम्मू के 8 वर्ष की मासूम असिफा बानो के सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के समय भी बलात्कार समर्थक इन बेशर्मों चेहरा बेनकाब हुआ था। इस घृणित अपराध का साजिशकर्ता एक रिटायर्ड राजस्व अधिकारी था जोकि उस समय एक स्थानीय मंदिर का पुजारी भी था जहाँ कई दिनों तक उस बच्ची के साथ बलात्कार किया जाता रहा। इस घटना को भी धार्मिक रंग देते हुये स्वयं को हिन्दू हितैषी कहने वाले लोग बलात्कारियों के पक्ष में केवल खड़े ही नहीं हुये बल्कि उनके समर्थन में जुलूस निकाले, प्रदर्शन किये और हाथों में तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। मणिपुर में महिलाओं के साथ क्या कुछ नहीं हुआ। पूरा विश्व उस घिनौनी खबर से हिल गया था जबकि सैकड़ों की भीड़ ने वर्ग विशेष की लड़कियों से नग्न परेड कराई और उनके साथ सामूहिक बलात्कार किये गये। ऐसे अनेक घटनायें मणिपुर में घटीं। उत्तरांचल,मणिपुर राजस्थान,मध्य प्रदेश कहाँ नहीं हो रहा है बलात्कार ? परन्तु क्या मीडिया तो क्या सरकारी तंत्र व विशेष विचारधारा के लोग इन सबको केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में ही ऐसे अपराध नजर आते हैं ? यदि बलात्कारियों व हत्यारों को दलगत अथवा धर्म व जाति के चश्मे से देखा जाने लगा यानी नारी शोषण में भी पक्षपात किया जाने लगा फिर हमारे देश के लिये इससे निंदनीय व शर्मनाक और क्या हो सकता है ?

प्रदूषण : साफ-सुथरी न हो सकी यमुना

अखिलेश आर्येन्दु

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक यमुना के पानी में रसायनों की मिलावट की वजह से नदी का पानी नहाने लायक भी नहीं रहा। यह तब है जब दिल्ली सरकार के जरिए यमुना नदी के दिल्ली के हिस्से की सफाई के लिए 2017-21 के मध्य 6,856.91 करोड़ की राशि खर्च की गई।

पिछले तीन सालों में यमुना की सफाई के लिए अलग से 1028 करोड़ रुपये और मंजूर हुए लेकिन यमुना के प्रदूषण में न कमी आई और न इसके पानी की गुणवत्ता में वृद्धि ही हुई। मई, 2024 में दिल्ली सरकार ने वादा किया कि 2025 तक यमुना को पूरी तरह साफ-सुथरा बना दिया जाएगा। हालांकि पर्यावरण विशेषज्ञ मानते हैं कि जिस तरह से यमुना को साफ करने पर काम चल रहा है, उससे नहीं लगता कि फरवरी, 2025 तक दिल्ली क्षेत्र की यमुना की गंदगी को पूरी तरह साफ किया जा सकेगा। कारण है दिल्ली के तमाम सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) काम नहीं कर रहे। ऐसे में फरवरी, 2025 तक यमुना का पानी नहाने लायक बनाने का वादा पूरा हो पाएगा। गौरतलब है नहाने लायह पानी में जरूरी है बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीडीओ) तीन मिग्रा. प्रति लीटर से ज्यादा होनी चाहिए। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि राजधानी में 35 चालू एसटीपी में से केवल 10 ही अपशिष्ट जल के लिए निर्धारित मानकों (बीडीओ और कुल निर्लबित ठोस 10 मिग्रा. प्रति लीटर) को पूरा करते हैं, जिनकी क्षमता रोजाना की 150 मिलियन गैलन अपशिष्ट जल उपचारित करने भर की है। दिल्ली की यमुना का इतिहास गौर करने और प्रेरणा लेने के काबिल है। यमुना का इतिहास बताता है कि आजादी के पहले दिल्ली में यमुना का पानी हर तरह से उपयोगी और हर तरह से इस्तेमाल करने के काबिल था। इसके संरक्षण को लेकर सदियों से समाज में संवेदना रही है। सदियों से यमुना मां की तरह लोगों के लिए सम्मान की पात्र थी। यही वजह है यमुना के जल में गंदगी नहीं डाली जाती थी। इसका बहाव गंगा की तरह हमेशा तेज रहा। एक सर्वेक्षण के अनुसार यमुना का वार्षिक जल बहाव 130 मिलियन क्यूबिक मीटर से 100 बिलियन क्यूबिक मीटर तक है। जहां तक यमुना में वर्षा का बहाव का सवाल है तो वह 130 से 1600 मिमी. तक है। लेकिन दिल्ली में इस वर्षा और उसके बहाव का कोई मायने नहीं रह गया है, क्योंकि हमने इससे अपना पुराना रिश्ता बिगाड़ लिया है। दिल्ली में यमुना में एक-दो तरह के जहरीले रसायन नहीं, बल्कि पोटेशियम, नाइट्रोजन, फास्फोरस, बायोमाइड्स जैसे कृषि रसायनों के कारण पिछले 35 वर्षों में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। अरावली से छोटी-छोटी अठारह नदियां पूरी दिल्ली को काटते हुए यमुना में आकर मिलती थीं। इसलिए दिल्ली का इतिहास कई बार बदला। कहने का मतलब जो नदी इतिहास बदलने की कूवत रखती थी, आज इतिहास खुद बनती जा रही है। यमुना दिल्ली की जीवन रेखा मानी जाती थी जिसका पानी राजस्थान के करौली, अलवर और जयपुर से आता था, वह उन अनेक छोटी-छोटी नदियों का पानी था जो गांव वाले बड़ी श्रद्धा के साथ यमुना में बहने देते थे। वह श्रद्धा पिछले 40 वर्षों में क्यों और कैसे खत्म हो गई, यह भी एक समझने-विचारने का बड़ा सवाल है। आजादी के बाद पूरे देश में नदियों के प्रति लोगों का लगाव और रिश्ता धीरे-धीरे कम होता गया। विकास का असर ऐसा हुआ कि नदियां प्रदूषित होती चली गइ्र। इसके पानी का इस्तेमाल करने पर जानवर या पक्षी बीमार पड़.जाते हैं। यमुना में कोई जलचर नहीं रह गया है। कुछ दिखता है तो जलकुंभी और गंदे कपड़े, कबाड़, पॉलीथीन, सड़े हुए जानवरों और पक्षियों के शव। दिल्ली यमुना के किनारे अन्न, फल या सब्जी पहले जैसे तो नहीं उगाई जा रही है, लेकिन जो भी उगती हैं, वे बीमारियों को बढ़ाने वाली साबित हो रहा है।

समझा जा सकता है कि दिल्ली की यमुना अन्य स्थानों की यमुना से कितनी अधिक प्रदूषित हो गई है। कानपुर, प्रयागराज, आगरा और अन्य स्थानों पर जहां यमुना में शहर के नाले और औद्योगिक कचरा गिराया जाता है वहां की गुणवत्ता का मानक नीचे आ गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को यमुना में सीधे औद्योगिक कचरा मिलाए जाने पर पाबंदी लगाई हुई है। केंद्रीय जल आयोग, दिल्ली जल बोर्ड, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, घाटी प्रदेशों की सरकारें, पर्यावरण विभाग, भूमि एवं भवन विभाग, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग, नगर विकास विभाग, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नगर विकास एवं जल संसाधन मंत्रालय, केंद्रीय भूजल बोर्ड, ऊपरी यमुना नदी बोर्ड और दिल्ली विकास प्राधिकरण आदि ने यमुना को स्वच्छ करने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन आम जन का सहयोग न मिलने से इसे एक साफ-सुथरी नदी का रूप नहीं दिया जा सका है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अजय की फिल्म दे दे प्यार दे 2 पर आया अपडेट, पंजाब में होगी की शूटिंग

अजय देवगन की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की अधिकांश शूटिंग एक शहर के ग्रामीण इलाकों में की जाएगी। वहीं इस फिल्म में शैतान के बाद अजय और आर माधवन की जोड़ी फिर से देखने के लिए प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी बहुर्चचित फिल्म दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ सरदार 2 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अजय देवगन की आगामी फिल्म दे दे प्यार दे 2 काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब इस शहर के खूबसूरत और देहाती स्थानों पर फिल्माया जाएगा। अजय देवगन, लव रंजन और भूषण कुमार सीक्वल के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। फिल्म वहीं से शुरू होगी जहां दे दे प्यार दे खत्म हुई थी। आइए आपको बताते हैं फिल्म दे दे प्यार दे 2 की ज्यादातर शूटिंग कौन से शहर में होगी।

पंजाब में होगी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलहाल दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग पंजाब के कुछ खूबसूरत और देहाती स्थानों पर की जाएगी। पंजाब में फिल्म की शूटिंग कुल 45-50 दिनों तक शेड्यूल की गई है। इस फिल्म में अजय देवगन, आर. माधवन, रकुल प्रीत सिंह के अलावा बाकी कलाकार और क्रू के सदस्य अगले महीने पंजाब जाएंगे, जबकि इस समय अजय यूके में सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अनिल कपूर का होगा फिल्म में अहम किरदार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दे दे प्यार दे 2 में अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इस फिल्म में अनिल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बता दें साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म दे दे प्यार दे के सीक्वल में पहले से कहीं ज्यादा कॉमेडी देखने को मिलेगी। फिल्म में कई बेहतरीन सीन अजय देवगन और अनिल कपूर पर फिल्माए जाएंगे।

फिर साथ दिखेगी आर माधवन और अजय की जोड़ी

दे दे प्यार दे 2 की पटकथा लव रंजन और तरुण जैन ने लिखी है और इसका निर्देशन अनुशुल शर्मा करेंगे। यह बहुप्रतीक्षित है और 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक होगी। बता दें 2019 में आई पहली फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की थी। इस फिल्म में तब्बू और जिमी शेरगिल ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह का किरदार अजय देवगन के किरदार को अपने परिवार से मिलवाएगा, जिसमें आर माधवन उसके पिता की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म अजय देवगन और आर माधवन को उनकी पिछली फिल्म शैतान के बाद दूसरी फिल्म साथ में होगी।

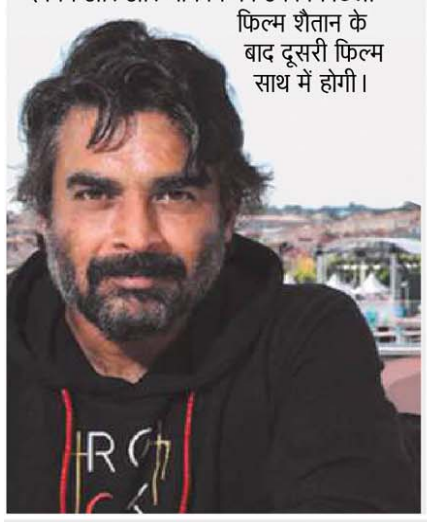

ओटीटी पर ऐसे रोल करना चाहती हूं, जिसमें हद ना पार करनी पड़े

साउथ फिल्मों से करियर का आगाज करने वाली जैस्मीन भसीन ने टीवी पर भी खूब शोहरत बटोरी। कई सीरियल और रियलिटी शोज का हिस्सा रहीं, मगर बीते कुछ समय से उन्होंने पंजाबी फिल्मों का रुख कर लिया है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म अरदास सरबत दे भल्ले दी से। उनसे एक खास बातचीत।

बीते कुछ समय से आप पंजाबी फिल्मों में नजर आ रही हैं, मगर टीवी पर भी आपने बहुत काम किया है, क्या टीवी पर आपकी वापसी होगी?

टेलीविजन ने मुझे वह पहचान दी है। मुझे जो प्यार, जो पहचान और जो फैन फॉलोइंग मिली है, वह सब टीवी की वजह से है। और मैं छोटे पर्दे को कभी नहीं भूल सकती। यह मेरा घर है और जब दिल करेगा, मैं जरूर वापस आऊंगी। लेकिन एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे हर प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका चाहिए। फिर चाहे वह फिल्म हो, वेब सीरीज हो या टेलीविजन।

ओटीटी पर काफी खुलापन है, तो क्या आप ओटीटी पर भी काम करने को उत्सुक हैं?

इसी खुलेपन की वजह से मैं अभी तक मैं ओटीटी पर नहीं आई हूं, क्योंकि मेरे कुछ रिजर्वेशन हैं, कुछ सीमाएं हैं। इसी चक्कर में ऐसी कई चीजें हुईं, जो अमल में नहीं आई, मगर जल्द ही मैं ओटीटी पर ऐसा कुछ जरूर करना चाहूंगी, जो दमदार हो, मगर उसके लिए मुझे अपनी हद पार न करनी पड़े। मैं चाहती हूं कि मैं ऐसी भूमिका करूं, जिसे मेरे मम्मी-पापा भी देखें, तो उन्हें शर्मिंदगी महसूस न हो। मुझे ओटीटी से परहेज नहीं, मगर किरदार को लेकर मैं उनका भी खयाल रखती हूं, जो मुझसे प्रेम करते हैं।

आपने अपने करियर की शुरुआत दक्षिण की फिल्मों से की थी, मगर फिर आप छोटे पर्दे पर आईं और अब तो पंजाबी सिनेमा से जुड़ गई हैं, तो ये शिफ्ट आपके लिए ज्यादा सहूलियतभरा था, क्योंकि यहां की भाषा से आप वाकिफ हैं?

सच कहूं, तो मैंने कभी सोचा तक नहीं था कि मैं कभी ग्लैमर जगत का हिस्सा बनूंगी। मैंने जयपुर से हॉस्पिटैलिटी में ग्रेजुएशन पूरी की और उसके बाद मैं दिल्ली में ताज पैलेस में काम करने लगी। उसी दौरान मुझे मॉडलिंग के प्रस्ताव मिले और फिर उसी के जरिए मुझे साउथ की एक फिल्म मिली। तब मुझे अहसास हुआ कि मुझे अभिनय के क्षेत्र में आना है। जब मुझे लगा कि अभिनय में अपना करियर बनाना है, तो उसके लिए मुझे मुंबई आना पड़ेगा। बस मेरा सफर शुरू हुआ और टीवी में एंट्री हुई। दक्षिण से पंजाबी फिल्मों का रुख करना मेरी कोई सोची -समझी रणनीति नहीं थी। हां, मातृभाषा पंजाबी होने के कारण मेरे लिए आसानी रही। जब आप उसी कल्चर से ताल्लुक रखते हैं, तो माहौल आपके लिए परिचित होता है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अच्छे लोगों का साथ मिला।

बॉलीवुड में हीरोइनें हमेशा पे पैरिटी को लेकर शिकायत करती हैं। पंजाबी इंडस्ट्री की हीरोइन होने के नाते वहां आपका अनुभव कैसा रहा है?

मेरा अनुभव तो यहां अच्छा रहा है। सच कहूं, तो पे पैरिटी के नजरिए से मैंने सोचा भी नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि एक कलाकार होने के नाते मैं उस स्तर पर पहुंची नहीं हूं। मुझे वो वेलिडेशन नहीं मिला है अब तक। मुझे लगता है एक आर्टिस्ट को उसके काम से उसकी इज्जत मिलती है। उसे अपना सफर खुद तय करना होता है, आपको साबित करना पड़ता है। आज पंजाबी हो या हिंदी इंडस्ट्री, महिला प्रधान फिल्में खूब बन रही हैं। इंडस्ट्री में नायिकाओं को भी उनके हिसाब का मेहनताना मिल रहा है।

अली गोनी आपको एक पार्टनर के रूप में कितना कॉम्प्लिमेंट करते हैं? हाल ही में आपकी आंखों की तकलीफ के समय अली ने आपको पूरा साथ दिया?

चूंकि हम दोनों एक ही पेशे से हैं, तो वे मेरे कमिटमेंट समझते हैं। वे पार्टनर के रूप में बहुत ही सहयोगी हैं। वे मेरा बहुत खयाल रखते हैं।

दर्शक ही आपकी किस्मत का फैसला करते हैं

टीवी शो कितनी मोहब्बत है और कुछ तो लोग कहेंगे से लेकर वेब सीरीज तांडव, बंबई मेरी जान और ग्यारह ग्यारह तक, कृतिका कामरा ने हमेशा अपने शानदार अभिनय से दर्शकों और आलोचकों को प्रभावित किया है। इसी बीच अभिनेत्री ने मनोरंजन इंडस्ट्री के चर्चित विषय नेपोटिज्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कृतिका ने हालिया बयान में साझा किया कि वह इस बहस से कितनी सहमत हैं। आइए अभिनेत्री के विचार पर गौर फरमा लेते हैं- कृतिका कामरा ने हाल ही में कहा कि वह हिंदी इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर चल रही बहस से सहमत नहीं हैं और अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, लगन और कला में अपने अटूट विश्वास को देती हैं। नेपोटिज्म की बहस पर अपने विचार साझा करते हुए, कृतिका ने एक बयान में कहा, मैंने हमेशा अपने काम से जवाब देने में विश्वास किया है। मैं किसी भी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची हूं। कृतिका कामरा ने अपनी बात में जोड़ा, मुझे जो भी अवसर मिला है, वह सालों की कड़ी मेहनत और दृढ़ता का परिणाम रहा है। मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना फायदेमंद है, क्योंकि आखिरकार, दर्शक ही आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन शानदार भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति होकर भी काम के अवसर पा सकते हैं। कृतिका कामरा को हाल ही में जी5 की वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया। उन्होंने फैंटेसी क्राइम थ्रिलर शो में पुलिस वामिका रावत की भूमिका निभाई, जो कोरियाई सीरीज सिग्नल का आधिकारिक हिंदी रीमेक था। करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा अपने बैनर धर्माटिक एंटरटेनमेंट और सिख्या एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित ग्यारह ग्यारह में राघव जुयाल और धैर्य करवा भी पुलिस की भूमिका में हैं। सीरीज में तीनों 1991 से 2016 तक अलग-अलग समयसीमा में हत्या के मामलों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। आने वाले दिनों में भी कृतिका कामरा काफी ज्यादा बिजी रहने वाली हैं। अभिनेत्री की पाइपलाइन में कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स हैं। कृतिका कामरा जल्द ही विजय वर्मा के साथ प्राइम वीडियो के शो मटका किंग में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें प्रतीक गांधी के साथ नेटफ्लिक्स की जासूसी थ्रिलर फॉर योर आइज ओनली में भी देखा जाएगा।

शोभिता धुलिपाला से धूमधाम से शादी नहीं करेंगे नागा चैतन्य!

साउथ एक्टर नागा चैतन्य अपनी जिंदगी की दूसरी पारी शुरू करने जा रहे हैं। सामंथा रुथ प्रभु को तलाक देने के बाद अब वो शोभिता धुलिपाला को अपना हमसफर बनाने जा रहे हैं। बीते दिनों उनकी सगाई हुई और अब जोरशोर से शादी की तैयारी चल रही है। अभी वेडिंग डेट और वेन्यु को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अफवाह है कि दोनों मार्च 2025 में डेस्टिनेशन वेडिंग करेंगे। अब नागा ने इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और कुछ खुलासे किए हैं। नागा चैतन्य ने ये भी खुलासा किया कि वो शोभिता से बिग फैट वेडिंग (ग्रैंड वेडिंग) नहीं करना चाहते हैं। उनका मानना है कि शादी उन लोगों के बारे में है, जो उनके लिए बहुत मायने रखते हैं। उन्होंने कहा, शादी उन लोगों के बारे में है जो मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह एक बहुत बड़ी शादी नहीं है, लेकिन लोगों को संस्कृतियों और परंपराओं को ध्यान में रखना चाहिए, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह (शादी) ऐसी ही हो। शोभिता से सगाई से पहले नागा चैतन्य ने सामंथा रुथ प्रभु से शादी की थी।कुछ समय तक डेट करने के बाद 2017 में शादी की। दोनों 2021 में अलग हो गए।

रजनीकांत की फिल्म कुली में प्रीति बन छाएंगी श्रुति हासन

सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म पर आए दिन कोई ना कोई अपडेट सामने आ रहा है। निर्माताओं ने अब एक-एक कर इसकी स्टारकास्ट से पर्दा उठाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में लोकेश कनगराज ने फिल्म की पहली महिला लीड का खुलासा किया है। आगामी गैंगस्टर एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया पेज पर अभिनेत्री श्रुति हासन के किरदार पोस्टर को साझा किया, जिसे देखकर प्रशंसक गदगद हो उठे हैं। निर्माताओं की तरफ से जारी किए गए मोनोक्रोमैटिक पोस्टर में अभिनेत्री को रजनीकांत अभिनीत फिल्म में प्रीति के रूप में पेश किया गया है। नए किरदार पोस्टर में श्रुति हासन को एक कुदाल पकड़े हुए दिखाया गया है। पोस्टर में अभिनेत्री का इंटेस लुक देखते ही बन रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी लाल बिंदी भी हाईलाइट की गई है।

नए रोमांचक अपडेट को साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, कुली की दुनिया से श्रुति हासन को प्रीति के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे पहले, निर्माताओं ने मलयालम अभिनेता सौबिन शाहिर और तेलुगु स्टार नागार्जुन के पोस्टर से पर्दा उठाया था। हालांकि, निर्माताओं ने श्रुति हासन के किरदार के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन यह व्यापक रूप से अनुमान लगाया गया है कि वह फिल्म में रजनीकांत की बेटी की भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस पर अभी भी आधिकारिक अपडेट का इंतजार है।

पत्नी पत्रलेखा के साथ फिर काम करना चाहते हैं राजकुमार राव

एक्टर राजकुमार अपनी पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई है। एक्टर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। राजकुमार ने एक सवाल का जवाब देते हुए आईएएनएस को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा। मैं उनके साथ काम करना चाहता हूं। मुझे लगता है वह बहुत प्रतिभाशाली हैं उनमें टैलेंट भरा हुआ है। एक्टर ने अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए कहा, जब बात उनके काम की आती है तो वह बहुत जुनूनी हो जाती हैं। वह बहुत भावुक एक्ट्रेस हैं। वह जो करती है, उसे पसंद भी करती हैं। अब उनकी एक सीरीज (आई 814- द कंधार हाईजैक) आने वाली है। इसलिए, अभी वह उसके प्रमोशन में बिजी हैं। लेकिन, मैं बहुत जल्द ही उनके साथ काम करना पसंद करूंगा।

राजकुमार और पत्रलेखा साल 2010 से एक साथ हैं। वह 2014 में आई फिल्म सिटीलाइट्स में नजर आए थे, जो ब्रिटिश फिल्म मेट्रो मनीला की रीमेक थी। इस फिल्म में राजस्थान के एक किसान की कहानी बताई गई है, जो रोजगार की तलाश में मुंबई आता है। राजकुमार की हाल ही में आई फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की लिस्ट में छठे स्थान पर आ गई है। इस फिल्म को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में राजकुमार के अलावा श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं। राजकुमार ने फिल्म की सफलता पर बात करते हुए कहा, उन्हें अच्छा लगता है कि उनकी फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही है। लेकिन, मेरे लिए केवल यही बात मायने नहीं रखती। मुझे लगता है कि मेरे लिए जो मायने रखता है, वह है एक अच्छी फिल्म का हिस्सा बनना। जरूरी नहीं कि हर अच्छी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करें। उन्होंने कहा कि उनके लिए अच्छी कहानियों का हिस्सा बनना और अच्छे प्रोड्यूसर के साथ काम करना बहुत अहमियत रखता है। बोले, आप जानते हैं कि एक कलाकार के रूप में पहचान बनाना और फिर बॉक्स ऑफिस पर अच्छा करना एक अलग भाव पैदा करता है, एक कलाकार के तौर पर निश्चित रूप से सम्मानित महसूस करता हूं।

श्रीलंका पर जीत के साथ इंग्लैंड को डब्ल्यूटीसी अकों में फायदा, लेकिन अभी भी अपने स्थान पर बरकरार

लंदन (एजेंसी)। जो रूट के दोहरे शतक और गस एटकिंसन के ऑल-राउंड प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में श्रीलंका पर 190 रनों की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उनके खाते में 81 डब्ल्यूटीसी अंक हो गए हैं और उनका डब्ल्यूटीसी अंक प्रतिशत 45 हो गया है। वे भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर बने हुए हैं। दूसरी ओर श्रीलंका की हार ने उनके अंक प्रतिशत को 40 से गिराकर 33.33त्न तक ला दिया है और एशियाई टीम अब दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बाद सातवें स्थान पर है।

एटकिंसन के शानदार प्रदर्शन ने चौथे दिन ही इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। उन्होंने बल्ले से 118 और 14 रन बनाए, और गेंद से 2/40 और 5/62 रन बनाए। इससे वे फरवरी 2024 में रवींद्र जडेजा के बाद एक ही टेस्ट में पांच विकेट लेने और शतक बनाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए। एटकिंसन टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले इंग्लैंड के तीसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। इयान बॉथम (जिन्होंने इसे पांच मौकों पर किया था) और टोनी ग्रेग (एक बार) अन्य दो हैं।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एटकिंसन 1984 के बाद से ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह मौजूदा सत्र में घर पर इंग्लैंड की लगातार पांचवीं जीत थी, 2004 के बाद से एक ही सीजन में पहली बार जब माइकल वॉन की टीम न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज पर क्रमशः 3-0 और 4-0 से श्रृंखला जीत के साथ अपराजित रही थी। यह भी पहली बार था जब श्रीलंका ने 1991 के बाद से लॉर्ड्स में टेस्ट गंवाया था, जिससे इस स्थल पर लगातार पांच ड्रॉ मैचों का सिलसिला समाप्त हो गया। 31 अगस्त को जो रूट ने दूसरी पारी में अपना 34वां टेस्ट शतक जड़ा था।

15 साल पहले ट्रेन दुर्घटना में गंवा दिया था पैर, अब नितेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक खेलों में जीता गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के कुमार नितेश ने सोमवार को यहां पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर पैरालिंपिक में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने डिफेंस में दम दिखाया और शॉट चयन में भी सटीकता के साथ एक घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में टोक्यो के रजत पदक विजेता बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया।

एसएल3 श्रेणी के खिलाड़ी अधिक गंभीर निचले अंग विकलांगता के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिसके लिए उन्हें आधी चौड़ाई वाले कोर्ट पर खेलना पड़ता है। जब वह 15 वर्ष के थे तब नितेश ने 2009 में विशाखापत्तनम में एक ट्रेन दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था, लेकिन वह इस आघात से उबरकर पैरा बैडमिंटन प्लेयर बने।

नितेश की जीत से सोमवार को भारत ने एसएल3 स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। तीन साल पहले जब पैरा बैडमिंटन ने टोक्यो में पदार्पण किया था, तब प्रमोद भगत ने यह खिताब जीता था।

प्रीति पाल ने रचा इतिहास, पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली महिला पैरा एथलीट बनी

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय धाविका प्रीति पाल ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 200 मीटर टी20 दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता है। रविवार रात हुये मुकाबले में प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर टी35 दौड़ में अपने सर्वश्रेष्ठ 30.01 सेकंड के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली ट्रैक और फील्ड भारतीय महिला पैरा एथलीट बन गई हैं। प्रीति पाल एक से ज्यादा पैरालंपिक मेडल जीतने वाली सिर्फ सातवीं भारतीय बनी हैं। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने पैरालंपिक ट्रैक स्पर्धा में भारत का पहला एथलेटिक्स पदक जीता था। उन्होंने महिलाओं की टी35 100 मीटर प्रतियोगिता में 14.21 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता था।

गौतम गंभीर की परफेक्ट प्लेइंग 11 से रोहित और बुमराह बाहर, धोनी-कोहली सहित इन प्लेयर्स को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने ऑल टाइम भारतीय इलेवन का चयन किया है जिसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग सहित भारतीय क्रिकेट के कुछ महान खिलाड़ी शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि गंभीर ने अपनी इलेवन में विराट कोहली और एमएस धोनी को भी शामिल किया है, ये दो खिलाड़ी हैं जिनके बारे में उन्हें अक्सर चिंता रहती है, लेकिन रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह को टीम से बाहर रखा है। एक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए वीडियो में गंभीर ने खुद को और वीरेंद्र सहवाग को ऑल-टाइम इंडिया इलेवन में सलामी बल्लेबाज के रूप में सूचीबद्ध किया। इस बीच राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर को क्रमशः नंबर 3 और 4 पर जगह मिली। विराट कोहली को नंबर 5 पर टीम में शामिल किया गया है जबकि युवराज सिंह, जो ऑलराउंडर की भूमिका निभाते हैं, को नंबर 6 पर जगह मिली है। इसके अलावा एमएस धोनी नंबर 7 पर विकेटकीपर की भूमिका दी गई है। अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन क्रमशः नंबर 8 और 9 पर टीम में दो स्पिनर हैं। दिलचस्प बात यह है कि जसप्रीत बुमराह को गंभीर की ऑल-टाइम इलेवन में शामिल नहीं किया गया है जबकि इरफान पठान और जहीर खान दो तेज गेंदबाज हैं। बल्लेबाजी में योगदान देने की पठान की क्षमता ने बुमराह और अन्य तेज गेंदबाजों से आगे उनके चयन में भूमिका निभाई है जो गंभीर द्वारा अब तक भारतीय टीम को प्रबंधित करने के तरीके के अनुरूप है।

गंभीर की ऑल-टाइम इंडिया इलेवन

वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, युवराज सिंह, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), अनिल कुंबले, रविचंद्रन अश्विन, इरफान पठान, जहीर खान

धोनी पर भड़के युवराज के पिता योगराज, धोनी ने मेरे बेटे का करियर छोटा किया

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने भारतीय टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर एकबार फिर एक विवादास्पद बयान दिया है। योगराज ने कहा है कि धोनी के कारण ही युवराज का क्रिकेट करियर 4-5 साल छोटा हो गया था। योगराज ने कहा कि क्रिकेट के लिए अपनी उपलब्धियों को देखते हुए उनके बेटे युवराज सिंह को 'भारत रत्न' दिया जाना चाहिये। योगराज ने कहा कि उनका बेटा युवराज भारतीय क्रिकेट में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 'भारत रत्न' का अधिकारी है। उन्होंने कहा कि उसे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। योगराज ने कहा कि युवराज ने जिस तरह से कैंसर से जंग लड़कर टीम में वापसी की। उसे देखते हुए उसको यह यह सम्मान दिया जाना चाहिये। योगराज ने इस दौरान धोनी पर अपनी भड़ास निकाली। योगराज ने कहा कि युवराज उस समय राष्ट्रीय टीम में और अधिक योगदान दे सकते थे क्योंकि वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर था। योगराज ने इससे पहले भी धोनी की आलोचना करते हुए कहा था कि जब वह धोनी की कप्तानी में खेलता था तो उसकी राह में बाधाएं डाल दी जाती थीं। योगराज ने कहा, ' मैं धोनी को माफ नहीं करूंगा। उसे स्वयं शीशे में देखना चाहिए। वह बतौर क्रिकेटर शानदार था, जिसे मैं सैल्यूट करता हूं पर जो कुछ उसने मेरे बेटे साथ किया उसके लिए उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता।' योगराज ने कहा, ' उस शख्स ने मेरे बेटे की लाइफ बर्बाद की, जो चार-पांच साल और खेल सकता था। मैं चैलेंज करता हूं कि युवराज जैसा बेटा कोई पैदा करके दिखाए। यहां तक की गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग भी कह चुके हैं कि उन्होंने कभी युवराज जैसा खिलाड़ी नहीं देखा था। उसने कैंसर से लड़ते हुए देश के लिए विश्व कप जीता, इसलिए उसे भारत रत्न मिलना चाहिये।'

वॉन ने रुट को इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज बताया

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने बल्लेबाज जो रूट की जमकर प्रशंसा की है। वॉन ने कहा कि देश की और से सबसे अधिक 34 टेस्ट शतक लगाना आसान नहीं है। उन्होंने रुट का इंग्लैंड का एक महान बल्लेबाज करार दिया है। रूट ने लॉर्ड्स में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाकर सबसे अधिक 33वां टेस्ट के दिग्गज एलिस्टर कुक के रिकार्ड को तोड़ दिया है। वॉन ने कहा, यह सब अचानक नहीं नहीं हुआ है। यह विशुद्ध तकनीक और क्षमता से जुड़ा हुआ मामला है। जो रूट महान हैं क्योंकि वह एक आदर्श खिलाड़ी हैं। वह एक अच्छे इंसान और बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वॉन ने आसानी से रन बनाने के रूट के कौशल की सराहना करते हुए कहा, उसके खेलते समय विरोधी टीम को हमेशा ऑफ साइड पर स्क्वायर के पीछे चार फील्डर रखने पड़ते हैं क्योंकि वह इस क्षेत्र में बहुत अच्छे हैं।

पाक में सुरक्षा के पूरे इंतजाम होने पर ही भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भेजें : हरभजन

मुम्बई। भारतीय टीम के दिगगज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के भातरीय टीम को तभी पाकिस्तान भेजा जाना चाहिये जब सरकार को लगे कि सुरक्षा सही है। इसमें किसी भी प्रकार की कमी होने पर टीम को भेजना सही नहीं होगा। हरभजन ने कहा कि एक क्रिकेटर के तौर पर में खेलने के पक्ष में हूं पर सुरक्षा सबसे अहम है। इसके साथ ही ये मामला क्रिकेट ही नहीं उससे आगे का है। वहीं इससे पहले पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने कहा था कि पाक में सुरक्षा के हालात बेहद खराब हैं और ऐसे में किसी भी हालात में भारतीय टीम को वहां नहीं जाना चाहिये। हरभजन ने कहा कि पाकिस्तान अगर पूरी तरह से सुरक्षा करता है तभी टीम को भेजने पर विचार किया जा सकता है। वहीं हरभजन ने कहा, पाक में सुरक्षा को लेकर चिंता हमेशा ही रही है। अगर खिलाड़ियों की सुरक्षा वहां पर नहीं होगी तो मुझे नहीं लगता है कि भारतीय टीम को जाना चाहिए। अगर वो कहते हैं कि टीम को पूरी तरह से सुरक्षा दी जाएगी और किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी। तो फिर इस बार में सरकार को विचार कर अपनी ओर से फैसला करना चाहिये क्योंकि यह सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है ये उससे आगे बढ़कर कहीं ज्यादा है। उन्होंने साथ ही कहा, जहां तक एक क्रिकेटर के तौर पर मैं यही कहना चाहूंगा, आपको क्रिकेट खेलना है वो खेलिए लेकिन वहीं पर सुरक्षा एक मुद्दा तो है। हमारे खिलाड़ियों को तब तक वहां नहीं जाना चाहिए तब तक हमें यह ना लगे ही हां सुरक्षा बिल्कुल पक्की है।

गत चैंपियन कोको गॉफ अमेरिकी ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गत चैंपियन कोको गॉफ का अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान चौथे दौर में ही थम गया। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 19 डबल फॉल्ट किए जिसका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह एम्मा नवारो से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गईं।

गॉफ का पिछली कुछ प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह पेरिस ओलंपिक के तीसरे दौर में हार गई थी जबकि अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले गए टूर्नामेंट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि इसे सकारात्मक रूप में लिया। गॉफ ने कहा, 'भले ही कुछ परिणाम अनुकूल नहीं रहे लेकिन मैंने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। कितने ही खिलाड़ी हैं जो चौथे दौर में पहुंचाना चाहते हैं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ध्वजवाहक बनना चाहते हैं। यह इस परिप्रेक्ष्य में है।'

यह परिणाम शुक्रवार को मौजूदा पुरुष चैंपियन नोवाक जोकोविच की तीसरे दौर में हार के बाद आया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में असफल रहने का पिछले कुछ वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी रहेगा। महिला एकल में ऐसा करने वाली आखिरी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थी जिन्होंने 2012 से 2014 तक खिताब जीते थे। पुरुष वर्ग में ऐसा कारनामा रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक किया था।

जोकोविच को हराने वाले 28 वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन का सफर भी लंबा नहीं चल पाया और वह फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 7-6 (3), 2-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। टियाफो का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने एंड्री रुबलेव को 6-3, 7-6 (3), 1-6, 3-6, 6-3 से हराया। टेलर फिट्ज भी आगे बढ़ने में सफल रहे। उन्होंने तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से हराया।

फिट्ज के क्वार्टरफाइनल में प्रतिद्वंद्वी अलेक्जेंडर ज्वेरेव होंगे, जिन्होंने ब्रैंडन नकाशिमा को 3-6, 6-1, 6-2, 6-2 से पराजित किया। महिला वर्ग में नवारो का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने वांग याफान के खिलाफ 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-2, 6-4 से हराया।

सुमित नागल स्वीडन के खिलाफ डेविस कप मुकाबले से हटे

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल पीठ की चोट के कारण स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले से सोमवार को हट गए। नागल हाल ही में अमेरिकी ओपन में अपने पहले दौर के एकल मुकाबले में टालोन ग्रिक्सपुर से हार गए थे। भारत और स्वीडन के बीच स्टॉकहोम में इनडोर हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता 14-15 सितंबर को खेली जाएगी। नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मैं स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए वास्तव में उत्सुक था।' उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि पीठ में दर्द की समस्या पिछले कुछ सप्ताह से परेशान कर रही है। डॉक्टरों ने मुझे अगले दो सप्ताह तक आराम करने की सलाह दी है, जिससे मेरे पास तैयारी करने और स्वीडन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इसी समस्या के कारण अमेरिकी ओपन में युगल मुकाबलों से अपना नाम वापस ले लिया था। मैं डेविस कप मुकाबले से चूकने को लेकर बहुत निराश हूं, लेकिन पीठ की स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए मुझे अपने शरीर के मुताबिक काम करना होगा ताकि मैं सीजन को मजबूत और स्वस्थ तरीके से समाप्त कर सकूं। भारतीय टीम को शुभकामनाएं। मैं घर से आप सभी की हौसला अफजाई करुंगा।' नागल जुलाई में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 68 पर पहुंच गए थे लेकिन नवीनतम रैंकिंग में गिरकर 82 पर आ गए हैं। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी का डेविस कप मुकाबले का हिस्सा नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका है। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन आशुतोष सिंह को राष्ट्रीय टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

धोनी ने विराट को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हे विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बताया है। धोनी की कप्तानी में विराट ने लंबे समय तक खेला था और उनके संन्यास के बाद कप्तानी भी बने थे। विराट 35 साल की उम्र में भी अपने जबरदस्त प्रदर्शन और फिटनेस के कारण विश्व स्तर पर छाये हुए हैं।

हाल ही में एक कार्यक्रम में धोनी ने विराट की जमकर प्रशंस की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें धोनी ने हंसते हुए कहा, हम 2008 या 09 से खेल रहे हैं जबकि दोनो की उम्र में अंतर है। इसलिए मुझे नहीं पता कि मैं खुद को बड़ा भाई या सहकर्मी या जो भी नाम दूं, कहूं।

उन्होंने कहा, पर आखिरकार, हम सहकर्मी रहे हैं, आप जानते हैं जिन्होंने बहुत लंबे समय तक भारत के लिए खेला है। जब विश्व क्रिकेट की बात आती है तो वह सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आकल दूर हैं, की टी20 विश्व कप जीत के बाद कोहली श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल हुए थे। वह वर्तमान में लंदन में हैं, परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और उनके बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट में खेलते हुए दिखने की संभावना है। वहीं गत वर्ष सीएसके की कप्तानी छोड़ने वाले धोनी के भी आईपीएल 2025 के सत्र में खेलने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं।

साइना नेहवाल इस गंभीर बीमारी से पीड़ित, संन्यास लेने पर कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दिग्गज शटलर और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने खुलासा किया है कि वह गठिया की समस्या से जूझ रही हैं और इस साल के अंत तक उन्हें बैडमिंटन में अपने भविष्य के बारे में फैसला करना होगा, क्योंकि इस बीमारी के कारण उनके लिए सामान्य घंटों तक प्रशिक्षण लेना असंभव हो गया है। 34 वर्षीय पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी, जो लंदन 2012 में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय शटलर थीं, ने चोटों से परेशान होने से पहले खेलों के तीन संस्करणों में भाग लिया था।

2010 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकतीं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। नेहवाल ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भारत के शेफ-डी-मिशन रहे निशानेबाज़ गगन नारंग द्वारा होस्ट किए गए 'हाउस ऑफ ग्लोरी' पॉडकास्ट पर कहा, 'घुटना बहुत अच्छा नहीं है। मुझे गठिया है। मेरी कार्टिलेज बहुत खराब स्थिति में है। 8-9 घंटे तक जोर लगाना बहुत मुश्किल है। आप ऐसी स्थिति में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कैसे चुनौती देंगे? मुझे लगता है कि मुझे कहीं न कहीं इसे स्वीकार करना ही होगा। क्योंकि दो घंटे की ट्रेनिंग उच्चतम स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है।'

नेहवाल ने कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रही हैं कि रिटायरमेंट का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अंततः निर्णय लेना ही होगा। अग्रणी स्टार, जो अब भाजपा की सदस्य भी हैं, को आखिरी बार एक साल से अधिक समय पहले सिंगापुर ओपन में एक्शन में देखा गया था, जहां वह शुरुआती दौर में हार गई थीं। उन्होंने कहा, 'मैं इसके (संन्यास) बारे में भी सोच रही हूं। यह दुखद होगा क्योंकि यह एक सामान्य व्यक्ति द्वारा की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने 9 साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 साल की हो जाऊंगी।'

नेहवाल ने कहा, 'मेरा करियर भी लंबा रहा है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैंने अपने शरीर को काफी हद तक तोड़ दिया है। मैंने जो किया है और जो कुछ भी दिया है, उससे मैं खुश हूं। (मैं) इस साल के अंत तक आकलन करूंगी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।' पद्म श्री पुरस्कार विजेता ने कहा कि ओलंपिक में भाग लेना उनका बचपन का सपना था और लगातार दो संस्करणों में पदक से चूकना दुखद है। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में भाग लेना सभी के लिए बचपन का सपना होता है। आप उस स्तर तक पहुंचने के लिए सालों तक तैयारी करते हैं। इसलिए, कई बार जब आपको लगता है कि आप इसे हासिल नहीं कर पाएंगे तो यह बहुत दुख देता है। क्योंकि ऐसा नहीं है कि आप खेलना नहीं चाहते हैं, लेकिन आपका शरीर बता रहा है कि आप अच्छा नहीं कर रहे हैं और आपको चोटें लगी हैं।'

योगेश कथुनिया ने डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में लगातार दूसरी बार जीता सिल्वर मेडल

पेरिस। भारत के योगेश कथुनिया ने सोमवार को यहां चल रहे खेलों में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ-56 स्पर्धा में सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपना लगातार दूसरा पैरालंपिक रजत पदक जीता। 29 वर्षीय ने अपने पहले ही प्रयास में 42.22 मीटर तक डिस्कस फेंका, जो उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो पैरालिंपिक में जीते रजत में शामिल है। ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता डॉस सैंटोस ने अपने पांचवें प्रयास में 46.86 मीटर के प्रयास के साथ नया खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए पैरालंपिक स्वर्ण पदकों की हैट्रिक दर्ज की। ग्रीस के कॉन्स्टेंटिनोस त्ज़ोनिस ने 41.32 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। एफ-56 दिव्यांग एथलीटों के लिए एक सीटिंग फील्ड इवेंट वर्ग है। इस वर्गीकरण में अंग विच्छेदन और रीढ़ की हड्डी की चोट वाले लोग भाग लेते हैं।

संक्षिप्त समाचार

किराएदारों की शिकायतों पर ब्रिटेन के सिख सांसद ने जताया खेद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी से नवनिर्वाचित ब्रिटिश सिख सांसद जस अठवाल ने एक मकान मालिक के रूप में अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और खेद जताया है। उनके स्वामित्व वाली संपत्तियों में उनके किरायेदारों की खराब रहने की स्थिति के बारे में अज्ञात शिकायतें की गई हैं। अठवाल ने कहा, फफूंदी और चींटियों के संक्रमण की रिपोर्ट के बाद निवासियों की समस्याओं के बारे में सुनकर उन्हें हैरानी और गहरा खेद हुआ। अपने 15 किराए के फ्लैटों के बारे में उन्होंने वादा किया कि उनकी मरम्मत और रखरखाव की कार्रवाई तत्काल की जाएगी।

ब्रिक्स देशों ने जलवायु और सतत विकास सहयोग ढांचा अपनाया

मास्को, एजेंसी। रूसी आर्थिक विकास मंत्रालय ने कहा है कि ब्रिक्स देशों ने जलवायु व सतत विकास पर एक रूपरेखा दस्तावेज अपनाया है। दस्तावेज में इस दिशा में साझा कार्यों के उचित परिवर्तन, शमन, अनुकूलन, कार्बन बाजार जैसे मुख्य पहलू शामिल हैं। यह दस्तावेज मॉस्को में मॉडर्न कंडीशंस फोरम में दो दिनी ब्रिक्स जलवायु एजेंडा कार्यक्रम के बाद अपनाया गया। ब्रिक्स के सदस्य देश ब्राजील, रूस, भारत और चीन हैं। रूसी आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव ने कहा, सभी ब्रिक्स देश विकसित देशों द्वारा एकतरफा हरित संरक्षणवादी उपायों का इस्तेमाल रोकने की जरूरतों को समझते हैं, क्योंकि ये उपाय विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था व आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। ब्रिक्स संपर्क समूह के भीतर विकसित दूसरा दस्तावेज, ब्रिक्स कार्बन बाजार साझेदारी पर एक समझौता ज्ञापन है।

लंदन में ब्रिटिश साम्राज्य का इतिहास बताने के लिए नाटक का आयोजन

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के नाटककार डॉ. अनु कुमार लाजर ने ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश साम्राज्य की कहानी बताने के लिए पूर्व राजनयिक के साथ हाथ मिलाकर लंदन शहर को अपने मंच के रूप में चुना है। उन्होंने लिसा होनान के साथ 'ए लंदन लार्क राइजिंग' नामक एक नाटकीय वॉकिंग टूर जीवंत किया, जो ब्रिटेन में सैकड़ों वर्षों का इतिहास दर्शाते हुए कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक चरित्रों को प्रदर्शित कर रहा है। पैदल नाटक सैकड़ों वर्षों के इतिहास को समेटे हुए है, जो दर्शकों को लंदन की प्राचीन विरासत के बारे में बताता है।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस की दस्तक, इस साल दूसरा मामला आया सामने, 4 गायें संक्रमित

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का एक और मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि एलएसडी के दूसरे मामले की पुष्टि शनिवार को ग्योंगगी के इचोन में एक मवेशी फार्म में हुई है। योनहाप समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मवेशी फार्म के मालिक ने रिपोर्ट सौंपी थी। अधिकारियों ने उनकी जांच की तो चार डेयरी गायों के लंपी बीमारी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। दक्षिण कोरिया में इस साल एलएसडी के पहले मामले की पुष्टि 12 अगस्त को हुई थी। सोल से लगभग 65 किमी दक्षिण में अनसेओंग में एक मवेशी फार्म में संक्रमण पाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए, प्रभावित फार्म को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही संक्रमित मवेशियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित गायों को खत्म कर दिया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है। इससे त्वचा पर घाव, बुखार और भूख न लगने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुग्ध उत्पादन पर असर पड़ता है और आगे चलकर मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। यह मच्छरों और अन्य खून पीने वाले कीड़ों के जरिए मवेशियों में फैलता है।

अमेरिका के मिसीसिपी में बस हादसा; 7 लोगों की मौत, 37 अन्य घायल

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी में शनिवार सुबह अंतरराज्यीय मार्ग- 20 पर एक बस के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य घायल हुए हैं। 'मिसीसिपी हाईवे पेट्रोल ने यह जानकारी दी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हुई। बस वॉरेन काउंटी में बोविना के पास राजमार्ग से फिसलकर पलट गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर जारी पोस्ट में बताया कि दुर्घटना टायर फटने की वजह से हुई। वॉरेन काउंटी के कोरोनर डग हस्की ने बताया कि मृतकों में छह वर्षीय एक लड़का और उसकी 16 वर्षीय बहन शामिल हैं। दोनों की पहचान उनकी मां ने की। उन्होंने बताया कि अधिकारी अन्य मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, 37 यात्रियों को विक्सबर्ग और जैक्सन के अस्पतालों में ले जाया गया।

तलाकशुदा राजकुमारी ने 3 साल छोटे तांत्रिक से रचाई शादी, कोरोना भगाने को बेच चुका ताबीज

ओस्लो , एजेंसी। नॉर्वे की तलाकशुदा राजकुमारी मार्था लुईस ने अमेरिकी स्वघोषित जादूगर ड्यूरेक वेरेट से शादी कर ली है। दोनों ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में शादी रचाई। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और 2022 में उन्होंने सगाई की थी। मार्था की पहले पति से तीन बेटियां हैं। उनका तलाक 2017 में हो गया था। मार्था ने जिस तांत्रिक से शादी की है, नॉर्वे में उन्हें मीडिया महाठग कहती है। कोरोना काल में लोगों को बचने के लिए ताबीज बांट चुके वेरेट को चोरी के मामलों में कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। वह एक बार बस पर बिना टिकट सफर करते हुए भी पकड़े गए थे।

52 वर्षीय तलाकशुदा मार्था लुईस और कैलिफोर्निया के 49 वर्षीय वेरेट ने शनिवार को नॉर्वे के एक छोटे से गांव में शादी की। शादी में कुछ ही लोग शामिल हुए। शादी नॉर्वे के पश्चिमी तट पर फिओर्ड के किनारे बसे गांव गीरांगर की पहाड़ियों में एक होटल में हुई। नॉर्वेजियन प्रेस द्वारा ली गई तस्वीरों के अनुसार, मार्था लुईस ने एक पारंपरिक सफेद शादी की पोशाक और एक मुकुट पहना था, जो उसे उसके दादा राजा ओलाव ने उसके 18वें जन्मदिन पर दिया था। वहीं, ड्यूरेक ने काले रंग का सूट और सुनहरे रंग का कमरबंद पहना था।

फरिश्तों से बात करने का स्कूल चलाती हैं लुईस : लुईस दावा कर चुकी हैं कि वह एक दिव्यदर्शी हैं, जो फरिश्तों से बात कर सकती हैं। उनका कहना है कि यह एक ऐसा उपहार है जिसे उन्होंने पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद प्राप्त किया। इसके लिए उन्होंने 2007 में एक स्कूल भी खोला। इसमें वो दावा करती हैं कि स्कूल में जादू करना और देवताओं से बात करना सिखाया जाता है। वहीं, कैलिफोर्निया निवासी 49 वर्षीय वेरेट स्वयं को छठी पीढ़ी का जादूगर कहते हैं। वेरेट ने कोरोना काल में लोगों को जान बचाने के लिए ताबीज भी बांटे थे।

वेरेट का दावा- लुईस पिछले जन्म में भी मेरी पत्नी : जून 2022 में इस जोड़े द्वारा अपनी सगाई की घोषणा की थी, तब मार्था लुईस ने इंस्टाग्राम पर कहा था, मैं बहुत आध्यात्मिक हूं और ऐसे ही व्यक्ति के साथ रहना अच्छा है जो इसे अपनाता है। वेरेट के अनुयायियों में हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां ग्वेनेथ पाल्ट्रो और एंटोनियो बैंडेरस शामिल हैं। वेरेट का दावा है कि वे पिछले जन्म में भी मार्था लुईस के पति थे।

मार्था लुईस की पहली शादी : मार्था लुईस की पहली शादी नॉर्वेजियन लेखक एरी बेहन से हुई थी, जिससे उनकी तीन बेटियां हैं। एरी बेहन ने 2016 में तलाक के तीन साल बाद आत्महत्या कर ली थी। वह नॉर्वे के सिंहासन की उत्तराधिकारिणी में चौथे स्थान पर हैं। उनके छोटे भाई क्राउन प्रिंस हाकोन एक दिन राजा हेराल्ड का उत्तराधिकारी बनेंगे। मार्था लुईस ने नवंबर 2022 में अपने शाही कर्तव्यों को त्याग दिया था। हालांकि उन्होंने अपना खिताब बरकरार रखा।

कोरोना से बचने को ताबीज भी बेचते हैं वेरेट : मार्था लुईस पर नॉर्वे की मीडिया डायन-चुड़ैलों को बढ़ावा देने का आरोप लगा चुकी हैं। सबसे ज्यादा आलोचना वेरेट को झेलनी पड़ी है। प्रेस में उन्हें महाठग बुलाती है। अपनी एक पुस्तक में उन्होंने सुझाव दिया था कि कैंसर एक विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने महिलाओं को अपने पिछले यौन साथियों द्वारा छोड़े गए निशान को हटाने के लिए व्यायाम की सिफारिश भी की थी। अपनी वेबसाइट पर वह 222 डॉलर का ताबीज भी बेचते हैं, जिसके बारे में उनका दावा है कि इससे उन्हें कोरोना बीमारी नहीं छू पाएगी।

एक साथ 2000 लोगों ने अपनाया सनातन धर्म : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में विश्व हिंदू परिषद ने हाल ही में एक बड़ा घर वापसी कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 2000 ईसाइयों ने स्वेच्छा से हिंदू धर्म को अपनाया। इस कार्यक्रम में नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों की घर वापसी की गई। इस घर वापसी कार्यक्रम का आयोजन विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने किया। ईसाई धर्म से लौटे लोगों को वैदिक मंत्रोच्चार और हिंदू विधि-विधान के अनुसार सनातन धर्म में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी घर वापसी करने वाले लोग बहुत खुश नजर आए। भीम पराजुली ने बताया कि जिन लोगों ने प्रलोभन या अज्ञानता के कारण ईसाई धर्म अपनाया था, उन्हें अब स्वेच्छा से हिंदू धर्म में वापसी की गई। सुनसरी, मोरंग और अन्य जिलों से हजारों लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। घर वापसी करने वालों को हनुमान चालीसा भी वितरित की गई।

आतंकवादियों ने अपहृत पाक सैन्य अधिकारी सहित 4 लोगों को किया मुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। आतंकवादियों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का गढ़ रह चुके डेरा इस्माइल खान से तीन दिन पहले अपहृत एक सैन्य अधिकारी सहित चार लोगों को शनिवार को मुक्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद अमीर को बुधवार को उस समय अगवा कर लिया था, जब वह अपने पिता के जनाजे में शामिल लोगों का मस्जिद में इंतजार कर रहे थे। सेना ने एक बयान में कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल खालिद और उनके तीन रिश्तेदारों की बिना शर्त रिहाई कबायली बुजुर्गों के दखल के कारण मुमकिन हो पाई और चारों अपहृत लोग सुरक्षित अपने घर लौट गए हैं। सेना ने घटना के संबंध में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के अशांत डेरा इस्माइल खान इलाके में एक सैन्य अधिकारी और उसके तीन रिश्तेदारों के अपहरण की घटना की किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली थी। हालांकि, अपहरण के कुछ घंटों बाद जारी वीडियो बयान में दो अपहृत लोग यह कहते हुए नजर आए थे कि वे पाकिस्तानी तालिबान के कब्जे में हैं। वे वीडियो में सरकार से अपहरणकर्ताओं की सभी मांगें मानने का अनुरोध करते भी नजर आए। हालांकि, वीडियो में मांगें स्पष्ट नहीं की गई थीं। पाकिस्तान में टीटीपी अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाता है, लेकिन अपहरण और रिहाई की इस तरह की घटनाएं दुर्लभ हैं। टीटीपी अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन दोनों के बीच गहरे रिश्ते हैं। वर्ष 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद से टीटीपी का हौसला बढ़ा है।

बस में महिला ने यात्रियों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमले, 6 लोग घायल

बर्लिन, एजेंसी। पश्चिम जर्मनी में एक बस में चाकूबाजी की घटना में छह लोगों के घायल हो जाने के बाद पुलिस ने 32 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में राजनीतिक या धार्मिक मंशा का कोई सबूत नहीं मिला है। पुलिस ने शुक्रवार शाम को कहा था कि जिन लोगों पर चाकू से हमला किया गया, उनमें तीन की स्थिति नाजुक है। कोलोन शहर के पास सिएगेन में शुक्रवार को शाम करीब सात बजकर 40 मिनट पर यह हमला हुआ। बस एक स्थानीय उत्सव के लिए जा रही थी और उसमें कम से कम 40 लोग सवार थे। पुलिस एवं अभियोजकों ने बताया कि इस हमले में 16 से 30 साल तक के छह स्थानीय लोग घायल हुए जिनमें से तीन को उपचार के बाद शनिवार सुबह अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। सिएगेन में चाकूबाजी सोलीनगेन के चाकू हमले के एक सप्ताह बाद हुई है। सिएगेन और सोलीनगेन दोनों ही उत्तरी राइन वेस्ट्फ़ेलिया में हैं। करीब एक सप्ताह पहले सोलीनगेन में एक संदिग्ध इस्लामिक चरमपंथी पर तीन लोगों की हत्या तथा आठ अन्य को घायल करने का आरोप लगा था।

क्रैश हुआ विमान कई मकानों से टकराया, भयंकर आग से कई लोगों की मौत

पोर्टलैंड, एजेंसी। अमेरिका में पोर्टलैंड के पूर्वी इलाके में शनिवार सुबह एक छोटे विमान के कई मकानों से टकरा जाने से उनमें आग लग गई और कई लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में दो लोग सवार थे और कम से कम एक निवासी लापता है, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। पोर्टलैंड में 'केजीडब्ल्यू-टीवी द्वारा प्रसारित तस्वीरों और वीडियो में एक मकान में आग लगी हुई दिखाई दे रही है, जबकि आसपास के घरों से काला धुआं निकलता नजर आ रहा है। ग्रेशम के दमकल विभाग के प्रमुख स्कॉट लुइस ने बताया कि आग कम से कम चार मकानों में फैल गई, जिसके कारण छह परिवार विस्थापित हो गए। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर दो लोगों का इलाज किया गया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कैसे घायल हुए और उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने विमान की पहचान दोहरे इंजन वाले 'सेसना 421सी के रूप में की है। उसने बताया कि यह विमान पोर्टलैंड से पूर्व की ओर लगभग 30 मिनट की दूरी पर स्थित ट्राउटडेल हवाई अड्डे के पास सुबह करीब साढ़े दस बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। मल्टनोमा काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, विमान के नीचे गिरने से एक खंभा और बिजली के तार टूट गए, जिससे पास के एक खेत में आग लग गई। फेयरव्यू शहर के आवासीय क्षेत्र में मकानों से टकराने के बाद विमान के कई हिस्से हो गए। इस क्षेत्र में करीब 10,000 लोग रहते हैं। लुइस ने बताया कि आग लगने के बारे में पहला फोन कॉल ट्राउटडेल हवाई अड्डे के 'कंट्रोल टॉवर के कर्मचारियों ने किया था, जिन्होंने धुएं का घना गुबार उठते देखा था, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले ''आपात स्थिति को लेकर कोई कॉल नहीं आया था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना की जांच कर रहा है। इसके प्रवक्ता पीटर नडसन ने बताया कि एजेंसी ने दुर्घटनास्थल पर दो जांचकर्ताओं को भेजा है, जो मलबे का दस्तावेजीकरण करेंगे। उन्होंने दुर्घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।

ताइवान को फिर डराने की कोशिश, सीमा पर मंडराए 10 चाइनीज लड़ाकू विमान : ताइपे, एजेंसी। चीन ने शनिवार को फिलीपीन के एक तटरक्षक जहाज पर जानबूझकर चीनी जहाज को टक्कर मारने का आरोप लगाया है। चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन के हवाले से कहा गया कि पतवार संख्या 9701 वाला फिलीपीन जहाज शनिवार दोपहर चीन के जहाज-5205 से टकरा गया। लियू ने दावा किया कि फिलीपीन के जहाज ने चीनी तटरक्षक जहाज को 'खतरनाक तरीके से जानबूझकर टक्कर मारी।' बिना अधिक विवरण दिए उन्होंने कहा कि चीनी जहाज नियमानुसार संचालित हो रहा था। बता दें, चीन अपनी सेना का तेजी से विस्तार कर रहा है और दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा जताने में वह लगातार मुखर होता जा रहा है।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली

सना, एजेंसी। अदन की खाड़ी में ग्रोटन नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली है। शनिवार को यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीराह टीवी पर हूती प्रवक्ता याहया सारिया ने कहा, हमने फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में अदन की खाड़ी में ग्रोटन जहाज पर हमला किया, क्योंकि इस जहाज की मालिकाना हक वाली कंपनी इजरायल के साथ व्यापार कर रही थी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, उन्होंने कहा, मिलाइलों और ड्रोन्स को इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया। सारिया ने आगे कहा कि यह दूसरी बार है जब हूती ने किसी जहाज को अगस्त महीने में निशाना बनाया है। पहला हमला 3 अगस्त को किया गया था, और इस बात की चेतावनी जारी की गई थी कि अभी और जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। इंग्लैंड के मेरी टाइम ट्रेड ऑपरेशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा है कि उन्हें यमन दक्षिणी बंदरगाह से पूर्व में 130 नॉटिकल मील की दूरी पर अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर हमले की खबर मिली। इसमें यह कहा गया था कि

जहाज के पास दो मिसाइलें दागी गई और सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं। नवंबर 2023 से हूती कथित तौर पर इजरायल संबंधित मालवाहक जहाजों को निशाना बनाता आ रहा है। हूती लाल सागर और अदन की खाड़ी के अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुका है। उसका कहना है कि ऐसा वो गाजा में फिलिस्तीनीयों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए कर रहा है। 2014 के अंत से हूतियों ने उत्तरी यमन के अधिकांश भाग पर नियंत्रण कर रखा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को राजधानी सना से बाहर होना पड़ा है।

इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में बम धमाका, दो नागरिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में हुए बम धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। अधिकारी के अनुसार, बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह द्वारा एक बम रखा गया था। अचानक विस्फोट हो गया और इसकी चपेट में आने से दो नागरिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सलाहुद्दीन प्रांत के बैजी शहर में शनिवार को एक कार के पास विस्फोट हुआ। सलाहुद्दीन पुलिस कमांड मीडिया कार्यालय के मोहम्मद अल-बाजी के अनुसार, ये विस्फोट इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यही नहीं, इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

बता दें कि 2017 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) को इराक से खदेड़ दिया गया था। इसके बावजूद आईएस के लड़ाके इराक में गुरिल्ला हमले कर रहे हैं। आतंकी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ क्षेत्रों में घुसपैठ कर उन्हें निशाना बनाते हैं। इसके अलावा वह

सुरक्षा बलों और नागरिकों पर भी हमला करते हैं। इससे पहले बीते 19 अगस्त को इराकी सुरक्षा बलों ने दक्षिणी बगदाद से इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक भगोड़े आतंकवादी को गिरफ्तार किया था। बगदाद ऑपरेशन कमांड (बीओसी) ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बीओसी के बयान के हवाले से बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर इराकी सेना ने आतंकवादी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखी और उसे बगदाद से 40 किलोमीटर दक्षिण में लतीफिया के आसपास के क्षेत्र में घात लगाकर घेर लिया। इसके बाद आतंकवादी को पकड़ने में सफलता मिली।

नेशनल सेमेट्री का दौरा करने पर ट्रंप को हैरिस ने घेरा, बोलीं- सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर आए दिन डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के लिए राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के बीच जुबानी जंग जारी है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेशनल सेमेट्री जाने पर मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की कब्र पर राजनीति के लिए जगह नहीं है। उनका नेशनल सेमेट्री जाना केवल राजनीतिक स्टंट है। दरअसल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय कब्रिस्तान (नेशनल सेमेट्री) में 2021 में अफगानिस्तान में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के सम्मान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया था। ट्रंप की टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें ट्रंप को सैनिकों की कब्र के पास से गुजरते हुए दिखाया गया था। इस दौरान उन्होंने बाइडन की आलोचना भी की। बताया जाता है कि ट्रंप की टीम के दो सदस्यों का कब्रिस्तान के एक अधिकारी के साथ विवाद भी हुआ। इसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद उम्मीदवार कमला हैरिस ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि कब्रिस्तान में राजनीति के लिए जगह नहीं है। मुझे भी उपराष्ट्रपति के तौर पर कई बार आर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान का दौरा करने का मौका मिला। उन्होंने लिखा कि यह एक ऐसी जगह है जहां हम अमेरिकी नायकों का सम्मान करने आते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की टीम यहां पर वीडियो फिल्मा रही थी। इसे लेकर उनकी टीम को कब्रिस्तान के कर्मचारियों से विवाद हुआ था। पूर्व राष्ट्रपति ने राजनीतिक स्टंट के लिए पवित्र भूमि का अनादर किया। उन्होंने ट्रंप के सैनिकों के

अपमान के इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रंप पहले भी कई बार सैनिकों का अपमान कर चुके हैं। उन्होंने समाज और देश की सेवा करने वालों को गिरा और हारा हुआ कहकर कई बार उनका अपमान किया है। हैरिस ने लिखा कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जिसे अपनी सेवा के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। उन्होंने यह भी लिखा कि अमेरिका के लोग चाहते हैं कि दिग्गजों, सैन्य परिवारों, सेवा सदस्यों को सम्मानित किया जाए। उनको सर्वोच्च सम्मान के साथ कृतज्ञता भी अर्पित करनी चाहिए। मगर जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता उसे कभी भी अमेरिका के राष्ट्रपति की मुहर के बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। हैरिस ने लिखा कि मैं सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करती हूं। उन्होंने हमारे राष्ट्र और हमारी आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उनके लिए शोक मनाती हूं।

जयपुर में बांध टूटने से कब्रिस्तान में पहुंचा पानी..... लाशें पानी में बहने लगीं

जयपुर । जयपुर में बांध टूटने से जलमग्न हुए कब्रिस्तान से लाशों के बहने का मामला सामने आया है। कब्र से कई शव बाहर निकल पानी के तेज बहाव में बहने लगे। यह देख हर कोई दंग रह गया। लेकिन लोगों ने सूझबूझ दिखकर नाले में उतर शवों को आगे बहने से रोका। फिर रस्सी की मदद से कब्र से बाहर आए शवों को निकाला और वापस कब्र में दफन किया। दरअसल, खोह नागोरियान इलाके में सोमवार सुबह झमाझम बारिश में नूर बांध की दीवार टूटने से बांध का पानी दरगाह के पीछे कब्रिस्तान में घुस गया। इस पानी से कब्रिस्तान पूरी तरह से बर्बाद हो गया और कब्र से 5 शव बाहर आ गए। वहीं, कुछ देर बाद एक-एक कर लाशें पानी के बहाव में बहनें लगीं। जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने वापस कब्र में दफना किया। इस लेकर कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने बताया, पहाड़ियों के बीच में बना बरसों पुराना नूर का बांध अचानक सोमवार सुबह टूटा और उसका पानी बस्ती होकर कब्रिस्तान में पहुंच गया। इस वजह से कुछ जनाजे बहे जिन्हें लोगों ने वापस सुपुर्द-ए-खाक किए। इस लेकर जयपुर कलेक्टर को सूचना देकर मौके पर एसडीआरएफ की टीम भेजी है।

मुश्किल में अखिलेश का करीबी नवाब.... डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि

कन्नौज । उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पूर्व ब्लॉक प्रमुख और सपा नेता अखिलेश यादव का करीबी नवाब सिंह यादव का डीएनए सैंपल पीड़िता से मैच हुआ है। घटना के मौके से फॉरेंसिक टीम ने लिए नमूने और डीएनए टेस्ट रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि है। इसके बाद नवाब सिंह की मुश्किलें बढ़ना तय है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त मिली गई है। नवाब सिंह ने किशोरी से दुष्कर्म किया है। विधि विज्ञान प्रयोगशाला की रिपोर्ट से इसकी पुष्टि करती है। किशोरी से पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब के दुष्कर्म के मामले में पुलिस को 60 दिन के अंदर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करना होगा। इससे पुलिस ने करीब 70 पन्नों की केस डायरी तैयारी की है। जल्द ही पुलिस मामले में चार्जशीट दाखिल कर सकती है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह की गिरफ्तारी का वीडियो इंटरनेट और मीडिया पर प्रचलित हुआ था। इसमें पीड़िता बगैर टॉप के कॉलेज के गेट पर खड़ी है। वीडियों में पीड़िता के साथ पुलिस अंदर कमरे में पहुंचती है। कमरे के अंदर बेड पर नवाब सिंह लेटा हुआ है। जबकि पीड़िता की बुआ पास में कुर्सी पर बैठी हैं।

कौन है नवाब सिंह यादव- बालिक से दुष्कर्म के प्रयास से सुर्खियों में आए नवाब सिंह ने छात्र संघ की राजनीति से सियासती पारी शुरू की। इसके बाद कम समय में ब्लॉक प्रमुख से लेकर सपा में मिनी मुख्यमंत्री के नाम से रसूक कायम किया। अखिलेश के बेहद खास माने जाने वाले नवाब सिंह डिंपल यादव का प्रतिनिधि भी रहा है। आरोपित नवाब सिंह यादव के खिलाफ जघन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2007 से अबतक उस पर 16 मामले दर्ज हैं। इनमें अपहरण, गुंडा एक्ट, मारपीट और महामारी अधिनियम के मामले शामिल हैं।

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन... दो श्रद्धालुओं की मौत

जम्मू । माता वैष्णो देवी यात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा हुआ है। यात्रा मार्ग पर भूस्खलन के कारण दो श्रद्धालु की मौत हो गई है। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया गया। घायल श्रद्धालु को तुरंत चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई और उसकी हालत स्थिर है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सतर्क रहें और मार्ग की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ें। भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग पर अस्थायी रूप से आवाजाही रोक दी गई है, और मार्ग को साफ करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

2023 में 93.50 लाख लोगों ने किए थे देवी के दर्शन - हर साल लाखों लोग वैष्णो देवी के दर्शन करने जाते हैं। साल 2023 में रिकॉर्ड श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। बीते एक दशक में 2023 में रिकॉर्ड 93.50 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, त्रिकुट पहाड़ियों पर बने वैष्णो देवी के मंदिर में 93.50 लाख लोगों ने देवी के दर्शन किए थे। इससे पहले 2013 में सर्वाधिक 93.24 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी के दर्शन किए थे। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया था कि बीते दस सालों में इस बार सर्वाधिक 93.24 लाख तीर्थायात्री वैष्णो देवी के दर्शन करने पहुंचे थे।

दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन में फांसी..... ममता के विधेयक को भाजपा का समर्थन

कोलकाता । कोलकाता डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले से पूरा देश स्तब्ध है। इस तरह की जघन्य घटनाओं को रोकने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाने की मांग हो रही है। इस बीच ममता सरकार का सोमवार से विधानसभा का दो दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। इस विशेष सत्र में विधेयक पेश होगा, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन के अंदर फांसी की सजा सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है। ममता सरकार के सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित विधेयक मंगलवार को पेश करने की संभावना है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा विधानसभा में ममता के विधेयक का समर्थन करेगी। वहीं, बीजेपी का कहना है कि उनकी पार्टी बलात्कार के खिलाफ ममता सरकार के विधेयक का समर्थन करेगी। बीजेपी भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि ममता के विधेयक का समर्थन करेगी। हालांकि, ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा के अंदर भी प्रदर्शन जारी रहेगा। बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले कहा था कि उनकी सरकार एंटी-रेप लॉ लाएगी, जिससे रेप के आरोपियों को दस दिन के भीतर मौत की सजा मिल सकेगी। बंगाल विधानसभा स्पीकर बिमान बनर्जी ने बताया कि यह बिल विधानसभा के विशेष सत्र के आखिरी दिन मंगलवार को पेश होकर उसी दिन चर्चा होकर पारित होगा।

दिल्ली में अवैध रूप से दौड़ रहे 114 ई-रिक्शा जब्त, जेसीबी से किया नष्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रहे अवैध ई-रिक्शा चालकों पर शिकंजा कसते हुए परिवहन विभाग ने 114 ई-रिक्शों को जब्त किया है। विभाग ने लगातार मिल रही शिकायतों के बाद गैरकानूनी रूप से चल रहे ई-रिक्शों को जब्त किया और जेसीबी से इन्हें नष्ट कर दिया। परिवहन विभाग ने अपना पूरा फोकस अवैध ई-रिक्शों पर केंद्रित कर दिया है। दिल्ली में करीब एक लाख 60 हजार ई रिक्शा चलते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध ई-रिक्शा भी हैं, जिनके पास न तो लाइसेंस और न परमिट। ये ई-रिक्शा दिल्ली की सड़कों पर खतरनाक तरीके से लोगों की जान जोखिम में डालकर चलते हैं साथ ही ई-रिक्शा चालकों ने पूरी तरह सड़कों को घेर लेने की भी शिकायतें मिल रहीं थीं। ये अवैध ई-रिक्शे सड़कों पर खुलेआम बिजली चोरी भी करते हैं. जिसकी वजह से बिजली कंपनियों को करीब 120 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है और यह नुकसान दिल्ली की जनता से वसूला जाता है। एक ई रिक्शा को चार्ज करने में 8 से 10 यूनिट बिजली खर्च होती है, लेकिन यह रिक्शा माफिया बिजली के पोल से बिजली चोरी कर के रिक्शाओं को चार्ज करते हैं, जिसके कारण दिल्ली में पिछले दिनों कई हादसे हुए और ई-रिक्शा में करंट आने से एक साल साल के बच्चे की और एक 40 साल की व्यक्ति की मौत हो गई थी।

मणिपुर में फिर चलीं दनादन गोलियां, महिला सहित दो की मौत 9 घायल

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई फायरिंग में एक महिला समेत दो की मौत हो गई जबकि नौ अन्य घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने आरोपि?यों की तलाश शुरू कर दी है। राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने बताया कि भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पहाड़ी की चोटी से अंधाधुंध गोलीबारी की और इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत कोत्रुक और पड़ोसी कडांगबंद के निचले घाटी इलाकों में बम भी फेंके। इस गोलीबारी में 31 वर्षीय महिला और एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि महिला की आठ वर्षीय बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत नौ अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध उग्रवादियों के अचानक हमले से तनाव और दहशत फैल गई। इसके कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई ग्रामीण सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए भाग गए। मारी गई मैतेई समुदाय की महिला की पहचान नगांगबाम सुरबाला देवी के रूप में हुई।

जम्मू के सुंजवां में संतरी पोस्ट पर आतंकी हमला, गोलीबारी में एक जवान शहीद

-सेना ने इलाके को घेरा, तलाशी अभियान शुरु, ड्रोन की भी ली जा रही मदद

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकियों के हमले हो रहे हैं। सोमवार को जम्मू के सुंजवां के संतरी पोस्ट के पास सैन्य स्टेशन पर आतंकियों ने हमला किया है। इस गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया। आर्तकियों की तलाशी के लिए सेना ने घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। जम्मू के सुंजवां सैन्य स्टेशन पर आर्तकियों द्वारा बेस के बाहर से की गई गोलीबारी में एक सैन्य जवान शहीद हो गया। शहीद जवान की पहचान नायक कुलदीप के रूप में हुई है। आर्तकियों की तालश के लिए ड्रोन भी तैनात किए गए हैं।

रक्षा अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि जम्मू के सुंजवान मिलिट्री स्टेशन में आतंकवादियों ने बेस के बाहर से गोलीबारी की, जिसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। हमलावरों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। आर्तकियों का हमला सुंजवान मिलिट्री स्टेशन के सेंट्री पोस्ट एरिया के पास के इलाके में हुआ। यहां 36 इंफेंट्री ब्रिगेड तैनात है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिलिट्री स्टेशन के बाहर संदिग्ध गतिविधियां देखने को मिली थीं, जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं। इसकी वजह से हलचल बढ़ गई और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।

सेना के अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद किसी संदिग्ध के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन सेना और स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने गहन तलाशी के लिए इलाके को घेर लिया गया है। ये पहला मौका नहीं है, जब सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर हमला हुआ है। इससे पहले फरवरी 2018 में, आतंकवादियों ने सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला किया था, जिसमें छह जवान शहीद हो गए थे, एक नागरिक और तीन आतंकवादी भी मारे गए थे।

पिछले हफ्ते, सुरक्षा बलों ने 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले के गुरेज सेक्टर में एलओसी के नजदीक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। आतंकवादियों की गतिविधि देखे जाने के बाद घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों और सेना के बीच गोलीबारी शुरू हुई थी। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी पर दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम तीन आतंकवादी मारे गए थे।

करारी हार के बाद अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंधमारी में जुटे उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर । लोकसभा चुनावों में शेख अब्दुल रशीद ने नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को हराकर बड़ी राजनीतिक हलचल मचा दी थी। उमर को भरोसा नहीं हो रहा था कि जिस कश्मीर पर उन्होंने और उनके परिवार ने लंबे समय तक राज

किया वहां पर उन्हें जेल में बंद एक व्यक्ति ने हरा दिया। करारी हार के बाद उमर ने शेख अब्दुल रशीद की अध्यक्षता वाले राजनीतिक दल अवामी इत्तेहाद पार्टी में सेंध लगानी शुरु कर दी है। बता दें कि रशीद की अध्यक्षता वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के कई कार्यकर्ता नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) में शामिल हुए हैं। हालांकि रशीद की पार्टी के तमाम नेताओं का कहना है कि इससे हमारे चुनावी प्रदर्शन पर ज्यादा असर नहीं होगा, क्योंकि जनता हमारे साथ है। बता दें कि श्रीनगर में रोजाना बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता अवामी इत्तेहाद पार्टी में शामिल हो रहे हैं जिसके चलते इस पार्टी का दावा है कि उसे दक्षिण और मध्य कश्मीर में बड़ा जनसमर्थन मिल रहा है। श्रीनगर में रशीद के बेटे अबराब रशीद ने कहा कि जैसे लोकसभा चुनावों में उत्तरी कश्मीर ने हमारा समर्थन किया था, वैसा ही समर्थन हमें मध्य और दक्षिण कश्मीर से भी इस बार के विधानसभा चुनावों में मिलेगा है। उन्होंने कहा कि मैं मध्य और दक्षिण कश्मीर के लोगों से उम्मीद करता हूँ कि विधानसभा चुनावों में वे हमारी पार्टी को चुने। वहीं एआईपी के प्रवक्ता इनाम उन नबी ने कहा कि कश्मीर के लोगों को अवामी इत्तेहाद पार्टी के चलते एक नई क्षेत्रीय पार्टी का विकल्प मिल गया है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव में उचित जनादेश की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि खंडित जनादेश से कुछ नहीं मिलेगा।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट, व्यक्ति दोषी भी... तब भी घर नहीं गिराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर मामलों की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई। जस्टिस गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि जो कार्रवाई की गई है, वह नगर-निगम और नगरपालिका के कानून के अनुसार ही की गई है। उन्होंने बताया कि अवैध कब्जे के मामलों में म्युनिसिपल संस्थाओं द्वारा नोटिस देने के बाद ही कार्रवाई हुई है। जस्टिस विश्वनाथन ने केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने नोटिस, कार्रवाई और अन्य आरोपों पर मोदी सरकार को उत्तर देने के निर्देश दिए हैं। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल खड़े कर कहा कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी के घर को गिराना उचित नहीं है। अदालत ने शासन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाकर कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोषी भी है,तब भी घर को गिराया नहीं जा सकता। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने इस बात को स्वीकार कर कहा कि अपराध में दोषी साबित होने पर भी घर नहीं गिराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है, वे अवैध कब्जे या निर्माण के कारण निशाने पर हैं, न कि अपराध के आरोप की वजह से हुई है।

जमीयत उलेमा ए हिन्द ने याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा आरोपियों के घरों पर मनमाने ढंग से बुलडोजर चलाने पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में यूपी, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हाल में हुई बुलडोजर कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका पर की गई थी जल्द सुनवाई की हुई थी मांग

वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। याचिका जहांगीरपुरी मामले में वकील फरूख रशीद द्वारा दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकारें हाशिए पर मौजूद लोगों, खासकर अल्पसंख्यकों के खिलाफ दमन चक्र चलाकर उनके घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे पीड़ितों को कानूनी उपाय करने का मौका नहीं मिलता।

एमेनेस्टी इंटरनेशनल की फरवरी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच दिल्ली, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और यूपी में सांप्रदायिक हिंसा के बाद 128 संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा गया। मध्यप्रदेश में एक आरोपी के पिता की संपत्ति पर बुलडोजर चलवा दिया गया, और मुरादाबाद तथा बरेली में भी बुलडोजर से संपत्तियां ढहाई गईं। हाल ही में, राजस्थान के उदयपुर जिले में राशिद खान का घर भी बुलडोजर से गिरा दिया गया, जिसमें उनके 15 वर्षीय बेटे पर स्कूल में अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था।

दुष्कर्म के आंकड़ों पर सिब्बल का उपराष्ट्रपति पर पलटवार, बोल- धनखड़ जी, आपने बंगाल क्यों नहीं देखा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को कथित एससीबीए प्रस्ताव पर उनकी आलोचना करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर पलटवार किया, जिसमें वरिष्ठ वकील ने कथित तौर पर कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या को 'लक्षणात्मक अस्वस्थता' बताया था। सिब्बल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, टाइम्स ऑफ इंडिया (रिपोर्ट); बलात्कार (2017 से 2022 के बीच)। बलात्कार/सामूहिक दुष्कर्मके बाद हत्या के 1,551 मामलों में से सबसे अधिक (280) मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए, उसके बाद मध्य प्रदेश (207), असम (205), महाराष्ट्र (155) और कर्नाटक (79) का नंबर आता है।

सिब्बल ने उपराष्ट्रपति को लेकर आगे लिखा कि धनखड़ जीः आपने इसे देखा? पश्चिम बंगाल क्यों गायब है? कोई दुर्भावना नहीं? धनखड़ ने एससीबीए अध्यक्ष सिब्बल की आलोचना की थी, जिन्होंने एक कथित

प्रस्ताव में कहा था कि कोलकाता के सरकारी आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई दुखद घटना बीमारी का लक्षण'' थी और उन्होंने कहा था कि ऐसी घटनाएं आम बात हैं।

उपराष्ट्रपति ने 30 अगस्त को दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा था, ''मैं दुखी हूं, और कुछ हद तक स्तब्ध भी कि सुप्रीम कोर्ट बार में एक पद पर आसीन एक संसद सदस्य, इस तरीके से काम कर रहे हैं और क्या कहते हैं वो! बीमारी का लक्षण, और सुझाव दिया कि ऐसी घटनाएं आम हैं! कितनी शर्म की बात है! ऐसी घटनाओं की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

तेजस्वी को सिन्हा का जबाव... बिहार की जनता मालिक है, जनता तय करेगी सच्चा सेवक कौन

-लालू ने 15 साल में एक भी व्यक्ति को नहीं दिया आरक्षण

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर कथित तौर पर जातिवाद करने का आरोप लगाकर कहा कि लोगों को तय करना हैं कि बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा। सिन्हा की यह प्रतिक्रिया तेजस्वी की जाति जनगणना और बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग के बाद आई है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मालिक है और बिहार का सच्चा सेवक कौन होगा, वहां तय करेगी।

सिन्हा ने कहा कि जो लोग जाति के जहर के कहर से बिहार को प्रभावित करते हैं, राजनीति में भी जातिय चश्मा पहनकर राजनीति को गंदा करते हैं। इतना ही नहीं ये लोग बिहार में भ्रष्टाचार बढ़ाते हैं, अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं। अपने परिवार के उत्थान और कल्याण के लिए नाटक रचा जा रहा है। तेजस्वी पर हमला कर उन्होंने कहा कि उनके पास अपने माता-पिता के 15 साल के कार्यकाल में हुए कामों को गिनाने की कोई जगह है।

भाजपा नेता सिन्हा ने कहा कि एक जगह ये लोग 17 महीनें रहे और एनडीए 17 सालों तक सत्ता में रही। एनडीए के कार्यकाल में जो काम शुरू हुआ उसी को वे(राजद) गिनवा रहे हैं। जनता को बरगलाने, भौकाल बनाने की राजद की संस्कृति है। यही इनकी मानसिकता है। इस बीच, बिहार के एक अन्य उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में लालू यादव के 15 साल के शासन को याद कर आरोप लगाया कि एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया जा रहा है।

चौधरी ने कहा कि लालू 15 साल तक सत्ता में रहे लेकिन उन्होंने एक भी व्यक्ति को आरक्षण नहीं दिया। उन्हें केवल परिवार के आरक्षण की चिंता है। लालू यादव के परिवार को कभी भी पूरे राज्य की चिंता नहीं रही।

भाजपा सांसद का आरोप खड़गे परिवार को मुफ्त में मिली 19 एकड़ सरकारी जमीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने कांग्रेस नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाया हैं। उन्होंने दावा किया है कि खड़गे परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को गुलबर्गा में 19 एकड़ सरकारी जमीन मुफ्त में मिली है। ट्रस्ट के अंतर्गत चलने वाले इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पाली, संस्कृत और तुलनात्मक दर्शन को यह जमीन कांग्रेस सरकार के दौरान आवंटित की गई थी।

भाजपा नेता सिरोया ने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के ट्रस्टी खड़गे की पत्नी, दामाद और दो बेटे हैं। पाली इंस्टीट्यूट के सचिव श्री राधाकृष्ण, जो खड़गे के दामाद और वर्तमान गुलबर्गा के सांसद हैं, ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं। हाल ही में यह बात भी सामने आई थी कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को बेंगलुरु के एयरोस्पेस पार्क में 5 एकड़ सिविक एमेनिटीज की जमीन दी गई थी।

भाजपा ने बताया कि मार्च 2014 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पाली इंस्टीट्यूट को 30 साल के लिए 16 एकड़ सरकारी जमीन लीज पर दी थी। कुछ सालों बाद, इस जमीन में 3 एकड़ और जोड़ी गई। आखिरकार,मार्च 2017 में, सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने पूरी 19 एकड़ जमीन खड़गे परिवार द्वारा संचालित संस्थान को मुफ्त में दे दी। महत्वपूर्ण है कि तब खड़गे के बेटे प्रियंक, जो वर्तमान में भी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं, तब भी कैबिनेट मंत्री थे जब यह जमीन आवंटित की गई।

सिरोया ने मांग की है कि 19 एकड़ जमीन के हस्तांतरण की, बेंगलुरु के केआईएडीबी की 5 एकड़ जमीन आवंटन की तरह, स्वतंत्र एजेंसी से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खड़गे परिवार द्वारा कथित सत्ता के दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद की ओर इशारा करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया है, लेकिन अगर खड़गे परिवार डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और भगवान गौतम सिद्धार्थ के सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं, तब उन्हें खुद इस मामले की जांच की मांग करनी चाहिए।

आदमखोर भेड़ियों को पकड़ने में .... रंगीन टेडी गुड़िया वन विभाग का हथियार

बहराइच (एजेंसी)। भेड़ियों को पकड़ने में जुटी वन विभाग की टीम के एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने कहा भेड़ियों को पकड़ने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोई गई रंगीन टेडी गुड़िया का उपयोग करके उन्हें पकड़ने की कोशिश हो रही है।

वन विभाग ने अब इन शिकारियों को पकड़ने के लिए झूठे चारे के रूप में चमकीले रंग की टेडी गुड़िया का उपयोग करके एक अभिनव प्रयास शुरू किया है। इन गुड़ियों को नदी के किनारे, भेड़ियों के आराम करने के स्थानों और मांदों के करीब रणनीतिक रूप से रखा गया है, और प्राकृतिक मानव गंध की नकल करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोया जा रहा है।

इस बारे में वन अधिकारी ने बताया, भेड़िये लगातार अपना स्थान बदल रहे हैं। आमतौर पर, वे रात में शिकार करते हैं और सुबह तक आराम करते हैं। हमारी रणनीति उन्हें गुमराह करना और उन्हें आवासीय क्षेत्रों से दूर उनके मांद के पास रखे जाल या पिंजरों की ओर आकर्षित करना है।

वन अधिकारी ने कहा, हम थर्मल ड्रोन का उपयोग करके उन्हें ट्रैक करने और फिर पटाखे फोड़कर और शोर मचाकर उन्हें जाल के पास सुनसान इलाकों की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि ये जानवर मुख्य रूप से बच्चों को निशाना बनाते हैं, इसलिए हमने जाल के पास मानव उपस्थिति का झूठा आभास पैदा करने के लिए बच्चों के मूत्र में भिगोए हुए रंगीन कपड़े पहने बड़ी टेडी गुड़िया पेश की हैं। प्राकृतिक मानव गंध भेड़ियों को जाल के करीब आकर्षित कर सकती है।

वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ने बताया कि ऐतिहासिक रूप से, अंग्रेजों ने इस क्षेत्र से भेड़ियों को खत्म करने का प्रयास किया था, यहां तक ??कि उन्हें मारने के लिए इनाम भी दिया था। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, भेड़िये जीवित रहने में कामयाब रहे और नदी के किनारे के इलाकों में निवास करते है। जानवरों को पकड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के चारे का उपयोग किया जाता है, जिसमें जीवित चारा, मृत चारा और झूठा या नकाबपोश चारा शामिल है।

उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा इस्तेमाल की जा रही टेडी डॉल को झूठे चारे के रूप में देखा जा सकता है, ठीक उसी तरह जैसे खेतों में पक्षियों से फसलों की रक्षा के लिए बिजूका का इस्तेमाल होता है। हालांकि इस तरह के तरीकों के सफल होने का कोई प्रमाणित रिकॉर्ड नहीं है। हाल के महीनों में, बहराइच की महसी तहसील में भेड़ियों का एक झुंड तेजी से आक्रामक हो गया है, जुलाई से हमले तेज हो गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, छह भेड़ियों के झुंड ने 17 जुलाई से कथित तौर पर छह बच्चों और एक महिला को मार डाला है, जबकि कई ग्रामीणों को

घायल कर दिया है। छह भेड़ियों में से चार को पकड़ लिया गया है, लेकिन दो अभी भी फरार हैं, जो क्षेत्र में खतरा बने हुए हैं। वन विभाग थर्मल और नियमित ड्रोन दोनों का उपयोग करके इन भेड़ियों की सक्रिय रूप से तलाश कर रहा है।